



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

15
७

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 2, 1980 (श्रावण 11, 1902)

No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 2, 1980 (SRAVANA 11, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च स्थायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

प्रवर्तन निदेशालय

(अधिकारी मुद्रा विनियमन अधिनियम)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 जून 1980

सं ए० ०-11/2/80—श्री ग० टी० घोष, महायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय को प्रवर्तन निदेशालय कलकत्ता में दिनांक 8-4-1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिये प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मण्डल
उप-निदेशक (प्रशासन)

अगले आदेश तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होदा
ब्रवर सचिव

कृष्ण निदेशक, केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मन्त्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक जुलाई 1980

सं० ओ०-II-80/77-स्थापना—श्री एफ० एस० आर० सियाना संघ शासित श्रेष्ठ सर्वग के भारतीय पुलिस से अधिकारी ने संघ शासित क्षेत्र में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप दिनांक 6 जून, 1980 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 62 बटालियन के कमाण्डेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ा।

दिनांक 10 जुलाई 1980

सं० ओ० दो०-1437/79-स्थापना—महा निदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) उमारानी नारजरी को

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1980

सं० 09 आर० सी० टी०-18—श्री मारे लाल, स्थार्ड सहायक को आयोग में 16-6-1980 से 19-7-1980 तक या 1-176GI/80

(8557)

12 जून, 1980 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अधिकारी उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

के० आर० के० प्रमाद
सहायक निदेशक
प्रशासन

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 जुलाई 1980

सं० 11/8/77-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश, सिविल सेवा के अधिकारी श्री एम० एस० सिंहा को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 12 जून 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सिंहा का मुख्यालय भोपाल में होगा।

सं० 11/61/79-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा (संघ राज्य क्षेत्र) संवर्ग के अधिकारी श्री वी० के० भल्ला को तारीख 25 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक दिल्ली, नई दिल्ली में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री भल्ला का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/123/79-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० एस० बास्थड़े, को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में 13 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० एस० बास्थड़े का मुख्यालय उर्जैन में होगा।

सं० 11/126/79-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, असम सिविल सेवा के अधिकारी श्री देवेन्द्र नाथ बोरा को असम, गोहाटी में जनगणना कार्य निदेशालय में 18 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री बोरा का मुख्यालय गोहाटी में होगा।

दिनांक 10 जुलाई 1980

सं० 11/110/79-प्रशासन—I—राष्ट्रपति, गुजरात सिविल सेवा के अधिकारी श्री के० एच० देसाई को गुजरात, अहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में, तारीख 23 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री देसाई का मुख्यालय अहमदाबाद में होगा।

सं० 11/6/80-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री वी० एस० दीक्षिण को उत्तर प्रदेश

लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 16 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री दीक्षिण का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं० 11/8/80-प्रशासन—I—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के समक्ष दी गई तारीख से महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
1. श्री एम० वी० खरे	16 जून, 1980 का पूर्वाह्न
2. श्री वी० एस० डॉगडे	17 जून, 1980 का पूर्वाह्न
3. श्री डी० वी० कुलकर्णी	17 जून, 1980 का पूर्वाह्न

2. सर्वश्री खरे, डॉगडे और कुलकर्णी का मुख्यालय क्रमशः मूलत बम्बई (वासी-कोकन भवन), गोलापुर और श्रीरंगाबाद में होगा।

सं० 11/28/80-प्रशासन—I—राष्ट्रपति, पाण्डिचेरी प्रशासन के लेखा अधिकारी श्री डी० सन्थानम को पाण्डिचेरी में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 19 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सन्थानम का मुख्यालय पाण्डिचेरी में होगा।

वी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

बिस मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारखाना

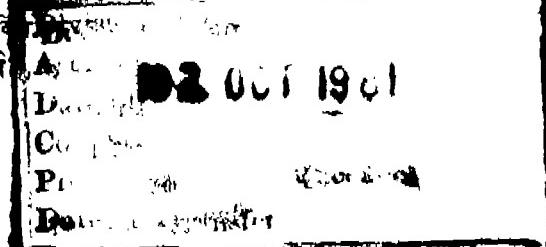
होशंगाबाद, दिनांक 27 जून 1980

सं० वी० एक० ए० डी० 14/3743—इस कार्यालय के अधिसूचना क्रमांक ए० डी० 4/9220, दिनांक 5/12/79 और श्री दिव्य पत्र क्रमांक ए० डी० 4/376, दिनांक 14-4-80 के क्रम में श्री वी० के० शर्मा की लेखा अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि अगले चार माह अर्थात् 22-9-1980 तक जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भर दिया जाता इनमें से जो भी पहले हो, तक बढ़ाई जाती है।

सं० एम० 16/3869—इस कार्यालय के अधिसूचना क्रमांक ए० 6/1070, दिनांक 2-5-1980 के क्रम में श्री वी० एल० शर्मा की सहायक अधिकारी (यांत्रिक) के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि अगले दो माह अर्थात् 21-8-1980 तक बढ़ाई जाती है।

सं० रा० पाठक
महा प्रबन्धक

३०६१९०



बैक नोट मुद्रणालय

देवास (म०प्र०), दिनांक 10 जुलाई 1980

सं० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की समसंघर्षक अधिकारी दिनांक 10-4-80 के अनुक्रम में श्री अशोक जोशी, तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट तिमाण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक 12-7-80 से आगामी तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले ही बढ़ाई जाती है।

म० ब० चार
उप महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1980

प्रशासन-1/का०आ० सं०/163—वार्धक्य निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप इस कार्यालय के स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री पी० के० डी० रौय भारत सरकार की सेवा से दिनांक 30-6-1980 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सी० के० जोसेफ
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
(प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

बैंगलोर, दिनांक 29 मई 1980

सं० स्पा० I /ए-4/80-81/217—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी के पद में उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल अस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

1. श्री एन० अप्पादौरे

2. श्री के० के० नानप्पा

ये पदोन्नत सर्वोच्च न्यायालय के लेखा याचिका नं० 4367 के अन्तिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

एम० ए० सौन्दरराजन्,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 जुलाई 1980

सं० 1525/ए-प्रशासन/130/80—निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी श्री आर० पी० दुआ की लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं, इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 16/6/1980 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश पर्यन्त नियुक्त करते हैं।

सं० 1560/ए-प्रशासन/130/79-80—वार्धक्य निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर श्री बी० एन० आर० शास्त्री, स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी दिनांक 30-6-1980 (अपराह्न) से लेखा परीक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 1561/ए-प्रशासन/130/79-80—निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी श्री पी० के० कार० को संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, पटना में दिनांक 24-6-80 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश पर्यन्त तक सहर्षे नियुक्त करते हैं।

के० बी० दास भौमिक
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा,
रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय

आईनेन्स फैक्टरियां महानिदेशालय सिविल सेवा

कलकत्ता-700 069, दिनांक 1 जुलाई 1980

सं० 12/80-ए/ई-1(एम० जी०)—श्री एन० आर० राय अस्थायी सहायक स्टाफ अफसर, मौलिक एवं स्थायी सहायक दिनांक 30-6-80 (अपराह्न) से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

श्री० पी० चक्रवर्ती
सहायक महानिदेशक/प्रशासन
कुते महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां

आईनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700016, दिनांक 2 जुलाई 1980

सं० 43/80/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री विनय कुमार दास स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक, मौलिक एवं स्थायी फॉरमैन, दिनांक 30-11-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० 45/80/जी—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, उनके सामने दण्डित गई तारीखों से नियुक्त करते हैं।

1. श्री अनिल कुमार 27 दिसम्बर, 1979

2. श्री के० एस० गुरुराजा 28 दिसम्बर, 1979

3. श्री राजिव अग्रवाल 28 दिसम्बर, 1979

दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० 44/80/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्तकर, डॉ० बी० एस० अर्प० नाम्बिदसन, स्थानापन्न, उप-महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरिया स्तर-II (मौलिक एवं स्थायी ए० डी० जी० ओ० एफ० स्टर-1 महाप्रबन्धक ग्रेड-I) दिनांक 30 जून, 1980 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० ४८/८०/जी—वार्षिक निवृत्ति आयु (५८ वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० के० सरकार, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक। मौलिक एवं स्थायी स्टोर होल्डर दिनांक २९-२-१९८० (प्रपराह) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० ४७/८०/जी—राष्ट्रपति, श्री शेख नुरुल हक को सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) के पद पर दिनांक ७ मार्च, १९८० से नियुक्त करते हैं।

श्री० के० मेहता
सहायक महानिदेशक, आईनेस फैक्टरियां

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्तका कार्यालय

बम्बई-२०, दिनांक ११ जुलाई १९८०

सं० सी० ई० आर०/३/८०—सूती वस्त्र (नियंत्रण) अधिकारी, १९४८ के खंड २२ में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/३/६९ दिनांक १९ सितम्बर १९६९ में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में:—

१. पैराग्राफ दो ई०, दो बी०, दो सी०, दो डी० और दो ई० में

(एक) जहाँ कहीं भी “उपभोक्ता मूल्य” यह उक्त आई हो उम्मेद स्थान पर “अतिम उपभोक्ता मूल्य” यह उक्त प्रतिस्थापित की जाएगी।

(दो) जहाँ कहीं भी “उत्पादन शुल्क सहित” ये शब्द आए हों वे निकाल दिये जायेंगे।

२. पैराग्राफ दो ई० के नीचे विद्यमान टिप्पणी एक और दो के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

टिप्पणी एक:—पैराग्राफ दो ए, दो बी, दो सी, दो डी और दो ई के निमित “अन्तिम उपभोक्ता मूल्य” इस उक्ति से तात्पर्य नियंत्रित वस्त्र पर तारीख ३१-१२-१९७६ को लागू खुदरा मूल्य तथा उसी तारीख को देय उत्पादन-शुल्क के योग में से, तारीख ३१-१२-१९७६ को लागू एक्स-फैक्टरी मूल्य के लिये नीचे नियष्ट एडब्ल्यूसोरम प्रतिशत और उक्त राशि के ७५% के ५% के समतुल्य कम की गई राशि होगी:—

तारीख ३१-१२-१९७६ को लागू
प्रति वर्ष मोटर एक्स-फैक्टरी मूल्य

घटाने के लिये
उत्पादन-शुल्क का
प्रतिशत

(एक) ४ रुपये से अधिक नहीं	१
(दो) ४ रुपये से अधिक लेकिन ८ रुपये से अधिक नहीं	१½ %

(तीन) ८ रुपये से अधिक लेकिन ७ रुपये से अधिक नहीं	२%
(चार) ७ रुपये अधिक लेकिन ८ रुपये से अधिक नहीं	३%
(पांच) ८ रुपये से अधिक लेकिन ९ रुपये से अधिक नहीं	४%

टिप्पणी दो:—सेंकड़स पर मोहर लगाये जाने वाले ‘अन्तिम उपभोक्ता मूल्य’ से तात्पर्य सेंकड़स का वह खुदरा मूल्य है जो वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर० १/६८ दिनांक २ मई १९६८ के पैराग्राफ एक में नियष्ट रोति के श्रनुतार तारीख ३१-१२-१९७६ को नियंत्रित वस्त्र के सेंकड़स के लिये संगणित किया गया है तथा जिसमें उपर्युक्त टिप्पणी एक में नियष्ट सेंकड़स के एक्स-फैक्टरी मूल्य पर संगणित उत्पादन-शुल्क की राशि जोड़ दी गई हो।

एम० मदुरै नायगम
आगर वस्त्र आयुक्त

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक ७ जुलाई १९८०

सं० जूट (ए०)/१४७/६५—पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री डी० के० गोस्तामी, अधीक्षक के, श्री जी० बी० दास के भेजा निवृत्त होने के फलस्वरूप दिनांक ७ जुलाई, १९८० (पूर्वाल्प) में पुनः आदेश न होने तक इस कार्यालय में तदूर्धे स्थानापन्न हैसियन में प्रशासनिक अधिकारी, श्रुप “बी” राजपत्रित के तौर पर रु० ६५०-३०-७४०-३५-८८०-८० रो०-४०-९६०/- की बेतनमात्र में नियुक्त करते हैं।

के० के० बनर्जी
कार्यकारी अधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

प्रशासन अनुभाग-६

नई दिल्ली, दिनांक १२ जून १९८०

सं० ए० १७०११/१८०/८०-६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक (धातु) वर्णपुर के कार्यालय में भंडार परीक्षक (धातु) श्री के० सी० शोध को दिनांक १३-५-८० के पूर्वाल्प से प्रागामी आवेदनों तक वर्णपुर निरीक्षणालय के अंत्रीन तरीक्षण निदेशक (धातु) के कार्यालय में तदूर्धे आधीर पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक १७ जून, १९८०

सं० ए० १७०११/१७७/८०-६—निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, बम्बई के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री आर० एन० दत्ता को दिनांक १९-५-८० के पूर्वाल्प से प्रागामी आवेदनों तक निरीक्षण निदेशक धातु (जमशेवपुर)

के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के रूप में पदोन्नत किया जाता है।

दिनांक 10 जुलाई 1980

प्रशासन अनुभाग

सं० प्र० 1/1(1159)---राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी श्री कुल भूषण को दिनांक 20-6-1980 के पुर्वाह्नि से इसी कार्यालय में सहायक निदेशक (बिक्री कर) (मेड 1) के पद पर तदर्थ प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री कुल भूषण की सहायक निदेशक (बिक्री कर) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ प्रतिनियुक्ति के आधार पर होगी।

पी०डी० से०

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 11 जुलाई 1980

सं० ए० 19011(228)78-स्था० ए०---संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री पी० शार० बाबने, कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी को दिनांक 3-7-1980 के पुर्वाह्नि से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से महापत्र प्रमाण प्राप्ति अधिकारी के पद पर महर्षि नियुक्त प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19011/(281) 80-स्था० ए०---संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री सी० एस० गुण्डेवार को दिनांक 27 जून, 1980 के पुर्वाह्नि से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से उप अध्यक्ष प्राप्ति अधिकारी के पद पर महर्षि नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बी० श्री० अली
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय मानविज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० 8-41/64/स्था०---निदेशक, भारतीय मानविज्ञान सर्वेक्षण कार्यालय अधीक्षक, श्री एम० एन० कालोद को मध्य-क्षत्र, नागपुर में कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में 16 जून, 1980 के पुर्वाह्नि से नियुक्त करते हैं।

सी० टी० धोमस
वर्झिड प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० 2/21/808 SII---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० एन० शर्मा लेखाकार आकाशवाणी गोहाटी 2-6-80 (पुर्वाह्नि) में प्रशासनिक अधिकारी तदर्थ आधार पर आकाशवाणी, गोहाटी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 29/6/80-एस०-II---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री शार० डी० परोहित फार्म रेडियो रिपोर्टर को आकाशवाणी, राजकोट 9-6-80 (पुर्वाह्नि) फार्म रेडियो आकाशवाणी बढ़ीदा के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 29/7/80-एस०-II---महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री जे० बी० सोनबारसा, फार्म रेडियो रिपोर्टर आकाशवाणी, रायपुर में 4-3-80 (पुर्वाह्नि) से फार्म रेडियो अधिकारी आकाशवाणी, रायपुर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० बी० सेषांड्री
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 9 जुलाई 1980

सं० श्र०-19012/3/79-सिवन्दी-I---संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर; मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा पी० एस० रावतेल को, फिल्म प्रभाग में दिनांक 8 जुलाई, 1980 (मुहूर) से, अग्रिम आदेश तक शास्त्र अवधारक के पद पर नियुक्त किया गया है।

एन० एन० शर्मा
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० ए० 12026/5/78-स्था०---विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री भास्कर नायर, तकनीकी सहायक (विज्ञापन) को श्री बी० एन० राजभार, सहायक माध्यम अधिकारी, जो अवधारण पर गये हैं के स्थान पर, इस निदेशालय में 16-6-80 तक तदर्थ आधार पर सहायक माध्यम अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रसार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० 19019/24/79-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० पवन कुमार को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 6 जून, 1980 अपराह्न से स्थाई आधार पर अर्युर्बेदिक फिजीशियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1980

सं० ए० 12026/25/79(एच० क्य०)/प्रशा०-I—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, नई दिल्ली में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (शिक्षक) श्रीमती सी० के० मान को 5 जून 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी ब्यूरो में उप सहायक महानिदेशक (एस० एच० ड०) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय
विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय
फरीदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1980

सं० ए०-19025/34/80-प्रशा०-III—निम्नलिखित वरिष्ठ निरीक्षकों को इस निदेशालय के अधीन उसके नाम के सामने की तारीख से और स्टेशन पर अगले आदेश होने तक अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया हैः—

1. श्री बी० बी० पाटिल	नासिक रोड	21-5-80	(पूर्वाह्न)
2. श्री भग्नुल रहीम	गुन्टूर	19-5-80	(पूर्वाह्न)
3. श्री हरिधराल सिंह	अमृतसर	17-5-80	(अपराह्न)
4. श्री बाई० जे० पीटर	हैदराबाद	17-5-80	(पूर्वाह्न)
5. श्री पी० सत्यनारायणा	गुन्टूर	20-5-80	(पूर्वाह्न)
6. श्री ग्रामीक कुमार दास	कलकत्ता	21-5-80	(पूर्वाह्न)
7. श्री के० एस० शर्मा	फरीदाबाद	12-5-80	(अपराह्न)
8. श्री ए० आर० मित्रा	फरीदाबाद	12-5-80	(अपराह्न)
9. श्री टी० वेंकटेश्वरलू	चिलाकालूरपेट	19-5-80	(पूर्वाह्न)
10. श्री एन० जी० मनी	कोचीन	17-5-80	(अपराह्न)
11. श्री एल० एस० रघुनाथन	नई दिल्ली	28-5-80	(पूर्वाह्न)
12. श्री बी० एम० हवाऊ	बन्दरई	2-6-80	(पूर्वाह्न)
13. श्री पी० जी० चौधरी	नागपुर	19-5-80	(अपराह्न)
14. श्री के० पी० तिवारी	नागपुर	5-6-80	(पूर्वाह्न)
15. श्री आर० शिलवाराज	टटीकोरिन	2-6-80	(पूर्वाह्न)

सं० 19027/1/80-प्रशा०-III—श्री पी० बा० वाई० शिरके, सहायक विषयन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन नागपुर में तारीख 2 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर 3 माह की अवधि के लिये सामान्य प्रतिनियुक्ति की गतीं पर या जब तक नियमित नियुक्ति की जाती है, वोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न सम्पादक (विषयन पत्रिका) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

(2) सम्पादक के रूप में नियुक्त होने के उपरान्त श्री शिरके ने तारीख 2-6-80 के पूर्वाह्न में नागपुर में सहायक विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 9 जुलाई 1980

सं० ए० 19023/43/78-प्र०-III—इस निदेशालय के अधीन नागपुर में उप कमिउठ विषयन अधिकारी (वर्ग

1) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री बी० एम० शौलार ने तारीख 21-6-80 अपराह्न में फरीदाबाद में विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एस० मनिहार
निदेशक प्रशासन
हृते कृषि विषयन सलाहकार
भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र
हैदराबाद-500 762, दिनांक 30 जून 1980
सं० ना० इ० स०-का० प्र० भ०० 0704/4515—
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थायी ग्रोवर्सिक प्रबरण श्रेणी लिपिक श्री पी० राजगीपालन ने नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, में दिनांक 2-6-1980 से 9-7-1980 पर्यन्त अथवा अगले आदेशों तक—जो भी पहले

घटित हो, स्थानापन्थ सहायक कामिकाधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0704/4517—
अधिसूचना सं० का० प्र० भ०/0704/2304 दिनांक
7-5-1980 के ऋम में नाभिकीय इंधन समिक्षक के मुख्य कार्य-
पालक ने अस्थाई शौचोगिक आशुलिपिक (अवरण श्रेणी)

श्री म० न० ग० शास्त्री डा० दिनांक 6-5-1980 से
1-6-1980 मध्याह्न पर्यन्त स्थानापन्थ सहायक कामिका-
धिकारी के पद पर नियुक्ति को बढ़ा दिया है।

प० श्री० र० म० मूर्ति
प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

दूसरो उपग्रह केन्द्र

बैंगलोर, दिनांक 20 जून 1980

सं० ०२० /३(०६१)/ए०/७९—इसरो उपग्रह केन्द्र के नियंत्रक नीचे सूचित व्यक्तियों को उन पदों पर उनके नामों के आगे निची तारीख के पूर्वाह्न से आगे आदेश होते तक, दूसरो उपग्रह केन्द्र, बैंगलोर में सर्वथा अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

ऋग सं०	नाम	पद	दिनांक
सर्वे/श्री			
1. कै० रामकृष्ण राघव	.	वैज्ञानिक/अभियंता एस बी	1-4-1980
2. पी० कै० अग्रहाम	.	वैज्ञानिक/अभियंता एस बी	1-4-1980
3. सी० एच० वेंकटशेषाय्या	.	वैज्ञानिक/अभियंता एस बी	1-4-1980
4. बी० ग्रार० प्रानन्दमूर्ति	.	वैज्ञानिक/अभियंता एस बी	1-4-1980
5. बी० कै० इन्दुप्रकाश	.	वैज्ञानिक/अभियंता एस बी	1-4-1980
6. एम०एस० शीकंठस्वामी	.	वैज्ञानिक/अभियंता एस बी	1-4-1980
7. एम० एसनकुमार	.	वैज्ञानिक/अभियंता एस बी	1-4-1980

एस० सुश्रावमण्डप
प्रशासन अधिकारी-II

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-३, दिनांक 14 जुलाई 1980

के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक स्थानापन्थ रूप में मौसम विज्ञान के आरं अधिसूचक के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० कै० दास
मौसम विज्ञान के महानियेशक

सं० ए० ३२०१३—(ए० भी० जी० एम०)/१/८०—
स्थां०-I—राष्ट्रीयति, मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञान के उपमहानियेशक श्री एस० कै० दास प्र० डा० भी० एम० पंत को उसी विभाग में दिनांक 31-३-८०

महानियेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० ए० ३१०११/१/७८-ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 18-६-१९८० की अधिसूचना सं० ए० ३१०११/१/७८-ई०सी० सद एतद्वारा रद्द की जाती है।

सं० ए०-३२०१४/२/८०-ई०सी० : महानियेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो संचार सहायकों को उनके नामके सामने ही गई तारीख से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तर्वर्य आधार पर नियुक्त किया है और उनके नामके सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।

ऋग सं० नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	स्थानान्तरण के अन्वय तैनाती स्टेशन	पद भार संभालने की तारीख
1. श्री बी० आई० राममूर्ति	वैमानिक संचार स्टेशन विसाखापत्तनम वैमानिक संचार स्टेशन कोयम्बटौर	वैमानिक संचार स्टेशन गोहाटी वैमानिक संचार स्टेशन, हैवराबाद	4-६-८० (पूर्वाह्न)
2. श्री बी० ए० मेनन			4-६-८० (पूर्वाह्न)

विनांक 10 जुलाई 1980

सं० ए०-३२०१४/३/७९-ई०सी० (भाग-III) —महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ प्राधार पर नियुक्त किया है और उनके नाम के सामने विए गए स्टेशन पर तैनात किया है।

क्रम संख्या	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	तैनाती का स्टेशन	कार्यभार सम्भासने की तारीख
1. श्री प्रेम कुमार		रेडियो निमणि एवं विकास एकक, नई दिल्ली	रेडियो निमणि एवं विकास एकक, नई दिल्ली	13-6-80 (पूर्वाह्न)
2. श्री बी० के० भसीन		ए०सी०ए०स०, जदयपुर	केन्द्रीय रेडियो भण्डार डिपो, नई दिल्ली	19-6-80 (पूर्वाह्न)

सं० ए० ३२०१४/२/८०/ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने बैमासिक संचार स्टेशन नागपुर के श्री बी० बी० कुलकर्णी, संचार सहायक को दिनांक 11-6-80 (पूर्वाह्न) से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ प्राधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

को सहायक बन रक्षक के पद पर बन साधकों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण, उत्तरी घ्रंचल, शिमला में प्रतिनियुक्ति की शर्तों के आधार पर दिनांक 18 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से आगमी अदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

सी० ए०ल० भाटिया
मुख्य ममन्यवक

धार० ए० वास
सहायक निदेशक, प्रशासन
हृते महानिदेशक नागर विमानन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालिय
पुणे, दिनांक 5 जून 1980

सं० पुणे—केन्द्रीय उत्पादशुल्क समाहर्तालिय के क्षेत्राधिकार में दिनांक 1-1-1980 से 31-3-1980 तक की अवधि में, केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा लबण अधिनियम 1944 की धारा—के उल्लंघन के कारण न्यायालय द्वारा सिद्धदोष व्यक्तियों के नाम, पते तथा अन्य ब्योरे दिखलाने वाला विवरणः—

विवरण-प्रपत्र

क्रम संख्या	व्यक्ति का नाम और पता	अधिनियम की व्यवस्थाएँ अथवा उन के अधीन बनाए गए नियम, जिन का उल्लंघन हुआ	न्यायालय द्वारा दिए गए दंडादेश के विवरण	प्रभ्युक्तियाँ
1	2	3	4	5

1. श्री शेख मोहम्मद इब्राहीम

(1) 48, वालायलकर स्ट्रीट लालगुड (तमिलनाडु) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा लबण सिद्धदोष ठहराया तथा हर-
अधिनियम 1944 के नियम एक उल्लंघन के लिए 3 2 मेजिस्ट्रेट, केर्टन० २
151(ग) तथा (ध) के 1 महीने सश्रम कारावास की द्वारा, केस नं० 9598/
साथ पठित धारा 9 (1) सजा 77 में दिनांक 20-9-79
(ख) (ख) (ख ख) को फैसला किया गया।

(2) 47, मल्लीइथी पीस्ट-लालगुड जिला, तिरुवनि (तमिलनाडु)

केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा लबण (1) मुलजिम 1—हप्ते प्रथम दर्जे के अनुदिनियम
अधिनियम 1944 की धारा 500/- का दंड किया 2 मेजिस्ट्रेट कोट नं० १९,
9 (9) की व्यवस्थाओं का गया। शिवाजीनगर द्वारा केस नं०

2. (1) मैसर्ज ब्रदर्स कैमिकल्स लिमिटेड 12. काका हलवाई हंडस्ट्रियल इस्टेट पुणे-९

(1) मुलजिम 2—फोर्ट, प्रथम दर्जे इ.डि.ए.ल. 24439/77 में दिनांक
उल्लंघन किया गया। (2) मुलजिम 2—फोर्ट, शिवाजीनगर द्वारा केस नं० १९,
—बही— समाप्त होने तक एक विन 18-12-79 को फैसला
की मामूली कैद तथा 500/- किया गया।

(2) श्री एस० एस० जगताप, 5, फायर रोड, पुणे-१

1	2	3	4	5
(3)	श्री सुरेश एस० जगताप, 3, फायर रोड, पुणे-1	केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा लब्रण भवित्विम 1944 की धारा 9(9) की व्यवस्थाओं का उल्लंघन किया गया ।	रुपये जुमाना, जिस के न देने पर 6 महीने सश्रम कारावास की सजा ।	
(4)	श्री आर० एस० जगताप, 3, फायर रोड पुणे-1	--वही--	(3) मुलजिम 3, 4 और—5 हर एक के लिए कोर्ट समाप्त होने तक एक दिन की मामूली कैद तथा 300/-रु० जुमाना जिस के न देने पर 3 महीने सश्रम कारावास की सजा ।	
(5)	श्री पी० एस० जगताप, 3, फायर रोड, पुणे-1	--वही--	(1) मुलजिम-1, 400/-रु० जुमाना देने के लिए आदेश (2) मुलजिम 2—कोर्ट समाप्त शिवाजीनगर द्वारा केस, होने तक एक दिन नं० 24440/77 में दिनांक की मामूली कैद तथा 400 रुपए जुमाना, जिस के न देने पर 4 महीने सश्रम कारावास की सजा ।	प्रथम वर्ग के उयूडिशियल मेजिस्ट्रेट कोर्ट नं० 9, शिवाजी नगर द्वारा केस, 18-12-79 को फैसला किया गया ।
3.	--वही--	--वही--	(3) मुलजिम 3, 4 तथा 5- कोर्ट समाप्त होने तक एक दिन की साधारण कैद तथा 300/- रुपए जुमाना, जिस के न देने पर 3 महीने सश्रम कारावास की सजा ।	
4.	(1) मैसर्ज ब्रदर्स केमिकल्स लिमिटेड 12, काका हलवाई इंडस्ट्रियल इस्टेट पुणे-9 (2) श्री एस० एस० जगताप, 5, फायर रोड, पुणे-1 (3) श्री सुरेश एस० जगताप, 3, फायर रोड, पुणे-1 (4) श्री आर० एस० जगताप, 3, फायर रोड, पुणे-1 (5) श्री पी० एस० जगताप, 3, फायर रोड, पुणे-1	--वही--	(1) मुलजिम 450/-रुपए जुमाना देने के लिए आदेश (2) मुलजिम 2—कोर्ट समाप्त नं० 24440/77 में दिनांक होने तक एक दिन की मामूली कैद तथा 300 रुपए जुमाना, जिस के न देने पर 3 महीने सश्रम कारावास की सजा ।	प्रथम वर्ग के उयूडिशियल मेजिस्ट्रेट कोर्ट नं० 9, शिवाजी नगर द्वारा केस 18-12-79 को निर्णय किया गया ।
			(3) मुलजिम 3, 4 तथा 5- कोर्ट समाप्त होने तक एक दिन की साधारण कैद तथा 300/- रुपए जुमाना जिस के न देने पर 3 महीने सश्रम कारावास की सजा ।	
			(3) मुलजिम 3, 4 तथा 5- कोर्ट समाप्त होने तक एक दिन की साधारण कैद तथा 300/- रुपए जुमाना जिस के न देने पर 3 महीने सश्रम कारावास की सजा ।	

एच० एम० सिंह

समाहति

केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा सीमाशुल्क, पुणे

निरोक्षण एवं स्वेच्छा पराक्षण निदेशालय

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1980]

सं० 23/80—श्री पी० डी० कपूर, जो हाल में गाजियाबाद में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर कार्य कर रहे थे, भाजस्व विभाग के आदेश सं० 76/80 दिनांक 7-6-80 (फा० सं० ए० 22012/8/80-प्रशा०-II) के द्वारा स्थानांतरित होने पर निर्देश एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 26-6-80 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) पूर्ण "क" का कार्यभार संभाल लिया।

कृ० रेखा
निरोक्षण निदेशक

निर्माण और आवास मंत्रालय

संपदा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1980

सं० ए० 20013/10/80—प्रशा० 'ख'—श्री महेश प्रकाश, अधीक्षक (विधिक) विधि, न्याय और कंपनी काय मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) जो साथ-साथ संपदा निदेशालय में संपदा सहायक निदेशक (मुकदमेबाजी) का पद भी संभाले हुए थे, ने 2 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से संपदा निदेशालय में उक्त पद रिक्त कर दिया है।

2. श्री एस० डी० निगम, अधीक्षक (विधिक) को 2 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आवेदनों तक संपदा निदेशालय, निर्माण और आवास मंत्रालय में संपदा सहायक निदेशक (मुकदमेबाजी) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

हरिशचन्द्र शर्मा,
संपदा उप निदेशक (स्था०)

मध्य रेल

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० एच० पी० बी०/220/जी०/दो/एच०—निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दिल्ली गई तारीख से इस रेलवे की भण्डार विभाग की श्रेणी दो सेवा में स्थायी किया गया है:—

कमांक अधिकारी का नाम

स्थायीकरण तारीख

1. श्री जी० एम० जोशी	19-7-76
2. श्री जी० पी० भीमसेन	1-7-78

अनिल कुमार चक्रवर्ती
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और द्यालशाह प्राविजन स्टोर्स प्राइवेट लि० (लिक्वी० घे०)

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० 63/११२५-एल० सी०—अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवधार स्टोर्स प्राइवेट लि० (लिक्वी० घे०) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

ओ० प्र० चौहा
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज

कम्पनी अधिनियम 1956 और जुझार इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 28 जून 1980

सं० जी० स्टे०/११/२४८०/८०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जुझार इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवरित हो गई है।

एन० एन० मीलिक
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली-५, दिनांक 1 जुलाई 1980

आयकर

सं० जुरि०/दिल्ली-५/८०-८१/२९५१—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा)की धारा 124 की उपधारा (1) एवं (2) द्वारा प्रदत्त अक्षित्यों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पूर्ववर्ती अधिकृत वाचन में आंशिक परिवर्तन करते हुए, आयकर आयुक्त दिल्ली-५, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट १(३) नई दिल्ली का आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट १(४) नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के संबंध में समवर्ती अधिकार असै रहेगा किन्तु इनमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के अंतर्गत सौंपे गये हों अथवा इसके बाद सौंपे जायें।

कार्य निष्पादन की सुविधा के लिये आयकर आयुक्त दिल्ली-५, नई दिल्ली, निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-५ वी, नई दिल्ली को आयकर अधिनियम 1961 की

धारा 124 की उपधारा (2) में अवैधित आदेशों को पास करने के लिये प्राधिकृत भी करते हैं।

यह अधिसूचना दिनांक 7-7-1980 से प्रभावी होगी।

सं० जूरि०/डी०-१/५/८०-८१/३१०२—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) तथा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसी विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-५, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, डि० ७(२), नई दिल्ली का आयकर अधिकारी डि० ७(५), नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारित योग्य व्यक्तियों/मामलों के बारे में समर्वती आयकर क्षेत्र होगा। किन्तु इनमें धारा 127 के अन्तर्गत सौमेय या उसके आद सौमेय जाने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य-निष्पादन की सुविधा के लिये आयकर आयुक्त, दिल्ली-५ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा 22 में अवैधित आदेशों को पास करने के लिये निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-५ ए० को प्राधिकृत भी करते हैं।

वह अधिसूचना 7-7-80 से लागू होगी।

एफ०सं० जूरि०/दिल्ली-५/८०-८१/३२५३—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं इस विषय पर जारी किये गये पूर्ववर्ती आदेशों में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-५, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम (1) में उल्लिखित निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम (2) में उल्लिखित डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्गों या आय या अस्य के बर्गों अथवा मामलों या मामलों के बर्गों के संबंध में उक्त निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे:—

अनुसूची

रेंज	आयकर/डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
१	२
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-५ ए०, नई दिल्ली	१. डिस्ट्रिक्ट १(१), १(२), १(३), १(४) नई दिल्ली २. डिस्ट्रिक्ट १(२) अनियकृत, नई दिल्ली

१	२
३. डिस्ट्रिक्ट १११ (१९) १११(२०) १११(२१) १११ (२२) एवं १११ (२३), नई दिल्ली, १११(२७), नई दिल्ली	
४. डिस्ट्रिक्ट-७, नई दिल्ली [डिस्ट्रिक्ट-७ (३) एवं ७(६) नई दिल्ली के अतिरिक्त]	
५. डिस्ट्रिक्ट IX, नई दिल्ली	
६. विशेष सर्किल-८, (अतिरिक्त) नई दिल्ली	
७. रिफँड सर्किल	

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-५ सी, नई दिल्ली	१. डिस्ट्रिक्ट-४, नई दिल्ली २. डिस्ट्रिक्ट-७ (३) एवं ७(६), नई दिल्ली
---------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------

यह अधिसूचना दिनांक 7-7-1980 से प्रभावी होगी।

सं० जूरि०/दिल्ली-५/८०-८१/३४०४—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 42वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-५, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि रेंज-५ में दिनांक 7-7-1980 से निम्नलिखित आयकर सर्किल बनाया जाएगा:—

डि० ७(८), नई दिल्ली।

आर० डी० सर्केना
आयकर आयुक्त दिल्ली-५,
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जूलाई, 1980

आयकर

फा०सं० जूरि०-दिल्ली/सी० आई०टी०/८०-८१/३५८९—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय पर जारी पहले की अधिसूचनाओं का अधिकृमण करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-१, दिल्ली-११ तथा दिल्ली-६, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-१ में निर्दिष्ट रेंजों के निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-२ में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्गों या आय या अस्य के बर्गों या मामलों के बर्गों के

बारे में उक्त अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षीय सहायक
आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेगे:—

आयकर अपील अधिकरण

अनुसूची

बम्बई-400020, दिनांक 7 जुलाई 1980.

रेज	आयकर डिस्ट्रिक्शन/संकिल
(1)	(2)
दिल्ली-I प्रभार	
1. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-2वी, नई दिल्ली	डि० 6(12) और 13, नई दिल्ली को छोड़कर डि० 6, नई दिल्ली
दिल्ली-II प्रभार	
1. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-4ई, नई दिल्ली	1. डि० 5(11), (12) तथा (16), नई दिल्ली 2. डि० 8(13), तथा (14), नई दिल्ली 3. डि० 10(3) तथा (11), नई दिल्ली। 4. स्पेशल संकिल-6, नई दिल्ली
दिल्ली-6 प्रभार	
1. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-1 बी, नई दिल्ली	1. सेलरी संकिल (गवर्नर्मेंट) 2. आयकर अधिकारी, डी० एस० (सेलरीज) संकिल-I, II तथा III, नई दिल्ली।
2. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-1 सी, नई दिल्ली	प्राह्वेट सेलरी संकिल
यह अधिसूचना 1-5-1980 से लागू होगी।	
एम० डब्ल्यू० ए० खान	एन० एस० राधवन
आयकर आयुक्त,	शेख अब्दुल्ला आयकर आयुक्त, आयकर आयुक्त
दिल्ली-1, नई दिल्ली	दिल्ली-11, नई दिल्ली
	दिल्ली-6, नई दिल्ली

सं० एफ० 48-ए० डी०(ए० टी०)/80—अधिविधिता का आयु को प्राप्त हो जाने पर आयकर अपील अधिकरण, बंगलौर न्यायपीठ, बंगलौर के स्थायी सहायक पंजीकार श्री जी० एस० शेटे दिनांक 30 जून, 1980 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० एफ० 48-ए० डी०(ए० टी०)/80—श्री एस० बी० नारायणन, वरिष्ठ आलुलिपिक, आयकर, अपील अधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद, जिन्हें तवर्ध आधार पर अस्थाई क्षमता में, सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, चण्डीगढ़ न्यायपीठ, चण्डीगढ़ में तीन महीने के लिये प्रथात् दिनांक 1-3-1980 से 31-5-80 तक स्थानापन रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 21 अप्रैल, 1980 की अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/80, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, चण्डीगढ़ न्यायपीठ, चण्डीगढ़ में और छह महीने के लिये प्रथात् दिनांक 1-6-1980 से 30-11-1980 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाएगी है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एस० बी० नारायणन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिये कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवायें न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोवेत किये जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

बी० बी० पालेकर
अध्यक्ष

ब्रह्म प्राई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

(1) श्री मनोहर लाल पुत्र श्री आशा नन्द, /2760,
कुचा चैलान, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती किशवाई जहान बेगम धर्मपत्नी मोहम्मद
राय नियासी 595 गली जोत वाली कूड़ीचालान,
दिल्ली।

(पत्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एम्प०/II/एस० आर०-I/
11-79/5907—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके बाचात 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० XI/2760/1717 है तथा जो कटरा
मेहर परमार कुचा चैलान दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपरवाद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख
नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकरण, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की वावा, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, ठिकाने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यादियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पान
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उत अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० XI/2760/1717 कटरा मेहर
परमार, कुचा चैलान, दिल्ली।

श्रीमती एस० के० श्रीलख,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-7-1980
मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्य०/ /एस० आर०-
II/11-79/2906—अतः मुझे श्रीमती एस० के० श्रीलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वी-1/2 है तथा जो राजीरी गांडन नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 3-11-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या;

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आदित था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प्र के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री लारा दत्त सूद पुत्र श्री गंगा भसीन सूद
वी-1/2, राजीरी गांडन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तिलक राज बुद्धी राजा पुत्र तारा चंद बुद्धी-
राजा निवासी वी-1/2, राजीरी गांडन, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में सकात्त होती हो, के भीतर व्यापक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति ने हिल-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि प्लाट नं० 2 ब्लाक वी-1 जो कि
राजीरी गांडन, गांव के इलाके तातारपुर दिल्ली स्टेट, दिल्ली
में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 217.1/2 कर्गज है। जो
कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर:—रोड।

दक्षिण:—रोड।

पूर्व:—दुकान प्लाट नं० वी-1/1।

पश्चिम:—प्लाट नं० वी-1/3।

श्रीमती एस० के० श्रीलख
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-7-1980

मौहर:

ब्रह्म प्राई० टी० एन० प्र०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लॉक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/
11-79/2965—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इक्षुल परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रतीक तत्त्व आधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

अः जिसकी सं० 28 है तथा जो गंगा राम बाटीका, नई
दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) प्रौढ़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(अ) प्रावरण ते दुई किसी यात्र की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी यात्र या किसी धन या अन्य आक्षितियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः अ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवृत्ति:—

(1) श्री सीताराम जैन पुक्क डेवट राम जैन, ब्लॉक
नं० ए०-211 स्वतंत्रता भारत मिल्स, नजफ-
गढ़ रोड, नई दिल्ली।

||(प्रत्तरक)

(2) श्री रमेश चंद चालना पुक्क श्री वंशी राम निवासी
डी-86, अजय इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी अधिकेप:—

(क) इस सूचना के राजनन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रत्रिधि या तस्वीरधी अवित्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रत्रिधि, जो भी प्रत्रिधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिसी
प्रन्य अवित्य द्वारा, प्रधोदृस्ताक्षरी के पास त्रिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्राप्तुसूची

एक मंजिल सकान जो कि फ्री घोड़ प्लाट नं० 28
गंगा राम बाटीका दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल
200 वर्ग गज है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज- ; दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-7-1980
मोहर :

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन,
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-
I/11-79/5967—अतः मुझे श्रीमती एस० के० औलख
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हाने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का आरण है कि स्थावर गम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० ८ है तथा जो हरफूल सिह बिल्डिंग
ब्लौक टावर, सज्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रायोक्तव्य संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक
रूप से रूपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में द्वारा किसी आप को बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयतन अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुभरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उधारा (1) के
प्रधीन निम्ननिवित अवित्यों अवैतु:—

1. श्री रामचंद्र पुत्र स्वर्गीय श्री फकीर चंद निवासी
4506 मोहल्ला जाटन पहाड़ी धीरज, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता गुप्ता पुत्र श्री विश्वा नाथ गुप्ता
निवासी 5134 हरफूल सिह बिल्डिंग ब्लौक टावर
सज्जी मण्डी, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की 'तारीख' से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में तभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
मर्यादा द्वारा अधोहस्ताकरी में
दिया गया है।

अनुसूची

एक प्राईवेट फ्लैट नं० ४ भूनिसिपल नं० पार्ट नं०
5134 से 4137 जोकि हरफूल सिह बिल्डिंग ब्लौक टावर
सज्जी मण्डी दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती एस० के० औलख
सक्षम अधिकारी
सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002
तारीख : 5-7-1980
मोहर :

प्रूफ आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 5 जुलाई 1980

निये सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-I/
11-79/5979—अतः मुझे श्रीमती एस० के० औलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 2531 है, तथा जो प्लाट
नं० 102, ओंकार नगर, की नगर, दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः—

3-176GT/80

(1) श्रीमती मोहनी देवी धर्मपत्नी श्री उद्घो दास,
निवासी 2531 ओंकार नगर ए, की-नगर, दिल्ली।
(अन्तरक)

(1) श्री सोमदत्त सैनी, हरी शंकर सैनी, पुत्रगण श्री
शिया राम सैनी, निवासी सी-4/1, राणा प्रताप
बाग, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

एक मकान नं० 2531, प्लाट नं० 102, ओंकार नगर,
की-नगर, दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती एस० के० औलख
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली
तारीख : 5-7-1980
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० प्रार०-II/

11-79/5988—प्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीतख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 2753 है तथा जो चीरा खाना, नई सड़क दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पान्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा आय गति प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविदा में वास्तविक रूप से नियत नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्के के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता— :

(1) श्री भगवतीं चरण पुत्र श्री मुशीं लाल, मैनेजर व कर्ता हिन्दू संयुक्त परिवार, (2) श्री चरण, (3) गोपाल चरण पुत्र गण श्री भगवतीं चरण, निवासी डी-78, अमर कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जय प्रकाश पुत्र श्री सत्यनारायण निवासी 2752 चौराखाना दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा बिला बटा हुआ मिनजुमले सालिम हिस्सा ग्राउण्ड फ्लौर व फ्लर्स फ्लौर भालिम जायदाद दो मंजिला प्राप्टी नं० 2753, बाक्य चीरा खाना रोशन पुरा नई सड़क इलाका नं० 5, दिल्ली-6 में स्थित है। जिस की सीमाएं इस प्रकार से हैं :—

पूर्व : मकान बगीची अतर चंद।

पश्चिम : मकान नं० 2748 श्री राम चंद्र व मकान नं० 2750 श्री सत्य नारायण व गली।

उत्तर : मकान नं० 2754 श्री धर्म चंद व मकान नं० 2755 श्री शिव शंकर व गली।

दक्षिण : मकान नं० 2730 श्री उलफत राय व मकान अन्य व्यक्ति :

श्रीमती एस० के० श्रीतख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-7-1980

मोहर :

प्रकृष्ट धाई० ढी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-I/
11-79/5989—ग्रातः मुझे, श्रीमती सं० के० औलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2753 है तथो जो भीराखाना रोशनपुरा
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
का 16) के अधीन 20-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तय पारा गया
प्रतिफल, अन्तरित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे वचन में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरित हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रयोगण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अक्षितियों, अर्थात्—

- (1) श्री श्याम बिहारी लाल पुत्र श्री मृशी लाल,
रमेश बिहारी लाल पुत्र श्री श्याम बिहारी लाल,
निवासी डी-78, अमर कालोनी, लाजपत नगर,
नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- 2) श्री नंद किशोर पुत्र श्री सत्य नारायण निवासी
2752 भीरा खाना, दिल्ली-6।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंध के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधि या उससंबंधी अक्षितियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि वाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से
किसी अक्षिति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अक्षिति द्वारा अद्वैहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के बायाय 20-क में परेभावित
हैं, वही प्रबंध होगा, जो उस अध्याय में
दिया थया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा विला बटा हुआ मिनजुमले सालिम हिस्मा
ग्राउण्ड फ्लोर व फ्लर्स फ्लौर सालिम जायदाद दो मंजिला
प्राप्तीं नं० 2753 वाक्य भीरा खाना रोशन पुरा नई सड़क
इलाका नं० 5 दिल्ली-6 में स्थित है। जिस की संमाएं
इस प्रकार से हैं:—

पूर्व : मकान बगीची अतर चंद्र।

पश्चिम : मकान नं० 2748 श्री राम चंद्र व मकान
नं० 2750 श्री सत्यनारायण व गली।

उत्तर : मकान नं० 2754 श्री धर्म चंद्र व मकान
नं० 2755 श्री शिव शंकर व गली।

दक्षिण : मकान नं० 2730 श्री उलफत राय व मकान
अन्य अक्षिति।

श्रीमती एस० के० औलख
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 5-7-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/क्य०/II/एस० आर०।/
 11-79/5990—ग्रातः मुझे, श्रीमतो एस० के० ग्रौलख,
 आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2753 है तथा जो चीरा खाना दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-1979 को

को पूर्वांक्ष संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्ष संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितायों) के बीच ए.गा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायदित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगाधर्म अन्वर्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपावे में

अतः अब, उक्त अधीनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधीनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धावि—

- (1) श्री हरो वरण पुत्र श्री कालीं वरण खुद और एच० य० एफ० का कर्त्ता निवासी लक्ष्मी कुंज, माल-वीया मार्ग, अशोक कुमार, जयपुर हाल, डी-78. अमर कालीनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली।
(प्रत्तरक)

(2) श्री जय प्रकाश और नन्द किशोर पुत्र श्री सप्ता नारायण निवासी 2752 चीरा खाना, विलाल।
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वानुसार सम्प्रतिक्रिया के अर्जन को लिए कार्यवाहीहृषि करता है।

उक्त सम्पर्क के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हुई, के भीतर पूछाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

३५४

1/3 हिस्सा विला बटा हुशा मिजुमले सालिम हिस्सा
ग्राउण्ड फ्लौर व फर्स्ट फ्लौर सालिम जायदाद,
दो मंजिला प्रापर्टी नं० 2753 वाक्ष्य बोरा खाना रोशन
पुरा नई सड़क, इलाका नं० 5 दिल्ली-6 में स्थित है। जिस
की सीमाएं इस प्रकार से हैं:-

पृष्ठां : मुक्ताय नं० 2748 श्री

2750 श्री सत्यनारायण व गर्ली ।

उत्तर : मकान नं० 2754 श्री धर्म चंद व मकान
नं० 2755 श्री शिव शंकर व गलो।

दक्षिण : मकान नं० 2730 श्री उलकरत्न राय व मकान
सच्च अप्पमिति ।

श्रीमति एस० के० औलख
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-II दिल्ली नई दिल्ली

वर्तमान : ६-७-१९८०

सौहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1980

निदेश सं० आई० ए० सं०/एक्य०/II/एस० आर०-I/
11-79/5910—अतः मुझे श्रीमती एस० के० आ॒लख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- स्वयं से अधिक है

और जिसकी सं० 66-ए/6 है तथा जो रोहतक रोड, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारंख नवम्बर, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितियों, अर्थात्:—

(1) श्री सतान्द्र खशा पुत्र श्री राम सरनदाम 66-ए/6,
रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रुण खशा पुत्र श्री परमा नन्द 66-ए/6,
रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(a) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संभंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा विना बंटा हुआ जोकि 66-ए/6 रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 536.67 वर्ग गज है।

श्रीमती एस० के० आ॒लख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 5-7-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच-ब्लाक, विकास भवन, आई०पी० स्टेट,
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-I/
11-79/5911—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलखि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 66-ए/6 है तथा जो रोहतक रोड, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसन्धी में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 3-11-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री विश्वा नाथ पुत्र श्री राम सरन दास 66-ए/6,
रोहतक रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री अजय खन्ना (माझ्हनर) पुत्र स्वर्गीय श्री जग-
दीश चंद के द्वारा स्वामिक गारडीन और
माता श्रीमती विमला खन्ना, 66-ए/6 रोहतक
रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरूप करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा विला बटा हुआ जोकि 66-ए/6 रोहतक
रोड, नई दिल्ली में स्थित है। जिस का अंतर्फल 536.67
वर्ग गज है। जोकि निम्नलिखित प्रकार से विरा हुआ है:—

पूर्व : सर्विस लेन।

पश्चिम : रोड।

उत्तर : प्लाट नं० 7।

दक्षिण : प्लाट नं० 5।

श्रीमती एस० के० श्रीलखि
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-7-1980

मोहर :

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास अवन, आई० पी० स्टेट,
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/
11-79/2923—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई०-133 है तथा जो डी० डी० ए० कालोनी
नरेणा, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाख्य अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित अक्तियों, प्रथातः:—

- (1) श्री हंस राज, 10-बी/12, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(अन्तरक)
(2) श्री मोहिद्र सिंह, ई-133, डी० डी० ए०
कालोनी, नरेणा, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्तियों में
से किसी अक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 133, ब्लाक-ई, डी० डी० ए० कालोनी,
नरेणा, नई दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 300
वर्ग गज है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली,
नई दिल्ली।

तारीख : 5-7-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, एच ब्लाक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-
II/11-79/2916—यतः मझे, श्रीमती एस० के० औलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० ई०/126-डी० है तथा जो नजफगढ़ रोड,
रेजीडेंटल स्कीम टैगोर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

(1) श्रीमती राम कली देवी धर्मपत्नी कंचन नाल,
9458, बाग राओजी, बसंती लाल सिंह, किशन
गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डॉक्टर अनूप सूरी धर्मपत्नी डॉक्टर विजय
कुमार सूरी, डी/ई-86, टैगोर गार्डन, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० ई-126 ब्लाक डी, नजफगढ़ रोड,
रेजीडेंटल स्कीम श्रवं टैगोर गार्डन, नई दिल्ली के नाम से
जाना जाता है। इस का क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है।

श्रीमती एस० के० औलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-7-1980

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०——

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०-II/एस० आर०-I/
11-79/5925—ग्रतः, मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि यथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 12-एच है तथा जो बाली नगर दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 8-11-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किश जाना चाहिए था, डिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविकारों, अर्थात्.—
4-176G1|80

(1) श्रीमती मोहिन्द्र कोर धर्मपत्नी श्री गुरबचन सिंह
एफ०-145, राजीरी गाँव, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री कुलवंत राय पुत्र श्री खजान चंद, 74-डी,
आनन्द नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हत्याद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत स्थानों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 12 ब्लाक एच० बाली नगर, गांधी के
हनाके बसई दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है। जिस
का क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है जो कि निम्नलिखित है।

उत्तर : घ्लाट नं० एच-13।

दक्षिण : घ्लाट नं० एच-11।

पूर्व : रोड 15 फुट चौड़ाई

पश्चिम : रोड 15 फुट चौड़ाई और पार्क।

श्रीमती एस० के० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी

सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-7-1980

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस० १९८०-१९८१

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

भिदश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-
II/11-79/2941—म्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 61/20 है तथा जो पंजाबी बाग, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ढारा प्रकृट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
मुविधा के लिए;

म्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त :—

- (1) श्री हरी गोहन धीवान पुत्र श्री परमेश्वर दामा
दीवान निवासी 23/68 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती वीना दीवान धर्मपत्नी हरी मोहन दीवान
निवासी 23/68 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित
में किया जा सकेंगे।

संघटकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रथम होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक घ्लाट नं० 20 रोड नं० 61 कलास सी पंजाबी
बाग कालोनी दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 552.78
घर्ग गज है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-7-1980

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एस० आर०- / 11-79/5920—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० ग्रौलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पावत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन संपत्ति प्राप्तिकारी को, यह विवाहास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-4/1 है तथा जो राना प्रताप बाग जी० टी० रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपर्युक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरिक्ष प्रतिफल अधिक है और परतरक (बातुरकों) और परतरिती (बातुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्बन्ध नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी धारा की बाबत उक्त विधि नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने वे विविध के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-प के अनुसूचना में, मैं उक्त विधिनियम की धारा 269-प की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, वर्णता।—

(1) श्री सोमदत्त और हरी शंकर पुत्र भी सिया राम दोनों निवासी मकान नं० 84/2 आर्धा नगर पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रौम प्रकाश पुत्र श्री इलिया राम निवासी सी०-5/14 राणा प्रताप बाग, सज्जी भण्डी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी व्याप्तिपूर्ण विवाहास करने के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बढ़ किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2½ मंजिल मकान नं० [सी०-4/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली, गांधी के इलाके सधोरा कालान दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 302.6 वर्गगज है जो कि निम्नलिखित प्रकार से है:—

उत्तर : रोड।

दक्षिण : मकान नं० सी०-3/1

पूर्व : रोड

पश्चिम : मकान नं० सी०-4/2

श्रीमती एस० के० ग्रौलख
सक्षम श्राविकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/एस० आर०- / 11-
79/5935—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ४-ई है तथा जो गाजीरी गाड़ेन, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुदूची में और पूर्ण स्वप्न
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, नौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री रमेश चंद्रा पुत्र स्वर्गीय श्री भारतनदु निवासी
2 वैस्ट फेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीण बीर सिंह पाल पुत्र लैपिटनेन्ट कर्नल
ज० एस० पाल, राटाईट और श्रीमती हरसरन
कौर धर्मपत्नी लैपिटनेन्ट कर्नल ज० एस० पाल,
राटाईट निवासी एफ-22, मानसरोवर गाड़ेन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फी होल्ड प्लाट नं० 9 ब्लाक नं० ई, राजीवी
गाड़ेन नई दिल्ली गांव के इलाके बसई दारापुर, दिल्ली
नजफगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल
1104.9 वर्ग गज है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 5-7-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-1/
11-79/5936—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० औलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 21-ए है तथा जो कीर्ति नगर गांव बसई
दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली मैं भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उपरांत उक्त ग्रन्तरण विविध में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अधिकारी:

(1) श्रीमती स्वादेशी कोहली धर्मपत्नी श्री आर० एल० कोहली, निवासी डी०-42, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कंबल किशोर चावला पुत्र श्री लक्ष्मन दास
और श्रीमती बेद कुमारी चावला धर्मपत्नी श्री
जुगल किशोर चावला निवासी जी-60, मान
सरोवर गाँड़न, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्तियों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 21 ब्लाक-ए, दुकान का भेदफल
175 वर्ग गज कीर्ति नगर गांव बसई दारापुर दिल्ली स्टेट
दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती एस० के० औलख
सभीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-7-1980

मोहरः

प्रबल प्राईंटी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-I/
11-79/5992—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० ओलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-घ के
अधीन सकल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी मं० 26/3 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नारीख नवम्बर, 1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं निया गया है :—

(6) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(7) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री डॉ एस० आनन्द, अटौरनी श्री कांशी राम
26/3 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री जगजीत सिंह 26/3 ईस्ट पटेल नगर, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरात्मी व्यक्तियों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दे का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 26/3 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 200 वर्गमील है।

श्रीमती एस० के० ओलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-7-1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० प्र०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

- (1) श्री राम गोपाल नवरांशी थोंग सोहन लाल कलसी
1283 पहाड़ी इमली जामा मस्जिद, दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री शामशुद्दीन ग्रांसारी, 1510, पहाड़ी राजन,
चिरली कुबेर, दिल्ली।
(अन्तरिक्षी)

आरति सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/एस० आर०-३/
11-79/5954—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1283 है तथा जो पहाड़ी इमली जामा
मस्जिद, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमूली
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधृतः:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

बनाई

मारी बनाई नई जायदाद मकान नं० 1283 पहाड़ी
इमली जामा मस्जिद, दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल
418 वर्गगज है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-7-1980
मोहर :

प्रह्ल प्राई० टी० एन० एस०————

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-I/
11-79/5972—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० औलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर समति, ब्रिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० बी-18 है, तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्न अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 27-11-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पच्छात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखेत में बास्तवित कर से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के
सामित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधृत अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना भावित था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष(1) के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्चात्:—

- (1) श्री कृपाल सिंह संडो पुत्र ज्वाला सिंह संडो
निवासी सिविल लाइन, गायपुर (एम० पी०)।
(अन्तर्गत)
(2) श्रीमती स्वर्ण रानी, श्रीमती संतोष कुमारी और
श्रीमती अनीत बोहरा तिमाम निवासी बी-18,
कीर्ति नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;
(ष) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० बी-18, कीर्ति नगर गांव के इलाके
बसई दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है। जिसका
धोत्रफल 500 वर्गगज है।

उत्तर : सर्विस लेन 15 फुट।

दक्षिण : रोड 30 फुट।

पूर्व : प्लाट नं० बी-19।

पश्चिम : प्लाट नं० बी-17।

श्रीमती एम० के० औलख
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-7-1980

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-II/
11-79/2966—अतः मुझे श्रीमती एस० के० ओलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर संस्थित विस्तार उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 55 है तथा जो वेस्ट ऐवन्यू रोड पंजाबी
बाग नई दिल्ली में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्य-
लय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्थित का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के गांधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त, ज३, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारीं अर्जातः—
5-176GI/80

(1) श्रीमती पुष्पा रानी भामरी धर्मपत्नी श्री आर०
एन० भामरी, निकासी-८, दालस्टाय मार्ग, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरानन्द मलिक, राम दास मलिक श्रीर
श्रीमती शकुन्तला मलिक, 27/40, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वार्थी अविक्तियों पर सूचना
की सामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 55, वेस्ट ऐवन्यू रोड, पंजाबी बाग, गांधी
के इलाके मादी पुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है। जिसका
क्षेत्रफल 666.66 वर्गगज है।

श्रीमती एस० के० ओलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-7-1980
मोहर:

प्रसूप बाइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)*

अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एस० आर०-II/
11-79/609—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सकास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 6 है तथा जो सिनेमा काम्प्लैक्स
बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश II में स्थित है (और इससे उपावद्ध
ग्रन्तिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया याया प्रति-
क्षण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से काँथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के बन्दरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मैमर्सं झौ० एस० एफ० यूनाइटेड लिं 21-22
नरिन्द्रा पलैंग पालियामैनेट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री जे० के० कपूर पुत्र श्री श्याम दास कपूर,
श्री राजन कपूर पुत्र श्री जे० के० कपूर और
श्रीमती कमला कपूर पत्नी श्री जे० के० कपूर
2821 कश्मीरी गेट, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के उद्देश्य के लिए
कार्यवाहीयों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसूची

एक दुकान नं० 6 ग्राउन्ड फ्लोर जिसका क्षेत्रफल
211.3 वर्गगज है तथा जो कि सिनेमा काम्प्लैक्स ग्रेटर
कैलाश II नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-7-1980

मोहर :

प्रदूष प्राईटोनॉप्स—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
11-79/619—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी संख्या ई०-13 है तथा जो कालका जी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पदायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्रीमती राम पियारी स्व० पत्नी श्री तेज सिंह निवासी 50 कालका जी मार्किट, नई दिल्ली।
(अत्रकर)

(2) श्रीमती फूलन देवी, श्रीम प्राकाश शर्मा, राज कुमार शर्मा, सुरिन्द्र कुमार शर्मा, राम निवास, मास्डर विरेन्द्र कुमार (माईनर) उनके पिता के द्वारा हर स्वरूप शर्मा, ई-13, नई दिल्ली।
(अन्तर्स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संशेष में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधानहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

संबोधकरण :—इसमें उपर्युक्त वर्वर्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० ई-13 जिसका घेवफल 200 वर्गगज है तथा जो कालका जी नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-7-1980
मोहर :

प्रस्तुति आई०, टी०, एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निम्नों सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/
11-79/875—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धन्त 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4/17 है तथ जो कालका जी, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्त्र में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

(1) श्री रमेश पाल कोषर पुत्र श्री बलाइती राम
कोचर, एक्स०-313 सरोजनी नगर, नई दिल्ली,
आर० बी० अवधार के द्वारा पुत्र श्री बुद्ध राम
बधारा, 4/12 कालका जी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश ठक्कर पुत्र श्री राम चन्द्र,
4/17 कालका जी नई दिल्ली, श्री हन्स राज
वजाज पुत्र श्री काला राम जनरल अटारनी के
द्वारा, निवासी 12/3 कालका जी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

को मह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वहथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० 4/17 जो कि 200 वर्गमील है तथा जो
कि कालका जी नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 9-7-1980

मोहरः

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एव्ह०/१/एस० आर०-III/

11-79/706—आता मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/4 शेयर 17 बीघा 19 बिस्ता है तथा जो गांव जोनापुर तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-11-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षद्वय प्रतिशत प्रविक्त है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्हो हिसो प्राय की रात्रि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थात् :—

(1) श्री पृथ्वी लाल भसीन पुत्र श्री मानक चन्द के पार आफ 54/2 ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री राजिन्दर कृष्ण खन्ना पुत्र श्री लेट राधा कृष्ण खन्ना निवासी कृष्णपुरा पानीपत (हरियाणा) और बीनीत कुमार खन्ना पुत्र श्री राजिन्दर कृष्ण खन्ना निवासी कृष्ण पुरा, पानीपत, श्री राजिन्दर कृष्ण खन्ना के द्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षियि द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षियि द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 शेयर एक कृषि कृत भूमि जो कि 17 बीघा 19 बिस्ता गांव जोनापुर तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-7-1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/II/एस० मार०-III/

11-79/707—अतः मुझे, आर० बी० एस० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/4 शेयर 17 बीथा 19 विस्वा है तथा जो गांव जोनापुर तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-11-1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्व में कभी कुनै या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री पोखराज पुन्र श्री मानक चन्द 54/2 ईस्ट पंजाबी बाग के द्वारा श्री पृथ्वी लाल भसीन पुनर श्री मानक चन्द 54/2 ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बिनीत खन्ना (माईनर) पुनर श्री राजिन्द्र कृष्ण खन्ना निवासी कृष्ण पुरा पानीपत तिता जी द्वारा राजिन्द्र कृष्ण खन्ना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त 'अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 शेयर कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 बीथा 19 विस्वा जो गांव जोनापुर तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली-110002

तारीख : 9-7-1980

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/१/एस० आर०-III/
11-74/708—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/4 घोयर 17 बीथा 19 बीसवा है तथा
जो गांव जोनपुर तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 30-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उल्लंघन (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ता:—

1. श्री सुरेण कुमार पुत्र श्री डरगाईदास ई०-165,
ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली, अर्टोर्नी अशोक कुमार पुत्र श्री हर-
गढ़ दास रेजिडेंट आफ ई०-165, ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री विनीत खन्ना (माझनर) पुत्र श्री राजिन्दर कृष्ण
खन्ना रेजिडेंट कृष्णपुरा पानीपत (हरियाणा) के पिताजी
द्वारा श्री राजिन्दर कृष्ण खन्ना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 घोयर कृषि कृत योग भूमि 17 बीथा 19 बिस्वा
जोकि गांव जोनपुर तहसील महरोली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002
तारीख: 9-7-1980
मोहर:

प्रकृष्ट आर्द्ध० शी० एन० एस०—

आवकर भवित्वम् 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० शाई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० आर०-
 III/11-79/709—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
 प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
 उक्त विश्वास सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रुपए
 में प्रधिक है,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावजूद, उसका व्यक्तिगतिमय; के अधीन कर खेल के मन्त्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्लौ/पा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने में सविधा के लिए।

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 26३-घ के बहुपरल में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26७-घ की उपधारा (1) के प्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वयस्त् ।—

१. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री दरगाई दास निवासी
ई०-१६५ ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में स्थित है।
(अन्तरक)

2. श्री विनीत खन्ना माइनर राजिन्दर कृष्णा खन्ना
निवासी कृष्णपुरा पानीपत (हरियाणा) श्री राजिन्दर कृष्ण
खन्ना गाडियनश्चिप के द्वारा। (अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करवा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदर्भ में कोई नी विवेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रत्यक्ष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्रहमस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रभिन्नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगस्ती

1/4 गेयर एक कृषिकृत भूमि 17 बीघा 19 बिस्तरा
जोकि गंगा जोनापुर, तहसील मैहरौली, में स्थित है।

शार० वी० ए८० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी

तारीख : ९-७-१९८०

मोहर 3

प्रकृष्ट प्राप्ति आई० बी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संघीय, सदृश्य आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एच ब्लाक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ज/एस० आर०-III/
11-79/678—यह: मुझे, आर० बी० एल० श्रगवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व०
से अधिक है

और जिसकी सं० कुपिकृत भूमि 13 बीघा 6 विस्वा है
तथा जो गांव जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1979
को पूर्वोक्त समाप्ति के उचित बाजार मूल्य से छन के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिये प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति प्रतिशत
अधिक है और उन्नरक्ष (उन्नरक्ष) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे प्रतिरक्षण के लिए सभी यथा गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
अनुसृथ से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कहित मर्हीं
किया गया है:—

(क) अन्नरक्ष से इई किसी आय की धारा उक्त अधिनियम के प्रधीन हर देने के प्रतिरक्षण के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुश्यिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बा०-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

यह: अब, उक्त प्रतिक्रिया की धारा 269-ग के अनुसृथ में
मैं, उक्त प्रतिक्रिया की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षितियों अवैत :—
6-176GI/80

1. श्री नेकी राम, लिखी पुत्र श्री एस० रघुबीरा टेका पुत्र
श्री राम चन्द्र, दुली और वैले पुत्र श्री लाल सिंह निवासी
गांव डेग मन्डी तहसील महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री ज्ञान प्रकाश आलूवालिया पुत्र श्री वीर सिंह
आलूवालिया निवासी किंवेणी गाँड़न गाँड़पुर, नई दिल्ली,
श्री अमीर चन्द्र कपूर के द्वारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति में अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तासम्बन्धी अक्षितियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से
किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी प्रथम अक्षित द्वारा, यथोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर और गृहों ता, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में निर्भावित
हैं, वही पर्याय होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कुपिकृत भूमि जो 13 बीघा 6 विस्वा तथा
कि गांव जोनापुर तहसील महरौली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० श्रगवाल
सक्षम प्राधिकारी
संघीय आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 9-7-1980

मोहर:

प्रेस आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन आई०पी०स्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० आर०-III/
11-79/679—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० कृषि भूमि 11 बीघा 3 बिस्ता है तथा
जो गांव जोनापुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है
(और उससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नेकी राम, लिखी पुत्र श्री रमबीर टेका पुत्र श्री
राम चन्द, दुली, पुत्र श्री लाल सिंह गांव डेरा मंडी, तहसील
महरौली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2 श्री ज्ञान प्रकाश श्रालूवालिया पुत्र श्री बीर सिंह
श्रालूवालिया निवासी लिवेणी गाँड़न, गाँड़पुर, नई दिल्ली, श्री
अमीर चन्द कपूर जनरल अटारी द्वारा।
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाब में समाप्त होती हो, और भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषिकृत भूमि और 11 बीघा और 3 बिस्ता तथा
जो कि गांव जोनापुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित
है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 9-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच ब्लाक, चिकास भवन, आई पी स्टेट, नई दिल्ली

110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एस० आर०-111/

11-79/680—अतः मुझे, आर० बी० एस० अप्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषिकृत भूमि 7 बीघा 18 बिस्ता है
तथा जो गांव जोनापुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में
स्थित है (ग्रीष्म इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बचने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नेकी राम लिखी पुत्र श्री रघबीर, टेका पुत्र श्री
राम चन्द, दुली, वैले पुत्र श्री लाल सिंह निवासी गांव डेरा मंडी
तहसील महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री ज्ञान प्रकाश आलुवालिया पुत्र श्री बीर सिंह
आलुवालिया निवासी त्रिवेणी गांव गादईपुर, नई दिल्ली के
द्वारा श्री अमीर चन्द कपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

ममूसूची

कृषिकृत भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बीघा, 18 बिस्ता
जो कि गांव जोनापुर तहसील महरौली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अप्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखः 9-7-1980

मोहरः

प्रृष्ठ पाईद० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,
आई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/

11-79/640—अतः मुझे, आर० बी० एल० श्रीग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० II-जे/17 है तथा जो लाजपत नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
श्रीर पूर्णस्पृष्ट से बर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

1. श्री नन्द लाल गिथा पुत्र श्री शिव दयाल मिथा,
II-जे/17, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इकबाल देवी पति स्व० चूनी लाल खुराना,
57/8, ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्रष्टी नं० II-जे/17, जिसका शेत्रफल 200 वर्ग-
गज है तथा जोकि लाजपत नगर, नई दिल्ली-24 में स्थित है।

आर० बी० एल० श्रीग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 9-7-1980

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं००/ग्रृष्ण०/I/एम० आर०-III/
11-79/636—यतः मुझे, आरा० बो० एल० अग्रवाल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सभाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बि०-II/28 है तथा जो लाजपत नगर,
न्यू देहली में स्थित है (शाँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित ग्रेड से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अनारा से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती धारा प्रकार नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, लिखाने
में सुविधा के लिए;

अतः, घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री बनारसी लाल आनन्द बल्द मायादाम, बि-II/
28, लाजपत नगर, न्यू देहली-5। (अन्तरक)

2. हरभजन सिंह बल्द गुरदोत सिंह, सं०-II/87,
लाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ईमारत न० बि०-II/28, लाजपत नगर, नई दिल्ली,
क्षेत्रफल 200 वर्ग गज।

आरा० बो० एल० अग्रवाल
सभाम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-7-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।

एच० ब्लाक विकास भवन, आई पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्य०-I एस० आर०-III
11-79/656—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसके सं० 8 ब्लाक 90 है तथा जो बेयरड रोड,
न्यू दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद अनुभूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर,
1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और भूरे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आथ-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मुहाम रानी सतीजा सी०-३७, मिन्टो रोड,
न्यू दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती ऊमा कुमारी, 36 हनुमान रोड, न्यू दिल्ली।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भकान जो ब्लाक नं० 8 ब्लाक नं० 90, थोकफल
2269 वर्गफुट पर बना है, बेयरड रोड, न्यू दिल्ली में स्थित
है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-।, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-7-1980
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० भी०/एक्य०/I/एस० आर०- /
II-79/689—अतः मुझे, आर० बो० एन० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है

और जिसकी सं० के०-18 हैं तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन
न्यू दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979
को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरेक (प्रत्यारकों) और अन्तरिक्ती (प्रत्यारितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्रिय में वास्तविक रूप से
कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरेक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रीत्या

प्रनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य धात्वियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

1. श्रीमती राजकुमारी महेन्द्रा कंवर पत्नी श्री एन०
के० वर्मेन्द्रा गिह गो०-398 डिफ़ेस कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. कर्नेल बो० एम० कपूर पुत्र नानक चन्द कपूर
गो० मिस्टरस —मो० बो० कपूर पत्नी कर्नेल बो० स०
कपूर के०-18, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (अन्तरिक्त)

को यह सूचना जरूरी उद्देश्य सम्पत्ति के प्रत्रित के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्रित के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास तिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिमापित है
वही अर्थ द्वारा जो उम अध्याय में दिया गया
है।

इमारत नं० के०-18 शेरून 200 बर्ग गज जंगपुरा
एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

आर० बो० एन० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-7-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतः:—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य०/II/एस० आर०-
II/11-79/2959—अतः मुझे, श्रीमती एम० के० श्रीलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 22 बोधा 8
विवास हौलाम्बी कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसके उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कायालिय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्र गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारि:—

1. श्री अशोक कुमार जैन पुत्र श्री गहावर मिह
प्रमाद जैन निवास; 17 बेना रोड, निविल लाइन दिल्ली और
पूर्ण चंद वत्स पुत्र श्री मेला राम निवास; 1575-बी०/4
लुधियाना, वर्तमान-84 लालनऊ रोड दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार खस्ता (एच० य० एफ०) के
द्वारा श्री विजय कुमार खस्ता पुत्र श्री वजेंद्र चंद खस्ता
निवासों 2-सी०/5 रोहतक रोड, नई दिल्ली। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 22 बोधा 8 विवास
रैकट नं० 26, किला नं० 5 (4-16) किला नं० 6
(4-16) किला नं० 15 (4-00) रैकट नं० 27 किला
नं० 11 (4-00) किला नं० 10 (4-16) हौलाम्बी
कला तहसील व जिला दिल्ली में स्थित है जो कि शामलाल
देह का हक भी है।

श्रीमती एम० के० श्रीलख
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़- ,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 जुलाई 1980

निर्देश सं. आई.ए. सी.ए/एक्यू.एम.आर.-II/
11-79/2760—अतः मुझे, श्रीमती एम. के. श्रीलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी मं. कुपि भूमि है तथा जो 23 बीघा 6 विश्वा
गांव हौलियाँ कलां, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपा-
बद्ध अनुमूल्य में श्रीर पूर्ण स्वप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारोम्ब
नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

7-176GI/80

1. श्री ग्रणीति कुमार जैत पुत्र श्री महेश्वीर प्रसाद
निवास: 17, बेला रोड, भिवल लाईन दिल्ली और पुरन
चन्द वन्न दुप्रा पुत्र श्री मेना राम, निवास: 1575 वा/4 लुधि-
यामा वर्तमान, 84, नामांक रोड दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री केवल कृष्ण एच० यू० एफ० द्वारा श्री केवल
कृष्ण खना पुत्र श्री वजार वद निवास: 2-सी/5, रोहतक
रोड, दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनस्त्री

कुपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 बीघा 6 विश्वा
विहरिंग रैकेट नं. 10 कीला नं. 2 (0-15) काला नं.
9 (3-08) कीला नं. 12 (4-16), 13/2 (1-05),
18 (3-10), 19 (4-16), 22 (4-16) हौलियाँ
कलां दिल्ली में स्थित है। जो कि भामनांत देह का हक भी
है।

श्रीमती एम. के. श्रीलख
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-7-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26९-व (1) के अधीन सुन्चना

भारत सरकार
कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 जुलाई 1980
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम०/II/एम० आर०-
II/11-79/2961—अतः प्रभु, श्रीमती एम० के० श्रीलख्मी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भला गया है), की धारा 26९-व के
अंतों। सक्षम प्राधिकारी को एक विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, विस्ता उन्नी० राशद मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

श्रीर जिसको सं० लूपि भूमि है तथा जब 23 बीघा 4 बिस्ता
गांव होलम्बो कालान, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसी
उपावद अनुसूची में और पूर्ण स्वर्ण में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन
पर्टी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख
नवम्बर, 1979

को पूर्णक भूमति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष की गई; और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रथमपूर्णक मूल्य से उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिक्रिया ने ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का प्रत्यक्ष प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पात्र गया ग्राहिकन, निम्नलिखित
दस्तऐवं ले ग्राह आवाग विवित में वस्तविक रूप में वित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई हिस्तो आव हो बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर रखे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिहें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रतीक्षनार्थ अन्तरिक्षी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, जिसमें मैं सुनिष्ठ के जाय।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26९-व (1) द्वारा उक्त
में, उक्त अधिनियम की धारा 26९-व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवितर्यों, अर्यात् :—

1. श्री अशोक कुमार जैन पुत्र श्री महावीर प्रसाद
निवासी 17 वेला रोड़, सिविल लाइन्स, दिल्ली व श्री पूरन
चंद वल्ल पुत्र श्री मेला गम निवासी 1575-बी/4 लुधि-
याना वर्तमान 854- लखनऊ रोड़, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री वजीर चंद (एच० य० 58) डारा श्री वजीर
चंद पुत्र श्री राधा कृष्ण निवासी 2-सी०/५ रोहतक रोड़,
दिल्ली कर्ता आफ एच० य० एफ०। (अन्तरिक्षी)

जो यह सुन्चना जारी करके प्राप्ति प्राप्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाचित करता है।

उक्त समाप्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वातेप :—

(क) इस उचना के उत्तरान में प्राप्ति की तारीख से 45
दिन हो अधिक या उत्तरानकी व्यक्तियों पर मूल्यना की
मोल ने 30 दिन ली अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर 45 दिन व्यक्तियों में वे किसी
परिवार;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्राप्ति की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त राजपत्र अपनी में हितबद्ध किसी
अन्तरिक्षी द्वारा, अपेहस्तान्त्री के पास लिखित
में छापा रखकर।

लाइसेन्स. — मैं प्राप्ति शब्दों जीए एवं का, जो उक्त
रेकट नं० 27 कीला नं० 2 (4-16) 9 (4-16)
12 (4-00) 8 (4-16) और 1 (4-16) गांव
होलम्बी कलां तहसील और जिला दिल्ली में स्थित है जो
कि शामलाल देह का हक भी है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 बीघा 4 बिस्ता गांव
रेकट नं० 27 कीला नं० 2 (4-16) 9 (4-16)
12 (4-00) 8 (4-16) और 1 (4-16) गांव
होलम्बी कलां तहसील और जिला दिल्ली में स्थित है जो
कि शामलाल देह का हक भी है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख्मी
वजीर प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002
तारीख: 18-7-1980
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारत
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकृ०/II/एस० आ०००-
II/11-79/2962—अतः मुझे, मिसेज एस० के० आ०००,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परन्तु उक्त अधिनियम कहा गया है), जी भारत 269-
घ के अधीन मकान प्राप्तिकारी को, यह दिल्ली करवट का अन्तरण
है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 21 विधा 15 विस्ता है तथा
जो गांव हौलम्बी कलां दिल्ली में स्थित है (आ० इसमें
उपावद्ध ग्रन्तसूची में और पूर्ण रूप में दिखाया है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित दाजा मूल्य से २५ ले द्वारा दान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और न्यूनतमें दूसरे दिवाली करने का कारण है। का अथावद इस ग्रन्तिका कार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, १००% दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय तथा नया प्राप्त-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्शनिक सं
क्षी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारत 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारत 269-घ को उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अर्णोदि कुमार जैन पुरा महावीर प्रसाद निवासी
17 बैला रोड, निविल लाइन, दिल्ली व पूर्णचन्द्र वहस
पुर भेलाराम 1575-बी 14, लुधियाना (अब) 84 लखनऊ
दाइ, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राजकिशन खना (हि० अ० प०) द्वारा
राजकिशन खना पुत्र वजीर चन्द्र खना निवासी 2-सी०/
5 रोहतक रोड, नई दिल्ली, (हि० अ० प० के करता)
(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सूचना के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी वारंटी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये 45
दिन की जरूरी या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की जरूरी, जों भी अवधि
बाद भा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) १० अक्टूबर १९८० की तारीख द्वारा दूसरी तो
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दृश्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारोहस्ताशरी के
पास लैटेक्स में लाई गई रहती है।

स्पष्टीकरण:—दूसरे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में दरिभाजित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 21 विधा 15 विस्ता रेकॉर्ड नं०
10 कीला नं० 23 (5-13) कीला नं० 24 (2-06),
रेकॉर्ड नं० 27, किला नं० 4 (3-3), कीला नं० 3 (4-
16), कीला नं० 7 (5-17) जो गांव होलम्बी कलां,
हामोल व जिला दिल्ली में है, साथ से सामानात देह का
हक भी है।

मिसेज एस० के० आ००००
सक्षम प्राप्तिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-110002

तारीख: 18-7-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26७-घ (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मई 1980

निर्देश सं० 1263-ए/सिकन्दराबाद/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26७-घ के प्रश्नीन सत्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० दुकान नं० 539 है तथा जो मोहल्ला केसरांज, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-11-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरोध विवित में वास्तविक रूप से अधित रहा किया गया है:—

(क) अन्तरक से दुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के प्रश्नीन कर देने के प्रभारक के दायित्व में कमी करने या उससे दबन में मुबिला के लिए; और/या

(ख) दोनों किसी ग्राम या किसी बन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिला के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 26७-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26७-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, प्रमातु:—

1. श्री श्रीम प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री गोबरधन दास मोहल्ला केसरीबाग डा० खास पर० व तह० सिकन्दराबाद (बुलन्दशहर) (अन्तरक)

2. श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री श्याम सिंह ग्राम गोखपुर गेटपुर डा० सिकन्दराबाद जिला बुलन्दशहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के लिए कायालियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रदृष्टि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रदृष्टि, और भी प्रदृष्टि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-पद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

प्रतिक्रिया:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-घ में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दुकान जिसका नं० 539 मोहल्ला केसर गंज सिकन्दराबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-5-1980

मोहर:

प्रलृप प्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मई 1980

निर्देश सं० 1370-ए०/जानसठ/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवात करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 61 कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महलकी
में स्थित है (और इसमें उभावद्वय अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 19-11-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षिप्त में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है : -

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : —

1. श्रीमती शक्तिला बेगम पत्नी श्री मेहनदी पुत्र स०
जहीर अब्बास निवासी कस्बा जानसठ डा० खास जिला
मुजफ्फर नगर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती शशि बाला पत्नी जगदीश प्रसाद बर्मा
मुधीर बर्मा अवयस्क पुत्र जगदीश प्रसाद बर्मा निवासी
बहमपुर डा० गुरुकुल नारखल जिला सहारनपुर व मुकेश
कुमार व राजेश अवयस्क पुत्रगण श्यामबीर सिंह निवासी
दौराला जिला भेरठ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें पृष्ठक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है ही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 61 रक्खा 20II] 1-10 ग्राम महलकी
पर० जो० जानसठ जिला मुजफ्फर नगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 22-5-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च, 1980

निदेश सं० 1336-ए०/दावरी/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

मं० सी० 37 है तथा जो सूर्य नगर में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद पं. भारत व रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित खाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित खाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्यारे लाल नैयर पुत्र श्री बिन्दराबन नैयर बजात खुद व मुख्तार आम और से श्रीमती बेला देवी नैयर। पत्नी श्री प्यारे लाल नैयर निवासी फ्लैट नं० 25 सेंट्रल मार्केट, कनाट सरकार, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. बी० जी० वार्षेय पुत्र स्वर्गीय श्री बी० श्यामलाल वार्षेय व श्रीमती रजनी वार्षेय पत्नी श्री बी० जी० वार्षेय नि० 205 इस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोङ्करण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता घ्लाट नं० सी० 37 स्थित सैकटर नं० 7 टी० एच० ए० सूर्य नगर गाजियाबाद में स्थित है। क्षेत्रफल 844.49 वर्ग गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-3-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1980

निदेश सं० 866/अर्जन/आगरा/79-80--अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय रूप से जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० मकान नं० 4/84 है तथा जो कचहरीघाट
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 26-11-1979

को पूर्वोक्त मामति के उचित बाजार मूल्य से कम हो दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक और धार्यत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. श्री कालीचरन जैन बल्द श्री मदनगोपाल जैन
व भुजेव चन्द जैन व हरीश चन्द जैन व जगदीश जैन
व रामेश जैन बल्द स्व० रामस्वरूप जैन व सुरेश चन्द जैन
कैलाश चन्द जैन, सुभाष चन्द जैन व सुशील चन्द व मुनील
चन्द जैन पुत्र स्व० लालचन्द जैन निवासी 3310 दिल्ली
गेट दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री ताराचन्द अग्रवाल
निवासी चित्तीखाना, आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या संसाक्षणी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस दूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा-
गः है।

जनसूची

एक किलो मकान नम्बर 4/84 मध्य जमीन जैरीन बाब गली
मोतिया बचहरीघाट आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सहायक आयकर नियन्त्रण (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 27-3-1980

मोहर :

प्र० ल० प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आगका० प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल 1980

निवेदण सं० 1337-ए०/दादरी/79-80—प्रत: मृ० शे० बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' भी हो गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सालारपुर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनूसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-11-1979

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; १०/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दाता प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वहीद, मईद पुत्र नम्रू निवासी सालारपुर खादर डा० बरोला तहसील दादरी जिला गाजियाबाद।
(अन्तरक)

2. धर्म प्रतिष्ठान रजि० है० ९ डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली द्वारा संत शेरागिल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मैवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिलबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं; वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3-5-0 ग्राम सालारपुर खादर तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सभी प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 1-4-1980

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० धूस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० 1252-ए०/गा० बाद०/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-प के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को पढ़ विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट के० ए०/२ है तथा जो कवि नगर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 15-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत
से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) भौत अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे परन्तरण के लिये तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता प्रत्यक्ष लिखित वे
वास्तविक रूप से नहिं नहीं दिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्राय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरके अधिकारी के बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसो किसी व्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय शासक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्येकनांय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाए चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

8—176GI/80

1. श्री एन० पांडेय पुनर्व श्री गनेश पांडेय निवासी
अर्कमोर नैनीताल वर्तमान निवासी डल्ल्य० 118 ग्रेटर कैलाश
नई दिल्ली।

2. श्रीमती राम चमेली चड्हा पत्नी श्री के० एल० चड्हा
निवासी जी० टी० रोड मोहन नगर, गाजियाबाद।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेय ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबलिया तक संबंधित व्यक्तियों पर सूचना ज्ञान
तामील से 30 दिन की प्रबलिया, जो भी प्रबलिया वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद
कियो अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें शम्भुनाथ शर्मों भीर पदों का, जो उस अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही
अन्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० के० ए० 2 क्षेत्रफल 1800 वर्ग-
गज स्थित कवि नगर, गाजियाबाद में है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-3-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल, 1980

निवेश सं० 1338-ए०/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पासात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० कुछ भूमि है तथा जो खासपुर में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-11-1979

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यपान प्रतिफल के वर्त्तम हुए प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण निकित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है;

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी जाप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, प्रधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिसने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री आस मोहम्मद पुत्र श्री जुझा निवासी सालारपुर दादर निं० बरोला तह० दादरी जिला गाजियाबाद।
(अन्तरक)

2. एडज आफ इनलाइटमेंट इस्ट ई०-९ डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली द्वारा श्री संत शेरागिल।
(अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नित-वद्ध किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के ग्राम निवास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभ्रान्ति, हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानमें दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि ग्राम सालारपुर में स्थित है। कुल भूमि 4-3-10 है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-4-1980

मोहर :

प्रकरण पाई० डी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मई, 1980

निर्देश सं० 1260-ए०/सहारनपुर/79-80-अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एनाट नं० 6 है तथा जो राजेन्द्र नगर
कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 8-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के पालन कर देने के उत्तरार्थ के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी छन या अर्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा (1)
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा (1)
के अधीन विधिविधि अवधितियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुशीला कुमारी पत्नी श्री विलोक अन्न
मोहल्ला पठानपुरा रामनगर, सहारनपुर। (अन्तरक)

2. श्री श्यामा चरण वीष्वरी पुत्र श्री कृष्ण चन्द्र निवासी
केनाडा द्वारा श्री एस० डी० शर्मा, एडवोकेट, चन्द्र नगर,
जिला सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक किता एनाट नं० 6 क्षेत्रफल 742 घन गज राजेन्द्र
नगर कालोनी, जिला सहारनपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 21-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 मार्च 1980

निम्नें सं० 1297/सहारनपुर/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2 है तथा जो बेदीगली रामनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-11-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री दिका हरभजन सिंह बेदी पिसर बाबा नरेन्द्रसिंह बेदी पेशा गुरु निवासी सहारनपुर बेदीगली रामनगर पठानपुरा हाल निवासी 651 सेक्टर नम्बर 20 ए चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्रीमती राजदुलारी पत्नी केशिवचरण दत्त शर्मा व कमल प्रकाश शर्मा पिसर श्री शिवचरण दत्त शर्मा निवासी मौजा शेखपुरा कदीम डाकखाना खास परगना व जिला सहारनपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षित द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 258-वर्गगज का है बेदीगली रामनगर पठानपुरा सहारनपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 11-3-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी टी. एन. एस. —————

अधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मई, 1980

निर्देश सं. 1318-ए/बुलन्दशहर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार भूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं. कृषि भूमि 342 है तथा जो कोट में
स्थित है (और इससे उपाधु अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर
में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन तारीख 30-11-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य ऐ कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरक्त की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथायौक्ति सम्पत्ति का
उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्नित
उद्देश्य व उक्त प्रत्यरूप लिखित में वास्तविक रूप से लिखित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रातरण न हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरूप के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी छिसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे, भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती घारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा-(1) के प्रधीन निम्नलिखित अक्षियों प्रधीन :—

1. श्रीमती लक्ष्मी बेवा मुन्ही कोम ब्राह्मण सा० मौजा
कोटा परगना अगोता डा० खास, जिला बुलन्दशहर।
(अन्तरक)

2. श्री कुंवर पाल पुत्र रामसिंह कौम अहिर सा०
मौजा कोटा परगना अगोता जिला बुलन्दशहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपादकों का नाम :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता है, जो उन प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि आके मौजा कोटा परगना अगोता जिला
बुलन्दशहर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 22-5-1980
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मई, 1980

निर्देश सं. 1369-ए/जानसठ/79-80--अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो महेलकी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानसठ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 19-11-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की आवत उक्त संपत्ति
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) घोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. श्रीमती शक्तिला बेगम धर्मपन्नी जहीर अब्बास
निवासी कस्बा जानसठ डाक० खास परगामाजौण जानसठ तह०
जानसठ जिला मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मीबाला पन्नी जगदीश प्रसाद वर्मा व
सुधीर वर्मा नाबालिंग निं० ब्रह्मपुर डा० गुरुकुल नारसल
जिला सहारनपुर व मुकेश कुमार व राकेश कुमार पुत्र
स्थामवीर सिंह निवासी दौराला जिला मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वल्पीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

कृषि भूमि 14111-02 भाग 1/2 ग्राम महेलकी पर०
जानसठ जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीखः 22-5-1980
मोहरः

प्रमुख प्रूफ आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मई, 1980

निर्देश सं० 1264-ए०/सिकन्दराबाद/79-80--असः
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 881 से 884 858 तथा 886 है तथा
जो कासना तह० सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
५-११-१९७९

को पर्वाक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवार्तिक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय की बाबत उक्त संपत्ति अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिसकी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्री महेश कन्ठ पुत्र त्रिलोक जनदेव गुप्ता ग्राम-
पश्चात्याजपुर परगना जेवर तह० खुर्जा जिला बलन्दशहर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ती देवी पुत्री कुवर द्विराज सिंह व
रघुराज सिंह पुत्र कुवर बलराम सिंह निवासी शहिं धधन
गोयल नगर मुरादाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 881 से 884, 858 तथा 886
14/2 पुस्ता ग्राम कासना तह० सिकन्दराबाद जिला बलन्द-
शहर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीखः 21-5-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मई 1980

निवेश सं० 1389 प/सहायकर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान 2/244 है तथा जो कलक्टर गंज
विठुर कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 30-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविवियों, अर्थात् :—

1. श्री किशन चन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री मोहर चन्द्र अग्रवाल,
निवासी 318/18 कुचा टिकड़ चन्द्र वान बाली गली चौक,
लखनऊ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी अग्रवाल पत्नि भव० गौरी शंकर
अग्रवाल, निवासी 33/211 वंशीराम विश्वास गया प्रमाद लेन,
कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्धताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जिसका नम्बर 2/244 मोहल्ला कलक्टर-
गंज विठ्ठ, जिला कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-5-80

मोहर :

प्रध्य प्राईंटी एम् एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मई 1980

निदेश सं० 1268-ए/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० सी२४ है तथा जो सूर्यनगर
गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन तारीख 7-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—
9-176GI/80

1. श्री एस० के० सूरी पुत्र श्री श्रमोलक राम सूरी,
निवासी बी-४७, डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री भगवान दास अम्बानी, श्याम सुन्दरी जी अम्बानी
तथा दीपक अम्बानी पुत्रगण श्री बी० एम० अम्बानी, निवासी
12/25, इंस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीर्था करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट न० सी०/24-सूर्य नगर, क्षेत्रफल 800
वर्गगज, सूर्यनगर, गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 24-5-1980
सोमवारः

प्रदूष आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत प्रस्तार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 3 मई 1980

निदेश सं० 842/अर्जन/कानपुर/79-80—अतः, मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के
अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान 5/231 है तथा जो दूधवाला-
बंगला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 2-11-1979।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है:—

(ब) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यारक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नम्बर 15/231, दूधवाला
बंगला, कानपुर में स्थित है।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति में
की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बी० सी० चतुर्वेदी,
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

अतः उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की संपत्ता (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रत्यक्षित :—

तारीख: 3-5-1980
मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 वा (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 2 जुलाई 1980

निदेश सं० 261-ए/सहारनपुर/79-80—प्रता: मुझे भी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-वा के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 2/136 8/1 है तथा जो मिशन कम्पाउन्ड सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-11-1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, देवें दृश्यमान प्रतिफल का पाप्रदृ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (पन्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरिक्षितों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी पाय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायिन में कोई करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धार्सितयों को, जिन्हे भारतीय आदानप्रदान अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीया द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या किया जाया जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के प्रमुखण्ड में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुबोध कुमार सक्सेना पुत्र स्व० एम० एस० सक्सेना स्वयं निवासी मिशन कम्पाउन्ड सहारनपुर ।
(अन्तरक)2. श्री देवराज चोपड़ा पुत्र श्री देशराज चोपड़ा निवासी 17-बी/114 पटेल नगर सहारनपुर ।
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबादियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोपः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में बढ़ाया होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा जायेंगे।

उचित बाजारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापार परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्पति नम्बर 2/136 8/1 मिशन कम्पाउन्ड सहारनपुर में स्थित है।

वी० मी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुरतारीख 2-7-80
मोहर :

प्रकरण प्राईंटी एन० एस०—

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जुलाई 1980

निदेश सं० 1524-ए/पी० एन०/एम० नगर/79-80—

अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15-ए(2) है तथा जो नई मन्डी में स्थित
है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन तारीख 24-11-1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं हिया गया है:—

(क) अन्तरक में ही किसी आय की बात, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के बायित्र में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
ओर/वा;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसारण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिवित वाक्यों, पर्यान्:—

1. श्री राम नारायण पुत्र राम वित्तामल व श्रीमति
कमलेश पत्नी श्री चमन लाल व श्री चमन लाल निवासी
10/4 गांधी कालोनी (मुजफ्फरगढ़) (प्रत्यक्षक)

2. श्री तेलू राम साकिनान 44-45 नई मन्डी, मुजफ्फर-
गढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए जार्यकारियों वरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इच्छाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अन्या । 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दुकान नम्बर 15-ए/2 नई मन्डी मुजफ्फरगढ़
में स्थित है तथा जो 5,000/- रुपये की बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक मायकर मायुक्त, निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 2-7-1980।

मोहर :

प्रलूप शाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 19 जून 1980

निवेश मं० 1315-ए/पी० एन०/देहरादून/79-80—

अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूला 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 35 है तथा जो आनन्द चौक में स्थित
है (और इस उपावड़ गानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
22-2-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृष्य से उक्त अन्तरण तिकेत में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रतिक्रिया के दायित्व
में नहीं करने पा उससे बचने में सुविधा के
लिए ; प्रारूपा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किसी जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के (1)के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एन० तन्हा व० के० तन्हा पुत्रगण स्व०
तिलोकी नारायण तन्हा 31/35 आनन्द चौक, देहरादून।
(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार जैन, पुत्र श्री हंस कुमार जैन,
निवासी 2 डान्डीपुर मोहल्ला देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
नियम कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शृंतबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोमुखाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारूप एवं अन्य अवित्यों
के अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन भूमि खण्ड अधिकारी
मीटर नम्बर 35 आनन्द चौक, देहरादून में स्थित है तथा जो
5000/- रुपये में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 19-6-1980।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 जून 1980

निदेश सं० 1314-ए/पी० एन०देहरादून/79-80—
अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संचय जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको स० 194/5 है तथा राजपुर रोड में स्थित है (और इसे उत्तरावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य रान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिकरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन 1 हार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मैसर्स मुनील इन्जीनियरिंग कर्स डी-4 इन्डस्ट्रियल स्टेट, देहरादून
(अन्तरक)

2. लैफटीनेंट कर्नल जगदीप चन्द्र चंग पुत्र स्व० कोटू राम चंग निवासी 9/15 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायावाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरिती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद निमी अन्य अक्षित द्वारा प्रयोक्तुकाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही वर्ती होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता एक मंजिला मकान न० 194/5 राजपुर रोड, देहरादून में स्थित है तथा जो 68,000/- रुपये का ब्लेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 19-6-1980।
मोहर :

जनपद आई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 1 मई 1980

निवेश सं० 1662ए/गाजियाबाद/79-80—प्रतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
और जिसकी सं० प्लाट नं० सी 5 है तथा जो रामपरस्य
कालोनी में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 14-1-1980।

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टिभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिभान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टिभान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरती) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए उत्तम गति गति प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षित सम्पत्ति के उचित प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरान के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने से सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था छिनाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-व के प्रत्-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अन्वेषण लिखित अविद्यों, अवांतः—

1. श्री मुन्नी सिंह पुत्र श्री राम सिंह निवासी ग्राम
जीवना तह० सरदना जिला मेरठ (अन्तरक)
2. श्री मुदोर चौधरी स्व० श्रीराधिका मोहम चौधरी
निवासी जे०-१ कुण्डा नगर देहली ५१ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिनी करता है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्रेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरी अविद्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अविद्यों में से
किसी अविद्यि द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किली
अथवा अविद्यि द्वारा, अधोहस्ताकारी के पाव लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता प्लाट नम्बर सी-५ क्षेत्रफल 555.55 वर्ग
गज राम परक्ष कालोनी गाजियाबाद में 33,333 का बेचा
गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
प्रजनन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-5-1980 ।

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 1 मई 1980

निदेश सं० 1469-ए/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-
वा के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० न० के० एच/12 है, तथा जो कानपुर
नगर गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-1979।

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य शृंखला
में दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उल्लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान प्रतिफल से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धारितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, भृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1).
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

1. श्री पदम सिंह जैन पुत्र रत्नलाल जैन निवासी 4 सी/
16 रोहतक रोड नई दिल्ली हाल 41 जी० टी० रोड
दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री जयप्रकाश गुप्ता पुत्र परमेश्वरी दास व अश्वनी
प्रकाश पुत्र श्री सत्य प्रकाश गुप्ता निवासी 188 माडल
टाउन गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किया जा सकते।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता ज्ञाट जिसका नम्बर के० एच० 12 थेट्टफल
1413.31 वर्ग गज कविनगर गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सभाम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख 1-5-1980।

मोहर:

प्रल। पाई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 19 जून 1980

निदेश सं० 1573-ए०/पी०एन० /कानपुर/ 79-80—
अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है);
की धारा 269-घ के प्रधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 28/131 है तथा जो सिरकी मोहाल
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
के प्रधीन तारीख 19 दिसम्बर 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल
के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का। कारण है
कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के
बीच ऐसे घन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रुपये से उक्त घन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया जया है:—

(क) घन्तरण से तुर्हि किसी आय की वापल, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के लाभित्व
में कभी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उपनुवरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित अधिकारी, जर्यातः:—

10—176GJ/80

1. श्री अब्दुल सतार बद्र मदार बद्दा निवासी 80/49
बूचड़खाना कला, कानपुर
(घन्तरक)
2. श्रीमति चम्पा देवी पत्नी श्री हरी नारायण जयसवाल
माकिन 31/75 घुमनी बाजार, कानपुर
(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवैषः:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्परान्वयी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिवाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में
से किसी अवधिक द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवधि द्वारा अधोक्षेत्री के पास दिल्ली
से किवे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अवधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वह
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बदा है।

अमृश्वरी

एक किता मकान नम्बर 28/131 थोतफल 283.5
वर्ग गज सिरकी मुद्दाल कानपुर में स्थित है तथा जो 85,000
रुपये का बेचा गया।

मी सी० चतुर्वेदी
संक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 19-6-1980।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 19 जून 1980

निदेश मा० 1178-ए/देहरादून/79-80—ग्रन्त: मुझे बी०
मो० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन उन्नत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सा० 46/3 है तथा जो राजेन्द्र नगर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
2 फरवरी, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि इसपूर्वी नमूने का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तर (अन्तराकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐन प्रतिरोध के लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
नदेश में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नियत नहीं
किया गया है :—

(अ) अन्तरण तेहुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० एस० सोही पुत्र श्री के० एस० सोही
निवासी राजेन्द्र नगर, देहरादून, श्रीमति सुरेन्द्र सोही परमी
श्री आर० एस० सोही निवासी ए-2/4 माहल टाउन देहरादून
1। (अन्तरक)

2. मेजर एस० के० सहगल पुत्र श्री आर० एन० सह-
गल निवासी 53/1 दोमाल, देहरादून कैन्ट।
(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के लिए
कार्यालयिता मुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही
मर्य होगा, जो उस प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता ग्रह सम्पत्ति नम्बर 46/3 एक मंजिला राजेन्द्र^{नगर} देहरादून में 60,000/- रुपये का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सभम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-5-1980।
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एव्ह० —————

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 जून 1980

निवेदण सं० 1083-ए/देहरादून/79-80—अतः मुझे बी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सम्मान प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है जो सुभाष नगर में स्थित है (और इसके ऊपरबढ़ अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के वार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे प्रधीन तारीख 15-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और सम्मतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के द्वीप ऐसे प्रतिशत के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रूप से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) सम्मतरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के सम्मतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ भस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपलब्धारा (1) के अन्वेषण निम्नलिखित अधिकारी, अर्याः—

1. श्रीमति विद्यावती चोरा पत्नी स्व० भगवत लाल चोरा निवासी राम निवास सुभाष नगर, देहरादून (अन्तरक)

2. श्री नरायण प्रसाद मंडोला पुत्र श्री विश्वन दत्त मंडोला निः ग्राम होली पट्टोकोख्या पोस्ट जै० हरी खल, तहसील लैन्सडाउन जिला :-—पोड़ी गड़वाल (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भाग्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्त-सारी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

प्रधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधार पर 21-क में परिभ्रान्त हैं, हो अं होगा, जा उक्त अधार में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान सुभाष नगर देहरादून में 51,000/- रुपये का बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी
मकान प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 19-6-80

मोहर :

प्रूल्प आहू. टी. एन. एस.—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जुलाई 1980

निदेश सं० 2003-ए/मू० नगर/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 112 बी० है तथा जो नई मन्डी मुजफर-
नगर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूली में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मुजफरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन तारीख 18 मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तुयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के
पश्चात् निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यति:—

1. श्रीमति कान्ता देवी पत्नि श्री चन्द्र प्रकाश जैन
निवासी 205 पटेल नगर मुजफरनगर श्रीमति हरीकरनता
पत्नि जे० एस० जैन निवासी अनुराग भवन आयकर कार्यालय
के मामने मुजफरनगर। (अन्तरक)

2. श्री बैजनाथ व विनोद कुमार पुत्र श्री विश्वम्भर
दयाल 25 वी नई मन्डी मुजफरनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टटोकण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
है, वशी यथा होता, तो उन प्रधाय में
दिया गया है।

अनुमूली

एक किता मकान जिसका नम्बर 112बी का 1/2
भाग नई मन्डी मुजफरनगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 2-7-1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनाक 6 जून 1980

निदेश सं० 2004/मुजफ्फरनगर/79-80—अतः मुझे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० 112 वी है तथा जो नई मन्डी में स्थित है (और इससे उपावद अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण त्रिभित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रथात्:—

1. श्रीमती कान्ती देवी पत्नि श्री चन्द्र प्रकाश जैन निवासी 205 पटेन नगर नई मन्डी मुजफ्फरनगर, श्रीमती हरी कान्ता देवी पत्नी ज० एस० जैन निवासी अनुराग भवन कार्यालय आयकर के सामने मुजफ्फरनगर, श्रीमती शान्ता जैन पत्नी प्रेम चन्द्र जैन डालमिया नगर बिहार, श्रीमती कुमुम गुप्ता पत्नी डा० निरंजन दास निवासी मोती लाल नेहरू रोड इलाहाबाद,

(अन्तरक)

2. श्री बैजनाथ व विनोद कुमार पुत्र श्री विनम्बर दयाल निवासी 25 नई मन्डी मुजफ्फर नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरप्तमन्धी अविक्षियों पर सूचना की नामी त से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य वर्किन द्वारा अधोदस्ताश्री के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जिसका 1/2 भाग दरोवस्त मकान नम्बर 112 श्री निवासी नई मन्डी मुजफ्फरनगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-7-1980

मोहर :

प्रकल्प पाई० टी० एन० एस०---

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जुलाई 1980

निरेंग सं० 1589-ए/कानपुर/79-80---अतः मुझे बी०
सी० चतुर्वेदी

**आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रु० से अधिक है**

और जिसकी सं० मर्शान 57/113 है तथा जो सिरकी मोहल
कानपुर में स्थित है (और इसमें उपायद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 28-12-1980

को पूर्वोक्त संघति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिलिपि के निए प्रतिलिपि की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत; उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिव किशोर क्षिवेदी पुत्र श्री गजा धर क्षिवेदी
निवासी 57/113 सिरकी मोहल कानपुर (अन्तरक)

2. श्री कैनाश नाथ अग्रवाल पुत्र श्री सुखदेव प्रसाद
अग्रवाल निवासी 36/41ए राम मोहनदा अहारा बान-
पुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संघति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों को उक्त
अधिनियम के अड्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ हीगा जो उस
अड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 57/113 सिरकी मोहल कान-
पुर में 81,500/-रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी

स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-7-1980

मोहर :

प्रकाश प्राईंट ई० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, कानपुर

कानपुर, दिनांक: 28 जून 1980

निदेश सं० 891/हाथरस/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 735 है तथा जो मुरसान गेट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय हाथरस में, रजिस्ट्रीर्ट-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-1980।

फोटोकॉट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के प्रनदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त से बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, उक्त में सुविधा के लिए;

प्रतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुवरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कालीचरन पुत्र श्री गुरुदयाल प्रसाद नियासी चावड़ द्वारा हाथरस अनीगढ़ हाल निं० 1-बी लाजपत राय रोड शहर इलाहाबाद। (अन्तरिक्ष)

2. श्रीमति शकुन्तला देवी पत्नि श्री महेंद्र कुमार जैन व विजय कुमार जैन पुत्र श्री महेंद्र कुमार जैन नियासी गली यूनिन नगरांग हाथरस, अनीगढ़ (अन्तरिक्ष)

को यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वी अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संचालकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक किता बिल्डिंग जो जगदीश बिल्डिंग के नाम से प्रचलित है जिसके अन्दर चन्द मकानात व कमरे जात गोदाम व ऊपरी अट्टा जात व महत व मुख्य द्वार पुरानी बनों हुई जीर्ण दशा में स्थित मुरसाना द्वार चिन्ता हरण महादेव के सामने हाथरस में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रोज़ कानपुर

तारीख: 28-6-1980
मोहर:

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जून 1980

निक्षेप सं० 809/आगरा/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 33/19 है तथा जो आदर्श नगर आगरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 नवम्बर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृष्ण नन्द चतुर्वेदी पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण चतुर्वेदी 33/19 आदर्श नगर, आगरा हाल निवासी, 5 हिल्डोन लाइन, लखनऊ (अन्तरक)

2. श्रीमति अंगूरी देवी पत्नि रोसनलाल जैन निवासी गुदड़ी रंगूर खां व जरवन्द जैन पुत्र श्री बाबू लाल जैन निवासी वले काम्पस माजरा भोजा धिमश्री तह० फतिहाबाद जिला आगरा व रामप्रसाद जैन व ज्योति प्रसाद जैन, पुत्र श्री भगल सेन जैन व रोशन लाल जैन पुत्र श्री प्रेम राज जैन निवासी गुदड़ी मंसूर खां आगरा (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवज्ञ के लिए कार्यालयाद्वय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवज्ञ के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

संज्ञीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 33/19 है आदर्श नगर रकाबगांज वार्ड, आगरा का जुज भाग है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 28-6-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जून 1980

निकेश सं० 814/मथुरा/79—80—आलू: मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रतिकारात 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-व के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को, वह विवास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो डैमपियार नगर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रभावित की गई है और मुझे वह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परन्तु प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यात्रा या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त सम्बन्ध लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किया गया की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिकार के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आवश्यकता की बाबत, जो उक्त प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन्तकार प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावाच अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

अलू: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—
11—176GI/80

1. श्रीमति विमला देवी अग्रवाल पुत्री श्री परशुराम जी पति श्री रामेश्वर दास जी पुत्र श्री बुद्धाराम निवासी कथल डा० व तह० खास जिला करनाल हरियाणा हाल नि० 1840 डैमपियार नगर मथुरा (प्रन्तरक)

2. श्री नारायण स्वरूप गौतम पुत्र ब्रदी प्रसाद गौतम व सुन्दर स्वरूप गौतम पुत्र श्री नारायण स्वरूप गौतम निवासी निवासी गली गंगा सिंह धोली प्याऊ, मथुरा (प्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या संसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधायाप 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाप में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान नं० बाटर रोड 2110, वर्तमान व हाल 1840 थोकफल 184 वर्ग मीटर डैमपियर नगर मथुरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-6-1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जुलाई 1980

निदेश सं० 1405 ए-मेरठ/79—80—अतः मुझे भी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 79 है तथा जो करीमनगर हापुड़ रोड में
स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्वप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के रजिस्ट्रीरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 19-11-1979

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चर्दैश से उक्त अन्तरण लिखित में व्यासविह क्षण में फृष्ट
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में बमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिये; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
पर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कश्मउद्दीन पुत्र दोस्त मोहम्मद निवासी मोहल्ला
मेडरपुर जिला बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्री कश्मउद्दीन व जमीलउद्दीन व मोहम्मद फारुख
व लस्तम व इमामउद्दीन पुत्र श्री करीमउल्ला निवासी
बगीचा मोहम्मद हुसैन शाहपरि गेठ मेरठ

(अन्तरिती)

को पृष्ठ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के
निए कार्यवाचियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के प्रमाण में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
प्रियित में किये जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्रहाता जिसके अंदर दो कोठी बने हैं व 79 जिसकी
आराजी तहती लगभग 850 वर्ग गज है बाके मोहल्ला
करीम नगर हापुड़ रोड शहर मेरठ में स्थित है।

भी० सी० चतुर्वेदी
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 2-7-1980
मोहर :

प्रकल्प आई० टो० एन० पृष्ठ०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जुलाई 1980

निदेश सं० 1350-ए/देहरादून/79-80—अतः मुझे बी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो देहरादून
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 26-11-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) प्रभारण से हुई छिसी आप को बाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
योर/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सार में, उक्त अधिनियम ही धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् : -

1. श्री कविमिश्र श्राफ मेरठ द्वारा आसी सिंह
निवासी सिविल लाइन दो देहरादून (अन्तरक)

2. श्री नूसी प्रकाशपति सत्य प्रकाश निवासी एक
मिनिस्टर रोड देहरादून तथा भगत सिंह पुत्र स्व०
केइर मिह निवासी 77 नरीसिंह मंदिर मार्ग, देहरादून
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
रायंवादियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन गुच्छों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवस्ताक्षरी के पान
तिवित में किए जा सकें।

इन्होंने :—इन प्रयुक्त शब्दों प्रोटोर्डों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रत्याय 20-क में परिभ्राप्ति है, वही
प्रयोग होगा जो उन अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो वि गैस्ट हाउस के नाम से जाना
जाता है म्यूनिसिपल रोड देहरादून में स्थित है जो 75000
रु. का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर प्राधुक्त, निरोक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-7-1980

मोहर :

प्रकृष्ट धार्मि० ही० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर विनांक 1 जुलाई 1980

निदेश सं० 1402-ए/मेरठ/79-80—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रति 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यद्य प्रिव्याप्ति करने का कारण है कि स्थावर समाज, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सूरज कुन्ड रोड मेरठ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-11-1979

को पूर्णीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिफल की गई है और मुझे यह प्रिव्याप्ति करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्रक (प्रमत्रकों) और अन्तरिति (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्रण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त प्रन्तरण विविध में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रमत्रक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितयों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर अधिनियम 1937 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रमः अर्थ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रमत्रण में, प्रति उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपबाहा (1) के अधीन निम्नलिखित आक्षितयों, अधीत् :—

1. श्री जय लाल गुप्ता पुत्र स्व० विश्वामित्रलाल गुप्ता निवासी 245 गान्धी नगर मेरठ (अन्तरक)

2. श्री मदनमोहन दत्ता तथा विजय कुमार दत्ता पुत्र स्व० रामनाथ दत्ता निवासी 60 सरस्वती मंदिर सूरजकुन्ड रोड मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मी आक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोत्तम आक्षितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य आक्षित द्वारा, प्रबोहस्ताशी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टीहरण — इसमें प्रयुक्त गाड़ों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवायित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता अद्याता 715 वर्ग गज सूरज कुन्ड मेरठ रोड पर स्थित है। तथा जो 50,000/- ह० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 1-7-1980

मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 27 जून 1980

निदेश सं० टीप्रार 907/एसीक्यू/अलीगढ़ :—अतः मुझे
बी० सी० अनुबंधी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो घुड़िया बाग में
स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन तारीख 7 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्राम प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मंगल दास पुन धर्म दास सेठ निवासी कोठी
स्थाप नगर कानपुर मुख्यतरशाम मैसर्स जिनर्स एन्ड प्रेसर्स
प्राइवेट लिमिटेड जमशेदवी टाटा रोड चर्च गेट बम्बई
(अन्तरक)

2. श्रीमति भगवानी देवी पत्नी श्री राम चरन लाल
निवासी घुड़िया बाग, अलीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता घाट घुड़िया बाग अलीगढ़ में स्थित है
जिसका रकमा 100 वर्ग गज है।

बी० सी० अनुबंधी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 27-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जुलाई 1980

निवेश सं० 1375-ए/कानपुर/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 119/37 बी है तथा जो नसीमाबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 19-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हाकीम सोहन सिंह सेठी पुत्र सरदार करतार
सिंह सेठी निवासी हापड़ नगर गल नम्बर दो कोठी नं० 107
मेरठ (अन्तरक)

2. श्रीमति जोगेन्द्र कौर पत्नि सरदार रावेल सिंह
119/39 क्वाटर नं० 4 चन्देल भवन नसीमाबाद हाल
119/37 बी नसीमाबाद कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक किता भकान नम्बर 119/37 बी क्षेत्रफल 128.5
वर्ग गज नसीमाबाद कानपुर में स्थित है और 80000 रु०
का बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-7-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.-----

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जुलाई 1980

निदेश सं. 353-ए/देहरादून/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 43 है तथा जो करनपुर देहरादून में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रधारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; योर/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्चा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, विभिन्निवित अवित्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री सत्यपाल शर्मा पुत्र अमोलकराम शर्मा निवासी 25 करनपुर देहरादून (अन्तरक)

2. श्री चन्द्र शेखर पुत्र नाम मुन्दीराम निवासी 69 श्रीलडालनवाला देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए कार्यवाहिया घुल करवा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया सत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किसान मकान नम्बर 43 क्षेत्रफल 462 वर्ग मीटर करनपुर देहरादून में स्थित है तथा 42,000 रु० का बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-7-1980

मोहर :

प्र० प्र० श्री श्री० टौ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जून 1980

निदेश सं० 1267-ए/दादरी/79—80—प्रतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छपरौली में स्थित
है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाजार में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 2-11-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से मुझे किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्र में कमी करने या उससे बचने में मुश्यित
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्म अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं हिया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में
मुश्यित के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:—

1. श्री नैनू पुत्र सगुना निं० ग्राम छपरौली पर० व
तह० दादरी जिला गाजियाबाद (अन्तरक)
2. श्री दीन दयाल सिंह सैनी पुत्र श्री बुच्चा सिंह सैनी
निं० 53 लोहियानगर (गाजियाबाद) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बीघा 12 बिस्ता ग्राम छपरौली तहसील
दादरी व जिला गाजियाबाद में स्थित है तथा 1,10,000/-
रुपये की वेत्ती गई।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 30-6-1980
मोहर:

प्रकृत प्राईटी एस० एस०-----

अमरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा

269-ष (1) के प्रधीन प्रत्यय

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 जून 1980

निदेश सं. टी आर 823/एसीक्यू/आगरा—अत मुझे, वी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहला 'उत्तर प्रविनियम' कहा गया है), वी बारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 14/245 और 14/245/1 है तथा जो फुलटी बाजार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-12-1979

को पूर्वोक्त प्रवित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त प्रवित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिवाद से अधिक है और प्रधावरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तअन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त प्रविनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने पा उपर्युक्त वचन में सूचित के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या मन्य आदित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त प्रविनियम, पा बन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् 12-176GI/80

1. श्रीमति हीरा देवी विधवा श्री वेवीदास व श्रीमति कुमुम कुमारी धर्म पत्नी श्री मुकनप्रसाद गुप्ता निवासी मुखनी गली फुलटी बाजार आगरा (अन्तरक)

2. श्री चन्द्र भान जैन पुत्र श्री सोनी मल व श्री भगवान जैन पुत्र श्री चन्द्र भान जैन 29/117, नमक मन्डी आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी घन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रविनियम के प्रद्याय 20ए के परिवारित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रद्याय में दिया गया है।

एक किता मकान नम्बरी 14/245 और 14/245/1 बाके मुख्यी गली फुलटी बाजार आगरा।

वी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 28 जून 1980

निदेश सं० 841/कानपुर/79-80—अतः मुझे, वी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 126/एच/62 है तथा जो गोविन्द नगर
में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण प्रधियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 3-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिगत से प्रतिक्रिया है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया
प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में ऋणित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट कर्ता किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
म, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः :—

1. श्री कृष्ण विहारी अवस्थी 26 रायगंज झांसी
(अन्तरक)
2. श्रीमति रामेश कुमारी पत्नि श्री पी० एन० तमेजा
126/62 गोविन्द नगर कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान 126/एच/62 गोविन्द नगर कानपुर में
स्थित है ।

वी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 28-6-1980
मोहर :

प्रकल्प पाई० ई० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 जून 1980

निदेश नं० टी०आर० 885/एसीएस०/अलीगढ़—प्रतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 2/39 है तथा जो विष्णु पूरी में स्थित
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 17-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के बद्दल
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से नुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना आविह था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री नरेश गुप्ता पुत्र प्रेम चन्द्र गुप्ता बावरी मन्डी
सैयद बाड़ी अलीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री बाबू लाल शर्मा पुत्र कल्यानदास गांव हरदुआ
गंज त० कोल जिला अलीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घरें में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में
से किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के साजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनम्
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अघोदस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

एक भकान नम्बरी 2/39 स्थित मुहल्ला विष्णु पुरी
अलीगढ़ जिसमें 200 वर्ग गज जमीन है।

बी०सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-6-1980

मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निदेश सं० 1995-ए०/हरिद्वार/79-80:—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो हरिद्वार में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-3-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्ह किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बचने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) पंजाब सिन्ध क्षेत्र ऋषिकेश (रजिस्टर्ड) वेहराद्वान
द्वारा श्री राम प्रकाश मेहरा पुत्र श्री वीवान चन्द्र
निवासी 6490 फतेहपुरी, देहली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामरती देवी धर्म पत्नि श्री श्रीम प्रकाश
निवासी बेद प्रकाश वाली हवेली भीम गोडा, हरिद्वार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 1200 वर्ग फुट श्रवण नाथ नगर हरिद्वार पर स्थित
है। जो 42,000/- रुपये में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-7-1980

मोहर :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जुलाई, 1980

निदेश सं० 16/30/अर्जन/मेरठ/79-80:—अतः मुझे, श्री० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० अहाता नं० 48 व 52 व 72 हैं तथा जो मो० आजाद रोड़ मेरठ में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-1-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरीक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त दूकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री दिनेश कुमार गर्ग पुत्र श्री सतीश चन्द्र गर्ग अशोक कुमार पुत्र स्व० सतीश चन्द्र गर्ग साकिन आजाद रोड़ बैरुन घोराब गेट (मेरठ)।

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद ताहिर व मौ० साविर मौ० सहैद व मौ० दरशाद व मौ० मौ० अजाज नाबालिक मौ० इसरार पुत्र मौ० यासीन 48 से 52 व 17 मौ० आजाद रोड़, मेरठ।

(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

एक अहाता नं० 48 व 52 व 17 बाके मो० आजाद रोड़ मेरठ में स्थित है। क्षेत्रफल 436 वर्ग गज है तथा जो 44,600/- रुपये का बेचा गया।

श्री० सी० चैक्सीर्टी०
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर, आयक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-7-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आपहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० 854 अर्जन/प्रलीगढ़/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जायदाद 69 है तथा जो विजयनगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री सूर्य प्रकाश मिश्रा पुत्र श्री रघुनन्दन मिश्रा निवासी हाल 16115 शीतलागढ़ी शहर, आगरा।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रयाग देवी उपाध्याय परिन श्री सेतलाल उपाध्याय निवासी मीजा विहना तह० फिरोजाबाद, आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरफन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदल किसी अम्य अवक्षित द्वारा अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अधार पर 20-ए में परिचित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता जायदाद प्लाट संख्या 69 क्षेत्रफल 620 वर्ग गज यानी 518,3820 वर्ग मीटर आके पुरानी विजय नागर कालोनी शहर आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 10-7-80
मोहर :

प्ररूप आइ० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० 857/अर्जन/आगरा/79-80:-—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो न्यू आगरा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय आगरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

30-11-79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्थ उत्तरांश से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल मिम्नांतिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बचारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्वार्थत् ।—

(1) श्री रविश कुमार गोयल, सुशील कुमार गोयल और
श्री गिरिश कुमार गोयल पुत्र स्वर्ग० शिव भगवत्
सरन गोयल निवासी 3/174 रोड़न मोहल्ला
आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्री ललित कुमार पुत्र श्री अर्जन देव निवासी 59
पुंच कुशान रोड़ न्यू देहली और श्री बी० के० अग्रवाल
पुत्र श्री ला० कोम चन्द्र नि० 239 ए, न्यू आगरा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 41ए, नं० म्यूनिसिपल नं० 36/160 ए०, न्यू आगरा
जिसका रक्का 693, 11 वर्ग गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 10 जुलाई, 1980
मोहर :

प्रृष्ठप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश मं० 846/अर्जन/अलीगढ़/79-80—अतः मुझे,
वी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कोठी है तथा जो लक्ष्मीगंज कासगंज में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कासगंज में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

15-11-1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित मर्ही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ता:—

(1) श्री राम प्रताप पुत्र श्री जौहरीलाल निवासी नाथ-
राम कासगंज परगना विलासम जिला एटा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमनी कुमुमलता देवी धर्म पत्नि श्री पन्नालाल व
पन्ना लाल भारतीय पुत्र लाला नाथराम निवासी
हसायन परगना व तह लिकन्दराऊ जिला अली-
गढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हत्तसवन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक नग कोठी का हिस्सा पैमाइश 60×30 हृदद संलग्न
पुरब में कोठी कल्यानदास बारह लबी पक्षिम कोठी ओम
प्रकाश शाह उत्तर में हिस्सा कोठी राम प्रताप व गैला विवाद
सड़क लक्ष्मीगंज बांके मो० नाथराम लक्ष्मीगंज कासगंज में
स्थित है।

वी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 10 जुलाई, 1980

मोहर :

प्रूफ आइ० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 जुलाई, 1980

निवेश सं० टी० आर०/फिरोजाबाद/79-80:—असः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो खान जहानपुर में स्थित है
(और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13-11-1979

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री केहरीसिंह पुत्र श्री पहलवान व अर्जुनसिंह
व सौनपाल पुत्र श्री अतर्सिंह व बर्माजीत व नेपालपाल
पुत्र अमीरसिंह, निवासी अलीनगर के जारा, फिरोजाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीनादेवी पत्नि मानकिशोर व रमनदेवी
पत्नि मोहनकिशोर व राम कटोरी पत्नि राधा
मोहन व रामकिशोर पुत्र राधामोहन व सुशील
कुमारी पत्नि श्री भगवान व राजेश कुमार पुत्र श्री
भगवान, निवासी छपेटीकला, फिरोजाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जम के
लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनुसूची

एक किता आराजी भूमिघरी बाके मिलक खानजहानपुर
तह० फिरोजाबाद माटा संख्या 36 रकमा सात बीचा
प्रठारह बिस्ता पुख्ता लगानी 57-20 पैसे सालाना है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14 जुलाई, 1980

मोहर:

प्रस्तुति भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० 856/आगरा/79-80:—आग: मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद 18/163 ए/48 है तथा जो विभव
नगर सेक्टरगंज आगरा में स्थित है (और इससे उपाबन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्जित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16-11-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्ई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घम या अन्य आस्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना
चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रतीत हूँ—

(1) श्री मदनलाल मेहरोत्ता पुत्र श्री चानन दास मेहरोत्ता
निवासी हाल करमन टोला शहर आगरा जिला
तेजपुर, बिहार राज्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ससीमवानी पत्नि श्री निसार अहमद
32/78 पुराना कुतलपुर छीपीटोला आगरा व
श्रीमती शहीदबानी धर्म पति हाजी मोहम्मद
प्राबिद 26/1 तुसाउथ कांगंज शहर हैदराबाद,
मध्य प्रदेश।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापैप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बद्धी अवितर्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी प्रन्य अवितर्या द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नबरी 18/163ए/48 वाके विभग नगर
सेक्टर ताजगंज बांड, आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 10 जुलाई, 1980.
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईं दी० एन० एस०—
भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ए(1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निवेश सं० 855-ए/आगरा/79-80—अन्तः मुख्य, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इयर से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान 16/163 ए/12 है तथा विभाव नगर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा, में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् ग्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा वाग गत शिक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी प्राय की बाबत उक्त
भविनियम के पश्चीम कर देने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; घोर/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर भविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त भविनियम, या
धन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रधान: यह, उक्त भविनियम की धारा 269-ए के पश्चात्रण
में, मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-ए की अप्रकाश (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

(1) वि उवलबमेन्ट ट्रस्ट प्रा० सि० 6 एम० जी०
रोड आगरा द्वारा डायरेक्टर श्री सतीश चन्द्र
गुप्ता सुरेश चन्द्र गुप्ता ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्यामा देवी पत्नि स्व० श्री ज्ञान चन्द्र
जैन 29 छिपीटोला आगरा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मात्क्षमी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकत द्वारा, प्रधोहस्तकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

ल्पल्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वों का, जो उक्त
भविनियम के प्रम्याय 20-क में परिचालित
है, वहीं प्रयृं होगा, जो उस प्रम्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 18/163ए, 12 विभाव नगर
आगरा में स्थित है ।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 10 जुलाई, 1980.
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 जुलाई, 1980

निदेश सं० 931/एक्वी/कानपुर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 90जी है तथा जो स्कीम नं० 7
गुटह्या में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-11-79

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधृतः:—

(1) श्री ग्रानन्द प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री बाबू राम गुप्ता
7/198 नाबूविहार स्वरूप नगर, कानपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री कासी नाथ जालान बल्द लाला रत्नलाल
जालान 59/11 शतरंजी मोहल, कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

302 वर्गंगज का प्लाट नं० 90 जी स्कीम नं० 7 गुटह्या
कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14 जुलाई, 1980.
भोहरः:

प्र० प्र० धाई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जुलाई, 1980

निवेश सं० 1337-एदादरी/79-80:—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्भुवी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान ए/186 है तथा जो सूर्यनगर गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

(1) श्रीमती विद्या वन्ती पत्नि श्री सोहन लाल निवासी 3/22 आयेपुरा सब्जी मन्डी देहली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम कुमार बंसल पुत्र श्री साधुराम निवासी 595 जोधी रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाजेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन संख्या ए/186 क्षेत्रफल 297.29 वर्ग मीटर स्थित सूर्य नगर गाजियाबाद जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्भुवी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 8-7-80.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 जुलाई 1980

निवेश सं० 1398-ए/अर्जन/मेरठ/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), "की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, उह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इप्पत्ते से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग 129 है तथा जो पटेलगंज मेरठ
में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पांचवां प्रतिलक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
उन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुकरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती गंगा देवी पुत्री श्री लक्ष्मण सिंह हरपाल सिंह
पुत्र श्री गंगा सिंह निवासी अहाता स्थित गंज कवाड़ी
बाजार मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्वेताम्बर स्थानक वासी जैन डोर मुहूरद्वारा
बाली सभा मेरठ द्वारा श्री सुखबीर सिंह प्रेसीडेंट व
श्री रोणन लाल जैन मन्त्री व श्री जुगल किशोर जैन
व श्री जीत सिंह जैन श्री विश्वचन्द्र जैन व श्री शात्ति
प्रसाद जैन व श्री पवन कुमार जैन मेरठरान प्रबन्ध
कार्यकारिणी सभा मेरठ शहर।

(प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
सिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में फोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारंभ वर्ते का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग जिसमें तीन दुकानात नीचे है और ऊपर
बालाखान बने हुए हैं जिनका रास्ता दुकानात के बराबर के
जीने से है म्य० नम्बर 240 तथा 244 हाल नम्बर 129 आके
स्थिरगंज हाल मारुफ पटेलगंज शहर मेरठ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10 जुलाई, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जुलाई, 1980

निदेश सं० 1342-ए/गाजियाबाद/79-80:—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— :

(1) श्री हरि स्वरूप पुन्न श्री चपुरा श्री नवरंग गिर निवासी ग्राम चिप्पयाना बुजर्ग पर० दादरी तह० दादरी जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति देवी पति श्री जगदीश नरायण निवासी मोहल्ला आर्यनगर गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान 100 वर्ग गज 26000 रु० में बेचा गया मोहल्ला आर्यनगर गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-7-80.

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश नं० 1345ए / गा० बाद/79-80—अतः मुझे,
बी०सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 2 है तथा जो लक्ष्मी विहार में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-11-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रौर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त] अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीत:—

(1) श्री पुष्पोत्तम चन्द्र जैन सुपुत्र स्वर्गीय श्री दलीचन्द्र
बंजात खुद व मुख्तार आम बखत्यार इन्तकाल
हर किसम जायदाद जीनिब श्री मति सरस्वती देव
पत्नि स्त्र॒ लाला निहालचन्द्र व निवाद कुमार स्व॒
डा॒ निहालचन्द्र देवश्य व श्रीमती गीता सुपुत्री
मुहुरोत्तमचन्द्र निवासी नयांगंज गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकिशोर भार्गव व राजकुमार व जयप्रकाश
व नरेन्द्र कुमार पिसरान पंडित श्री चन्द्र किशोर
ब्राह्मण नरेन्द्र कुमार नावालिंग व उमर 17 साल
विलायत व संरक्षक पिता खुद श्री चन्द्रनिवासी हाल
कालोनी लक्ष्मीविहार गाजियाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नम्बर 252 स्थित कालोनी लक्ष्मी विहार गाजियाबाद प्लाट नम्बर 28 फिरीहोल्ड रकबाह 313 वर्गगज क्षेत्र एरिया 25 वर्गगज जिसमें एक कमरा व घार दीवारी पुष्टा बनी है।

बी०सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज कानपुर

दिनांक : 8-7-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एत०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 7 जुलाई, 1980

निवेदण सं० 273-ए/हापुड़/79-80—अतः मुझे चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो नई मट्ठी पक्का बाग हापुड़ में स्थित है (और इस उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक 5-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्यिदा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थना :—

176 GI/80

(1) श्री अमर नाथ खोरिया पुत्र श्री किलोर लाल खोरिया निवासी नई मट्ठी पक्का बाग हापुड़ जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुसूदन दयाल पुत्र श्री कैलाश चन्द्र निवासी राधापुरी कस्वा हापुड़ जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान पक्की दो मंजिली घर में 197 वर्गमीट 3 वर्गफुट स्थित नई मट्ठी पक्का बाग कस्वा हापुड़ जिला गाजियाबाद में स्थित है तथा जो 95000/-रुपये को बेची गई।

श्री० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 7 1980 जुलाई

मोहर :

प्रस्तुप आई० टो० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायता प्रायकर यायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश नं०टी०-आर० न०९२४-ए/इटावा/79:८०—अतः
मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० मकान है तथा जो इटावा न्यू कालोनी में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
30.11.79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

(1) श्री श्याम नरायण ठन्डन पुत्र श्री भोला नाथ
निवासी न्यू कालोनी इटावा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष कुमारी वेबा भूपेन्द्रसिंह
ज्ञानन्द सिंह व कौशलेन्द सिंह पुत्र गण नन्दलाल
मिह निवासी उर्द्धमना इटावा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला तामीर पुछता आये व्यय
इटावा न्यू कालोनी इटावा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-7-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश नं. 904 अर्जन/अलीगढ़/79-80—अतः मुझे
बी०सी०चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. ० मकान है तथा जो इटावा रोड़ में स्थित है
(और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इटावा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
30-11-79

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमा
प्रतिफल तो ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए, वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हर गोविन्द बलदाल निवासी पुर-
विया टोला शहर इटावा रोड़ चौहट।
(अन्तरक)

(2) श्री रवि शंकर व ओम कारनाथ पुत्रगण लाला पर-
मेश्वरी दीन निवासी पुरविया टोला कटराकपूर
चन्द शहर इटाला (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबद्ध में कोई भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या ताम्बवंशी अवितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में विवाद स्थोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अप्रित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पति में हिन्दूद्वाद्वितीय
अन्य अधिकारी द्वारा, अधोद्वाद्वाद्वारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित
हैं, उनीं पर्यंत ज्ञात जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची :—

एक मकान मय 11 किता दुकानात बाके पुरविया टोला
शहर इटावा रोड़ चौहटा सीमा पूरव सड़क पश्चिम मकान
द्वारिका प्रसाद हरिश्चकर बगैरा पश्चिम सड़क दक्षिण मकान
वेद सुनोर व मकानात मुसलमानान इटावा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-7-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III अहमदाबाद

दिनांक, 20 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आर नं० 937 एक्वी 23/19-7/80-81—
यतः मुझे एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोद नं० 4256, वार्ड नं० 2 है, जो काला मेहता शेरी सागरमंपुरा, सुरत में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 27-11-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

1. श्री जगदीश उर्फ अविनाश कांतीलाल रगातियार,
चेवेलि शेरी 1, बेंगपुरा सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार ईश्वरलाल कपुर और ईश्वरलाल कपुर मेन रोड। सगमपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में फौटूँ भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

अनुसूची

मिलकत नोब्र नं० 4256, वार्ड नं० 2, काला मेहता शेरी, सगरमंपुरा, सुरत में स्थित है जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 27-11-1979 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, अहमदाबाद।

दिनांक: 20-6-1980
मोहर:

प्रेस प्राइंट टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० एन० 937 एक्वी 23/19-7/80—
यतः मुझे एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सत्त्व प्राविहारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० रेव० एस० नं० 87-ए०-२ फुलवाड़ा है, जो
मुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 12-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा/पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः; थब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अकितियों, अर्थात्:—

1. श्री मुर्यकान्त चिमनलाल (2) चन्चलबेन चिमनलाल।
(3) मानर अनिल सुर्यकान्त। (4) मानर पियुष सुर्य-
कान्त। मुख्तारनाम 3 और 4 का श्रीमती भुशीला
सुर्यकान्त, गोलमण्डी 1, मोती थेरी मुरत।

(अन्तरक)

2. श्री विनोदचन्द्रा चोड़ालाल प्रेवाल (सचिव) सदस्य
श्री ओदैवणी गिरदरलाल मिस्ट्री, प्रमुख श्री हरिभाई
अर्जुन भाई पटेल, के द्वारा शक्ति विजय कोपेरेटिव
हाउसिंग सोसाइटी वराच्चा रोड़ मुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अकितियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अकितियों में से
किसी अकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अकित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लघुटीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन फुलवाड़ा मुरत में एस० नं० 87-ए-२ में स्थित है
जो मुरत में रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है
तारीख 12-11-1979।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज-II, अहमदाबाद।

दिनांक: 20-6-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

**आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजनरेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 938/एक्वी-23/I/80-81—
यतः मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 16 है, जो ग्राम उमरा, सूरत में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-11-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तर क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मगतभाई नरोत्तमभाई पटेल; सचिन घर के सामने,
संग्रामपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री हरीषभाई प्रागजी पटेल, हीरा मोदिनी शेरी,
संग्रामपुरा, के द्वारा शिवणंकर एपार्टमेंट को
आपरेटीव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा अधीनस्ताकरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन उमरा गांव में सर्वे नं० 16 में स्थित है जो सूरत
में रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 28-11-1979 में रजिस्ट्री
की गई है।

एस० एन० मण्डल;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 27-6-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 939/एक्वी-23/IJ/80-81--

यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1332, 33, 34 टी० पी० एस० नं० 2 फाइनल
प्लाट नं० 20, सब प्लाट नं० 21 है, जो तिम्लियावाड, सूरत में
स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रानुची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
29-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह
प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अनुरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विभिन्न में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अस्तरण में हुई किसी भाव की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर
अधिनियम, 1957 (1857 का 27) के प्रयोगमार्थ
अनुरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री रजनीकान्त कंचनलाल मरकतिया और श्रीमती कुमु-
लता कंचनलाल मरकतिया, एच० नं० 11/1319, मानावत
कच्चानि पोल, सूरत ।

(अन्तरक)

2. प्रमुख भुपेन्द्रा चूनीलाल चुडासमा, अरपन एपार्टमेन्ट को०-
ओ० हाऊर्सिंग सोसायटी लिमिटेड, के द्वारा मयूर फर्नीचरस;
तिमालियावाड, नानपुरा, सूरत ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोद्दत्ताक्षरों के पास लिखित
में किए या सुन्दरे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अमृसूची

एक खुला जमीन सर्वे नं० 1332, 33, 34 टी० पी० एस०
नं० 2, फाइनल प्लाट नं० 20, सब प्लाट नं० 21 सूरत में स्थित
है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 29-11-1979
में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 27-6-1980

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1069 एक्वी 23/I/80-81—
यतः मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 934 पैकी सब-प्लाट नं० 4 टी० पी० एस० 3 है, जो पालाड़ी एलिस ब्रिज अहमदाबाद में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यत्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मणिलाल नारायण दास पटेल, श्री रत्नलाल नारायण दास पटेल, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. जगदीश एपार्टमेंट्स एसोसिएशन सदस्यों के द्वारा
(1) श्री एच० एफ० पटेल। (2) श्री एच० एम पटेल।
(3) श्री बी० एल० पटेल। (4) श्री एन० एम० मिस्त्री।
(5) श्री जे० एस० शा। (6) श्री के० एम० ठाकुर।
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुला जमीन माप 467 वर्ग गज एफ० पी० नं० 934, टी० पी० एम० 3 पालड़ी अहमदाबाद में स्थित है विक्रियत नं० 11960 तारीख 3-11-1979 में रजिस्ट्री की गई है। जो संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,
सकाम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 26-6-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस० ——

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक: 26 जून, 1980

निर्देश ब० पी० आर० नं० 1070एक्सी 23/I/80-81—

यतः मुझे एस० एन० मण्डल,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाहास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

ओर जिसकी स० एम० न० 10/1/1751 है, जो बानियावाई के बार, स्टेशन रोड, भुज में स्थित है (और इससे उपाखण्ड
ग्रनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुज में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) देसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना बाहिण या छिराने में
मुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब को उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् :—

13—176GI/80

1. श्रीमती कानावी धानबाई, विधवा बानजि आया
वलाडिया कुच-भुज।
(अन्तरक)

2. श्रीमती (1) रत्नबाई करामान जसानी; (2) कुनवरजी
लकमान जसानी, (3) बीरबाई प्रेमजी जसानी; (4)
हीरबाई लालनी जसानी, बाला जिया, भुज।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अवोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, [जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रनुसूची

एक महान जमीन पर बानियावाई नाका स्टेशन
रोड, भुज में ब्लडा है जो बिक्री खत न० 75 तारीख—जनवरी,
1980 में रजिस्ट्री की गई है जो सम्पूर्ण वर्णन है।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
महायूँ ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद।

दिनांक: 26-6-1980

मोहर:

प्रलेख आई० टी० एन० एग०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1071एक्वी 23/1/80-81—
यतः मुझे एस० एन० मण्डन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० प० म० एम० नं० 10/1/175-है, जो वानियावाईन
नाका स्टेशन रोड, भुज में स्थित है (और इसमें उपायद्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीशन अधि-
कारी के कार्यालय, भुज में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 वा 16) के अधीन 24-जनवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1). के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्यानि:—

1. श्री गणेश शिथा श्री रामजी कानगी बालाडिया
कुच भुज।

(अन्तरक)

2. श्री (1) श्री लालजी जीना भाई जसानी, (2) श्री
प्रेमजी जीना भाई जसानी; (3) श्री घनबाई कानगी
भाई जेसानी, बालाडिया गांव कुचभुज।

(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मन्दी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में वित्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जमीन पर माप 3/5, 1/2 भाग जमीन 494. 42
वर्गमीटर जिसका नं० 10/1/175 वानियावाईन नाका वे बार
स्टेशन रोड भुज में स्थित है और जो बिक्री खत नं० 175-
तारीख 24-1-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मण्डन,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

दिनांक: 26-6-1980

गोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० एक्वी 23/I/80-81—यतः
मुझे एस० एन० मण्डल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्रम० प्रम० नं० 10-5/175 और 10-7/175-
3/5 भाग जमीन का 1/2 है, जो विनियावदना नाका के बाहर,
भुज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय, भुज में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23 नवम्बर, 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसूरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपग्राहा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ततः—1. श्री पटेल मालाजी के० भाषा बालदिया गांव
भुज।

(अन्तरक)

2. श्री पटेल नारायण बालाजी जसानी और मातजी तालाजी
जसानी और केसरी बालाजी जसानी, बालाडिया गांव,
भुज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योद्युस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख ग्रन्त और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए. न मरान जमीन पर माप 315-वर्ग मीटरों 1/2 भाग
1649.29 वर्ग मीटर जिमका प्रम० नं० 1015/175 और
1017/175 जोकि वर्तियावडना नाका से बाहर भुज में स्थित है।
जो बिक्री खत नं० 1841 दिनांक 23-11-79 में दर्ज है।एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाददिनांक: 26-6-1980
मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्बनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० प० ० आर० नं० 1072/एक्वी 23-१/८०-८१—
यतः मुझे एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिमकी सं० एस० एस० नं० 10-५/१७५-और 10-७/१७५-
२/५ जमीन के भाग है, जो वाणियबाड़ नोका के बाहर, भुज
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्री अंतर्गत अधिकारी के कार्यालय, भुज में
रजिस्ट्री अंतरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-11-1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की ऊपरांत (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पटेल मावजी कानजी, गांव बालाडिया, भुज।
(अन्तरक)
2. श्री पटेल लक्ष्मण रामजी, रामभाई नारायण, बलभाई
रामजी और बलभाई के० जेसानी गांव बालाडिया भुज।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जमीन पर माप 215-वर्ग मीटर 1/2 भाग
1649. 29 स्केयर मीटर एस० नं० 10-५/१७५,
10-७/१७५ वानीयबाड़ नाका के बाहर भुज में स्थित है जो बिंकीखड़
नं० 1842 में तारीख 23-11-79 में रजिस्ट्री की गई है
और संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

दिनांक: 26-६-1980

मोहर:

प्रूफ़ आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 24 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1074/एसी-23/I/80-81—

यतः मुझे एस०, एन०, मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० लाइन नं० 81 है, जो स्टेशन रोड, दोराजी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दोराजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

13-11-1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दबें के अन्तरक के धार्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः:—

1. श्री पटेल जमनादास लालजीभाई चनगेला, स्टेशन प्लाट, दोराजी।

(अन्तरक)

2. श्री हाजीसत्तार हज़ाराहिम शाईगरा, बकुमबाजीपारा, दोराजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के उचित कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मण्डल जमीन पर खड़ा है जिसका माप 664 वर्ग गज स्टेशन रोड, दोराजी में स्थित है और विक्री दस्तावेज नं० 1610 तारीख 13-11-79 रजिस्ट्री की गई है और जो संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

दिनांक: 24-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जून, 1980

निर्देश मं० पी० आर० नं० 1056एवं 23/1/80ब्र81-

अतः सुने एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० नं० 88-1 पंकी, प्लाट नं० 12, है तथा जो राईथा गांव, जैलाराम प्लाट, राजकोट में स्थित है (आंग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 नवम्बर, 1979

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुन्भव यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमात्र प्रतिफल से, ऐसे दूसरमात्र प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है:—

1. श्रीमति दुधिवाई वासजिभाई बारदाना, जुमा मर्जिस्द पास, मकरवा घेरी, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री शशविन्द्रमार बालु भाई कनतारीया 57, कोटेचानगर, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जमीन माप 475-5-0 वर्ग गज में माप एस० नं० 88-1 पंकी प्लाट नं० 12 में राईथा गांव में जैलारम प्लाट्स, राजकोट में स्थित है जो राजकोट रजिस्ट्रार के कायालिय में बिक्री खाता नं० 6368/20-11-79 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मलकियत संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपाया (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 20-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 20 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1055-एक्सी-23/1/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मण्डल, में

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी म० न० 88-1-पैकी प्लाट न० 12 है। तथा जो रेया गांव में जैलाराम प्लाट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में नुस्खित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या तिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात्:—

1. श्रीमती दुर्दिवाई श्रीमतीभाई बानदाना, जुमा मजिस्ट्रेट के पाम, मकांवा गांवी, राजकोट।
(अन्तरक)

2. श्री भगत कुमार बालू भाई कन्तारिया 57-कोच-नगर, राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के ममत्वध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संषोधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के मैं परिभासित हैं, वहीं प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 457-7-0 वर्ग गज एस० न० 88-1, पैकी प्लाट न० 12 में राईद्वा गांव में जैलाराम प्लाट्स राजकोट में स्थित है। जो बिक्री खाता न० 6370/20-11-79 में राजकोट रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मलकियत मंपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक: 20-6-1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आरा० न० 1062 एक्सी-23/I/80-
81—अन्तः मुझे एस० एन० मण्डन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 1938/2 पैकी है तथा जो जिनदान
रोड़ के पास, बड़वान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बड़वान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 1 नवम्बर 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोनी खोतिदास निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रशंसितां
वर्गे (1) लीनादर जीवा भाई। (2) जगजीवनी सेवा
भाई। (3) चिमनलाल लीलादर भाई। (4) नवनीत
लाल कोडिदास। देरामर चैक, मुरेन्द्रा नगर

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रकान्त कपूरचन्द्र संघवी बाबू निवास' जोरावर-
नगर, जिला सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां लकरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुदा जमीन सर्वे नं० 1938/2 माप 2089 वर्ग गज में
जिनदान रोड़ के पास बड़वान में स्थित है जो कि खत न०
2728/2-11-79 में बड़वान रजिस्ट्रार के कार्यालय में
रजिस्ट्री की गई है अर्थात् मलकियत जिसमें मंपून वर्णित है।

एस० एन० मण्डन,

सक्षम प्राप्तिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद।

दिनांक: 20-6-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आर० न० 1061/एक्वी 23/1/80-81—
अतः मुझे एस० एन० मण्डल,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० न० 1938/2 पैकी है तथा जो जिन्हान रोड
के पास, वाधावान में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 2 नवम्बर, 1979।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रबन्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तीक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँर्दे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्ति:—

16—176GI/80

1. श्री कान्तीलाल लीनाधर सोनी, देरासर चौक, सुरेन्द्र-
नगर।
(अन्तरक)
2. श्री घन्दाकान्त कपूरचन्द सगवी, बाबू निवास, जोरायर-
नगर, जिला सुरेन्द्रनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

खुली जमीन एस० न० 1938/2 भाष 2090-6-0 वर्ग
गज में जिन्हान रोड वाधावान में स्थित है जो बिक्रीखाता
न० 2727/2/11/79 में वाधावान रजिस्ट्रार के कार्यालय में
रजिस्ट्री की गई है और जिस मलकियत संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद।

दिनांक: 20-6-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 23/I/80-81—यतः मुझे एस०
एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
प्रति घेरे में प्रधिक है।

और जिसकी सं० नं० 1938/2 पंकी है, जो जिनतान रोड
वडवान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, वडवान में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 2 नवम्बर 1979।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
उसे प्रतिरोध के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
डिटेल से उक्त प्रतिरोध त्रिविन में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नरूप अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जमनलाल लिलादार मोनी, देरागर चौक, सुरेन्द्रनगर।
(अन्तरक)
2. श्री चन्द्राकान्त कपूरचन्द्र संगवी, 'बाबू निवास' जोगवर-
नगर, जिला सुरेन्द्रनगर।
(अन्तरिती०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रतिशत की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा भी
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान भूमि में
हित्रद किसी अन्य अवित्त द्वारा, अदीहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, कही अर्थ होता जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन एस० नं० 1938/2 माप 2089 वर्ग गज में
जिनदान रोड वडवान में स्थित है। जो बिक्री खत नं०
2726/2-11-79 से वडवान रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री
की गई है। अर्थात् सिलाकत संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

दिनांक : 20-6-1980,
मोहरः

प्रूप पाई दी एवं एत—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1059 एक्वी० 23/I/80-
81—यतः मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर नियम, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में प्रविष्ट है

और जिसकी सर्वे सं० 1938/2 (खुला जमीन) पैकी है,
जो जिनतान रोड के पास, वधवान में स्थित है (और इससे
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, वधवान में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 नवम्बर,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथार्वाक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया था।
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, इपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपलाप्त (1)
के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री लोलाध्र जीवाभाई सोनी, देरासार चैक, सुरेन्द्रा-
नगर।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्राकान्त कपूरचन्द्र संगवी, 'बानु निवास' जोरावर-
नगर, जिला थुरेन्द्रनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को यवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की यवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से इसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसे प्रयुक्त शब्दों द्वारा पश्चात् का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं,
वही प्रबंध होता है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्त्री

खुला जमीन सर्वे नं० 1938/2 माप 2089 वर्गगज में
जिनतान रोड के पास वधवान में स्थित है। जो बिक्री खत
नं० 2725/2-11-1979 में वधवान रजिस्ट्रार के कार्यालय
में रजिस्ट्री की गई है। मिलकत जिसमें संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 20-6-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टी॰ एम॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 जून, 1980

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1058 एक्वी/23/I/80-81—
यतः मुझे, एस. एन. मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 11 रा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रीष्म जितकी सर्वेनं 1938/2 (खुला जमीन) पंक्ति है, जो जिनतान रोड के पास, वधवान में स्थित है (ग्रीष्म इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वधवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनाथं प्रभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्यर्थतः—

1. श्री जगजीवनभाई जीवनभाई मोती, देरासर चैक, सुरेन्द्रानगर।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्राकान्त कपूरकन्द संग्रही, 'बाबू निवाड़,' ओरावरनगर, जिला सुरेन्द्रानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राहन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इग सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इग सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राहोद्दम्पत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-ए में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तसूची

खुला जमीन सर्वेनं 1938/2 माप 2089 वर्ग गज में जिनतान रोड के पास वधवान में स्थित है। जो बिक्री खत नं. 2724/2-11-1979 में वधवान रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है। मिलकत जिसमें संपूर्ण वर्णित है।

एम. एन. मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 20-6-1980

मोहर :

प्रस्तु आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३)
की धारा २६९ग (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक २० जून, १९८०

निर्देश सं० पी० आर० नं० १०५७/एक्वी-२३/१/८०-८१—
यतः मुझे एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ख
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपए से
अधिक है।

और जिसकी सं० १९३८/२ (खुली जमीन) पंक्ती है, जो
जिनदान रोड, बंधवान में स्थित है (और ससे उपावद अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बधवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९६१
(१९०८ का १९०८ के अधीन २ नवम्बर १९६९

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) असरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा २६९ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा २६९ग की उपधारा (१) के अधीन;
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

१. श्री रामजी भाई लोंसाधर भाई, देरासर चौक, सुरेन्द्रनगर।
(अन्तरक)
२. श्री चन्द्राकान्त कपूरचन्द्र संघवी 'बाबूनिवास, जोरावरनगर, जिला सुरेन्द्रनगर।
(अन्तरिती)

नो : इच्छा आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यालय द्वारा हिंगां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एवं तर्तुग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०फ में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन संवै नं० १९३८/२ माप २०८९ वर्ग गज,
जिनदान रोड के पास बधवान हुए स्थित है जो बधवान
रजिस्ट्री की गई है और मिक्रो सूर्पूर्दू मलकियत सम्पूर्ण
वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,
सक्त म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, अहमदाबाद।

दिनांक : २०-६-८०
मोहर

प्रस्तुप आईः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़-, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1064/एक्वी-23/I/80-81---
अतः, मुझे, एस० एन० भंडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 325/3 कृपित जमीन है, जो अहमदाबाद
जूनागढ़ में स्थित है (ग्रामीण इससे उपावद्ध अनुभूमि में ग्रामीण
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 8 नवम्बर, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रस्तुत प्रतिशत से अधिक है और उक्त अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक विकल्प से अन्तरण
के लिए उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, सै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः:—

1. (1) श्री विमलावेन गणेशराय (2) श्री सुमनराय गणेशराय,
(3) श्री शिवीश गणेशराय, (4) श्री दुष्प्रित मणेशराय
मुजित्यार के द्वारा (1) श्री विनायकराय ईप्परलाल वसावदा
(2) श्री भूलाभाई एलियास जवाहर मन्जुलाल वसावदा।
(अन्तरक)

2. श्री सौराज्ञा पटेल संस्कृतिक समाज ट्रस्ट जूनागढ़ प्रमुख—
डाक्टर करमशीभाई खोटाभाई पिपालिया, एम० जी० रोड
बनजारी चौक के पास, जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुभूमि

खुली जमीन एस० नं० 325/3 माप 3025 वर्ग मीटर,
क्रहुकुन्ड, घन्दिका एपार्टमेंट के पास, पेट्रोल पम्प के पीछे जूनागढ़ में
स्थित जो विकी खाता नं० 1772/8-11-79 जूनागढ़ रजिस्ट्रार के
कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है और मिलकियत संपूर्ण वर्णित
है।

एस० एन० माझन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़-I, अहमदाबाद।

दिनांक : 20-6-1980

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एम० एस०—

आय०कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जून, 1980

निर्देश सं० पी० आर० एन० नं० 1063 एक्वी 23/1/80-

81—यतः मुझे एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान, फैक्ट्री शेड्स, बाहरीघरों हैं, जो मावड़ी प्लाट रोड़, उद्योग नगर गोणडले रोड़, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 21 नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए मन्त्रिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों; और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमुखण के लिये वृथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया था।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त मन्त्रिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शरिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; योर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को बिन्दु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री विनयकान्त भगवान्नलाल शाह, 30, किरण सोसायटी, ग्लैशरी के पोले, राजकोट।
(अन्तरक)

2. (1) श्री अवित कुमार जयन्तिलाल मेहता, सावरबां चौक शिवसदन, राजकोट (2) रमिकलाल अजसाल कामनी, खन्नीवाड़ 17, वीरानी ट्रस्ट बिल्डिंग। (3) रीकनकराई खेमचन्द मेहता 8-जयराज प्लाट, राजकोट।
ज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाचियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद स समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध निमी अन्य अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संस्करण :—इसमें प्रत्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान 20-क में परिचालित है, उही अर्थ होगा, जो उस अधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

मानक जमीन पर मात्र 1960 वर्ग गज में फेक्ट्री, शेडों, बाहरी घरों साथ मावड़ी पढ़ि, राजकोट है स्थित दु जो राजकोट रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री द्वारा नं० 6767/2-111-79 रजिस्ट्री है और जो सूपूर्द वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद,
दिनांक : 20-6-1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च, 1980

निर्देश सं० पी० आर० 894 एकवी 23-II/14-7/79-80—अतः मुझे एस० एन० मण्डल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 78 शीट नं० 130 है तथा जो पाटन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाटन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 नवम्बर 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थि अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गापा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से ही किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के वायित्र में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टाकोर अटर्जी नाथजी आबुवालानू डेहलु थी० के० भुला हाई स्कूल के पास म्टेशन रोड, पाटन
(अन्तरक)

2. प्रेसीडेन्ट, देवपुरी नगर कामापरोटक हाऊसिंग सोसायटी, पाटन
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आझेर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अविचालित संमति 3 एकड़ और 21 गुन्या खुली जमीन, जिसका सर्वे नं० 78 है। सब रजिस्ट्रार कार्यालय पाटन में रजिस्ट्री की गई है और जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 2573 है।

एस० एन० मण्डल,
सभन प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

दिनांक : 6-3-1980

मोहर :

**ENFORCEMENT DIRECTORATE
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT**

New Delhi-3, the 4th June 1980

No. A-11/2/80.—Shri A. T. Ghosh, Asstt. Enforcement Officer, Calcutta zonal office is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Calcutta, w. e. f. 8.4.80 (FN) and until further orders.

D. C. MANDAL
Deputy Director (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th July 1980

No. 09RCT18.—Shri Mange Lal, a permanent Assistant of this Commission is hereby appointed as Research Officer in an officiating capacity with effect from 16.6.80 to 19.7.80 or until further orders whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA
Under Secy (Admn.)
for Director
Central Vigilance Commission

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DIRECTORATE-GENERAL, CRP FORCE)**

New Delhi-110001, the July 1980

No. O.HI-80/77-Estt.—Consequent on his repatriation to parent cadre i.e. Union Territory, Shri F.L.R. Siama IPS relinquished charge of the post of Commandant 62 Bn C.R.P.F. on the afternoon of 6th June, 1980.

The 10 July 1980

No. O.HI-1437/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Umarani Narzary as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 12th June, 1980 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

K. R. K. PRASAD
Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 8th July 1980

No. 11/8/77Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Sinha, an Officer belonging to Madhya Pradesh Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, with effect from the forenoon of the 12th June, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri M. S. Sinha will be at Bhopal.

No. 11/61/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Bhalla, IAS(UT) as Director of Census Operations, Delhi at New Delhi, with effect from the forenoon of the 25th June, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Bhalla will be at New Delhi

No. 11/123/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Wankhade, an officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal with effect from the forenoon of the 13th June, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri S. S. Wankhade will be at Ujjain.

No. 11/126/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Debendra Nath Bora, an officer belonging to the Assam Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Assam. 17—176GI/80

Gauhati, with effect from the afternoon of the 18th June, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Bora will be at Gauhati.

The 10th July 1980

No. 11/110/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. H. Desai, an officer belonging to the Gujarat Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 23rd June, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Desai will be at Ahmedabad.

No. 11/6/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Dixit, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 16th June, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Dixit will be at Lucknow.

No. 11/8/80-Ad.J.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the date indicated against each :—

Name of officer and Date of Appointment

1. Shri M. V. Khare—Forenoon of the 16th June, 1980.
2. Shri V. S. Dhongade—Forenoon of the 17th June, 1980.
3. Shri D. V. Kulkarni—Forenoon of the 17th June, 1980.

2. The headquarters of Shri Khare, Dhongade and Kulkarni will be at New Bombay (Vashi-Konkan Bhavan), Solapur and Aurangabad respectively.

No. 11/28/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri D. Santhanam, Accounts Officer, Pondicherry Administration, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 19th June, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Santhanam will be at Pondicherry.

P. PADMANABHA
Registrar General

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad (MP), the 27th June 1980

No. PF.AD/4/3743.—In continuation of this office Notification No. AD/4/9220 dated 5.12.1979 and its Corrigendum No. AD/4/376 dated 14.4.80 the *ad hoc* appointment of Shri P. K. Sharma as Accounts Officer is hereby continued for a further period of 4 months i.e. upto 22-9-1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 12th July 1980

No. M/6/3869.—In continuation of Notification No. M/6/1070 dt. 2-5-80, General Manager, Security Paper Mill, Hoshangabad is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri B. L. Sharma as Asstt. Engineer (Mech.) up to 21.6.80

S. R. PATHAK
General Manager

BANK NOTE PRESS, DEWAS

Dewas, the 10th July 1980

F.No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Deptt's Notification of even number dated 10-4-80 the *ad hoc* appointment of Shri Ashok Joshi, as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of 3 months with effect from 12-7-1980 or till

the post is filled on the regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

M. V. CHAR
Dy. General Manager

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES**

New Delhi-2, the 10th July 1980

No. Admn.I/O.O.No. 163.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri P. K. D Roy, a permanent Audit Officer of this office has retired from service of the Government of India with effect from the afternoon of 30-6-1980.

C. K. JOSEPH
Joint Director of Audit (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
KARNATAKA**

Bangalore, the 29th May 1980

No. ESI/A4/80-81/217.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge :—

1. Shri N. Appadorai
2. Shri K. K. Nanappa

The promotions are subject to the ultimate results of Writ Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court of India.

M. A. SOUNDARARAJAN
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES**

New Delhi, the 10th July 1980

No. 1525/A-Admn/130/79-80.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri RP Dua, Substantive member of S.A.S. to officiate Audit Officer in the Office of the Audit Officer, Defence Services, Allahabad, with effect from 16.6.80 (F.N.), until further orders.

The 11th July 1980

No. 1560/A-Admn/130/80.—On attaining the age of superannuation Shri NVR Sastry, Substantive Audit Officer of the Audit Department, Defence Services retired from service, with effect from 30th June, 1980 (AN).

No. 1561/A-Admn/130/79-80.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint Shri PK Kar, Subs. member of S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Lt. Director of Audit, Defence Services, Patna with effect from 24.6.1980 (F.N.), until further orders.

K. B. DAS BH/VMK
Joint Director of Audit

**MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS.
CIVIL SERVICE**

ORDNANCE FACTORY BOARD

Culcutta-700069, the 1st July 1980

No.12/80/A/B-1(NG).—Shri N. R. Roy, T.V. A.S.C. substantive and permanent Assistant Voluntarily retired from service with effect from 30-6-80 (A/N).

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories

**INDIAN ORDNANCE FACTORY SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta, the 2nd July 1980

No. 43/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri Benoy Kumar Das Offg. AM Subst. & Permt. Foreman retired from service w.e.f. 30-11-79 (A.N.).

THE 5th July 1980

No. 45/80/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Manager (Prob) with effect from the dates shown against them :—

1. Shri Anil Kumar..27th December, 1979
2. Shri K. S. Gururaja..28th December, 1979
3. Shri Rajive Agarwal..28th December, 1979

The 7th July 1980

No. 44/G/80.—On attaining the age of superannuation (58 years) Dr. V. M.I. Nambisan, Offg. Dy Director General, Ordnance Factories Level II (Subst. & Permt. ADGOF Gr. I/General Manager Gr. I) retired from service w.e.f. 30th June 1980/AN.

No. 46/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. K. Sircar, Offg. Asstt. Manager/Subst. and Permt. storholder retired from service w.e.f. 29-2-80 (A.N.)

No. 47/80/G.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Nurul Haque as Asstt. Manager (On Prob.) w.e.f. 7th March 1980.

V. K. MEHTA
Assistant Director-General,
Ordnance Factories

**MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF TEXTILES)**

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 11th July 1980

No. CER/3/80.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969, namely :—

In the said Notification :—

1. In paragraphs II A, II B, II C, II D and II E
 - (i) for the expressions "CONSUMER PRICE" and "Consumer Price" wherever they occur, the expression "FINAL CONSUMER PRICE" shall be substituted.
 - (ii) The words "INC. EXCISE DUTY" wherever they occur, shall be deleted.
2. For the existing Notes I and II below paragraph II E, the following shall be substituted, namely :—

Note I.—For the purpose of paragraphs II A, II B, II C, II D and II E, the expression "FINAL CONSUMER PRICE" shall mean the retail price applicable to controlled cloth as on 31.12.1976 plus the excise duty payable on that date reduced by an amount equivalent to ad-valorem percentage specified below of the ex-factory price as on 31.12.1976 and of 5% of the 75% of the said amount :—

Ex- factory price per sq. metre as on 31-12-1976	Percentage of Excise duty for its reduction
(i) Does not exceed Rs. 4/-	1%
(ii) Exceeds Rs. 4/- but does not exceed Rs. 6/-	13%
(iii) Exceeds Rs. 6/- but does not exceed Rs. 7/-	2%
(iv) Exceeds Rs. 7/- but does not exceed Rs. 8/-	3%
(v) Exceeds Rs. 8/- but does not exceed Rs. 9/-	4%

Note II:—FINAL CONSUMER PRICE of seconds that is required to be stamped shall be the retail price of seconds as arrived at in the manner prescribed in paragraph 1 of the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968 applicable to seconds of controlled cloth as on 31-12-1976 plus the amount of excise duty to be worked out as prescribed in Note I above on the ex-factory price of seconds.

M. MADURAI NAYAGAM
Additional Textile Commissioner

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 7th July 1980

No. Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints, Shri D. K. Goswami Superintendent as Administrative Officer Group 'B' Gazetteed in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in on ad-hoc officiating capacity in this office with effect from 7th July, 1980 (F/N) until further orders vice Shri G. B. Das retired from Government Service.

K. K. BANERJEE
Executive Officer

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 12th June 1980

No. A.17011/180/80.A6.—The Director General, Supplies & Disposals has appointed Shri K. C. Ghosh, Examiner of Stores (Met) in the office of the Director of Inspection (Met), Officer (Met) in the office of the Deputy Director of Inspection (Met) Durgapur under Burnpur Inspectorate with effect from the forenoon of 13-5-80 and until further orders.

The 17th June 1980

No. A-17011/177/80.A6.—Shri R. N. Dutta, Junior Field Officer in the Office of Director of Supplies and Disposals, Bombay has been promoted to officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspecting Officer (Met), in the office of the Director of Inspection (Met) Jamshedpur with effect from the forenoon of 19th May, 1980 and until further orders.

(ADMINISTRATION SECTION A—I)

The 10th July 1980

No. A-1/1(1159).—The President is pleased to appoint Shri Kul Bhushan, Section Officer in Directorate General of Supplies & Disposals, to officiate on ad-hoc deputation basis as Assistant Director (Sales Tax) (Grade I) in the same office with effect from the forenoon of 20-6-1980.

The appointment of Shri Kul Bhushan as Assistant Director (Sales Tax) is purely temporary and on ad-hoc deputation basis.

P. D. SETH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES
(DEPARTMENT OF MINES)

Nagpur, the 11th July 1980

No. A-19011/228/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri P. R. Bawane, Junior Mining Geologist to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd July, 1980.

No. A-19011/281/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the president is pleased to appoint Shri C. S. Gundewar to the post of Deputy Ore

Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th June, 1980.

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
(INIAN MUSEUM)

Calcutta-700016, the 5th July 1980

No. 8-41/64/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri M. N. Kalode, Office Superintendent to the post of Junior Administrative Officer, at Central Region, Nagpur, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 16th June, 1980.

C. T. THOMAS
Senior Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th July 1980

No. 2/21/80-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. N. Sarma, Accountant All India Radio Gauhati to officiate as Administrative Officer on an ad-hoc basis All India Radio, Gauhati with effect from 2-6-80 till further order.

No. 29/6/80-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. D. Purohit, F.R.R., Farm Radio All India Radio, Rajkot to officiate as administrative Officer, All India Radio Baroda with effect from 9-6-80 (F.N.)

No. 29/7/80-SII.—Director General, All India Radio hereby appoints Shri J. B. Sonbarsha, Farm Radio Reporter All India Radio, Raipur to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio, Raipur with effect from 4-3-80.

S. V. SESADRI
Deputy Director of Administration
For Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 9th July 1980

No. A-19012/3/79-Estt.I.—On the recommendation of the UPSC, Chief Producer, Films Division, Bombay hereby appoints Shri P. S. Rawtel to officiate as Branch Manager in the Films Division, Bombay with effect from forenoon of the 8th July, 1980, until further orders.

N. N. SHARMA
Acting Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 7th July 1980

No. A-12026/5/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Bhaskar Nayar, Technical Assistant (Advertising to officiate as Assistant Media Executive in this Directorate, on ad hoc basis, with effect from 16th June, 1980 vice Shri B. N. Rajbhar, Assistant Media Executive, granted leave

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th July 1980

No. A.19019/24/79-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Pawan Kumar to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the afternoon of the 6th June 1980.

N. N. GHOSH
Dy. Director Admin.I (CGHS)

New Delhi, the 8th July 1980

No. A.12026/25/79(H.Q.) Admin.I.—The President is pleased to appoint Smt. C. K. Mann, Health Education Officer (Teacher) in the Central Health Educational Bureau of the Directorate General of Health Services, New Delhi to the post of D.A.D.G. (S.H.E.) in the same Bureau, with effect from the forenoon of the 5th June 1980, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

SANGAT SINGH
Dy. Director Administration (E)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 8th July 1980

No. A.19025/34/80-A-III.—The undermentioned Senior Inspectors have been appointed to officiate as A.M.C. (Group I), on short-term basis in this Directorate at the stations and w.c.f. the dates mentioned against each, until further orders :

1. Shri B. B. Patil—Nasik Road—21-5-80 (FN).
2. Shri Abdul Rahim—Guntur—19-5-80 (FN).
3. Shri Hardial Singh—Amritsar—17-5-80 (AN).
4. Shri Y. J. Peter—Hyderabad—17-5-80 (FN).
5. Shri P. Satyanarayana—Guntur—20-5-80 (FN).
6. Shri Ashok Kumar Das—Calcutta—21-5-80 (FN).
7. Shri A. S. Sharma—Faridabad—12-5-80 (AN).
8. Shri A. R. Mitra—Faridabad—12-5-80 (AN).
9. Shri T. Venkateswarlu—Chilakalurpet—19-5-80 (FN).
10. Shri N. G. Mani—Cochin—17-5-80 (AN).
11. Shri L. S. Raghunathan—New Delhi—28-5-80 (FN).

DEPARTMENT OF SPACE
ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 058, the 20th June 1980

No. 020/3(061)/A/79—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space on a purely temporary an provisional basis and until further orders :

Sl. No.	Name	Designation	Date
			4
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	K. Ramakrishna Rao	Sci/Engineer SB	1-4-1980
2.	P.K. Abraham	Sci/Engineer SB	1-4-1980
3.	C.H. Venkataseshaih	Sci/Engineer SB	1-4-1980
4.	B.R. Anandamurthy	Sci/Engineer SB	1-4-1980
5.	B.K. Induprakash	Sci/Engineer SB	1-4-1980
6.	M.S. Sreekanthswamy	Sci/Engineer SB	14-1980
7.	M. Rathnakumar	Sci/Engineer SB	1-4-1980

S. SUBRAMANYAM
Administrative Officer-II

12. Shri V. M. Hadaoo—Bombay—2-6-80 (FN).
13. Shri P. G. Chandhari—Nagpur—19-5-80 (AN).
14. Shri K. P. Tiwari—Nagpur—5-6-80 (FN).
15. Shri R. Selvaraj—Tuticorin—2-6-80 (FN).

No. 19027/1/80-A-III—Shri P. Y. Shirke, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Editor (Marketing Journal) in this Directorate at Nagpur with effect from 2-6-80 (F.N.) on purely short-term basis for a period of 3 months or until regular appointment is made, whichever is earlier, on the usual deputation terms.

2. Consequent on his appointment as Editor, Shri Shirke relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Nagpur in the forenoon of 2-6-1980.

The 9th July 1980

No. A.19023/43/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur, Shri V. M. Shelar handed over charge of the post of Marketing Officer at Faridabad in the afternoon of 21-6-80.

B. L. MANIWAR,
Dir. of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 30th June 1980

No. NFC/PAR/0704/4515.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri P. Raja Gopalan, an industrial temporary Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer, on ad hoc basis in Nuclear Fuel Complex, from 2-6-1980 to 9-7-1980, or until further orders, whichever is earlier.

No. NFC/PAR/0704/4517.—In continuation of Notification No. PAR/0704/2304 dated 7-5-1980, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Shri Bh.L.G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) as Assistant Personnel Officer from 6-5-1980 to 1-6-1980 AN.

P. S. R. MURTY,
Adm. Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
 (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)
 New Delhi-3; the 14th July 1980

No. A.32013 (ADGM)/1/80-E.J.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das and Dr. P. S. Pant, Deputy Directors General of Meteorology, India Meteorological Department as Additional Directors General of Meteorology in an officiating capacity in the same Department with effect from the forenoon of 31-3-1980 and until further orders.

P. K. DAS,
 Dir. General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
 CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th July 1980

No. A.31011/1/78-EC.—This Department Notification bearing number A. 31011/1/78-EC, dated 18-6-80 is hereby cancelled.

No. A.32014/2/80-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on an ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	V.L. Ramamurthy	Aero Communication Station Visakhapatnam.	Aero, Comm. Stn. Gauhati.	4-6-80 (FN)
2.	V.A. Menon	Aero. Comm. Station, Coimbatore.	Aero Comm. Stn., Hyderabad.	4-6-80 (FN)

The 10th July 1980.

No. A.32014/3/79-EC(Pt. III)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on an ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	Prem Kumar	Radio Const. & Dev. Units, Delhi.	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.	13-6-80 (FN)
2.	B.K. Bhasin	ACS, Udaipur.	Central Radio Stores Depot, New Delhi.	19-6-80 (FN)

No. A.32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. B. Kulkarni, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Nagpur to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 11-6-80 (FN) and to post him at the same station.

R. N DAS,
 Asstt. Dir. Admn.

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES
 Dehra Dun, the 9th July 1980

No. 4-2/80-Adm.—Shri T. R. Bajaj, Divisional Forest Officer, Publicity Forest Division, Himachal Pradesh, Simla is appointed as Assistant Conservator of Forest in Preinvestment Survey of Forest Resources, Northern Zone, Simla on deputation basis w.e.f. 18th June, 1980 (F.N.) until further orders on the terms and conditions as contained in this office letter of even number dated 16-4-1980.

C. L. BHATIA,
 Chief Coordinator.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Pune, the 5th July 1980

No. 1/C Ex. PN/80—Statement showing names, address and other particulars of persons convicted by a Court for contravention of Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 within the jurisdiction of Pune Central Excise Collectorate during the period from 1-1-80 to 31-3-1980.

S. No.	Name and address of the person	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened	Particulars of sentence awarded by the Court.	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Shri Shaikh Md. Ibrahim. (i) 48, Valayalkara St. Lalgudi (Tamil Nadu)	Section 9(1)(b)(bb)(bbb) of Central Excises and Salt Act, 1944 read with rules 151(c) and (d).	Convicted and awarded sentence of 3 months R.I. on each Count	J.M.F.C. Court No. 2 Sholapur Case No 9598/77 decided on 20-9-1979.

1	2	3	4	5
	(ii) 47, Mallyeethi, At & Post : Lalgudi Dist : Tiruchi. (Tamil Nadu)			
2.	(1) M/s. Brothers Chemicals Ltd., 12 Kaka Halwai Industrial Estate Pune-9.	Contravened the provisions of Sec. 9(1) of the Central Excises and Salt Act, 1944.	(i) A-1 : Sentenced to pay a fine of Rs. 500/-. (ii) A-2: Sentenced to suffer S.I. for one day till rising of the Court and to pay a penalty of Rs. 500/- I/d 6 months R.I. (iii) A-3, 4 and 5: Sentenced to suffer S.I. for one day till rising of the Court and to pay a fine of Rs. 300/- each I/d to suffer 3 months R.I.	J.M.F.C. Court No. 9, Shivaji-nagar, Pune Case No. 24439/77 decided on 18-12-1979.
	(2) Shri S. S. Jagtap, 5, Phayre Road, Pune-1.	Do.		
	(3) Shri Suresh S. Jagtap, 3 Phayre Road, Pune-1.	Do.		
	(4) Shri R.S. Jagtap, 3, Phayre Road, Pune-1.	Do.		
	(5) Shri P. S. Jagtap, 3, Phayre Road, Pune-1.	Do.		
3.	Do.	As above.	(i) A-1 : Sentenced to pay a fine of Rs. 400/-. (ii) A-2 : Sentenced to one day S.I. till rising of the court and to pay a penalty of Rs. 400/- I/d to suffer 4 months R.I. (iii) A-3, 4 and 5: Sentenced to suffer one day S.I. till rising of the Court and to pay a penalty of Rs. 300/- each I/d to suffer 3 months R.I.	J.M.F.C. Court No. 9, Shivaji-nagar, Pune Case No. 24440/77 decided on 18-12-1979.
4.	As at Sr. No. 2.	As at Sr. No. 2.	(i) A-1 : Setnenced to pay a fine of Rs. 450/-. (ii) A-2 : Setnenced to suffer one d y S.I. and to pay a fine of Rs. 450/- I/d 6 months R.I. (iii) A-3, 4 and 5 : Setnenced to suffer S.I. for one day till rising of the Court and to pay a fine of Rs. 300/- each 1/d 3 months R.I. each.	J.M.F.C. Court No. 9, Shivaji-nagar, Pune Case No. 24441/77 decided on 18-12-1979.

H. M. SINGH
Collector of Central Excise & Customs, Pune

**DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 8th July 1980

No. 23/80.—Shri P. D. Kapoor, lately posted as Assistant Collector of Central Excise Ghaziabad, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Deptt. of Revenue Order No. 76/80 (F. No. A.22012/8/80-Ad.II) dated 7-6-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 26-6-80 (Forenoon).

K. L. REKHI,
Director of Inspection

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 7th June 1980

No. A-20013/10 '80-Admn.B.—Shri Mahesh Prakash, Superintendent (Legal) of the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Legal Affairs), who was currently holding the post of Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates, has vacated the

said post in the Directorate of Estates with effect from the forenoon of the 2nd June, 1980.

2. Shri S. D. Nigam, Superintendent (Legal), is appointed concurrently as Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates, Ministry of Works and Housing with effect from the forenoon of the 2nd June, 1980, until further orders.

H. C. SHARMA,
Dy. Director of Estates (Estt.).

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 7th July 1980

No. HPB/220/G/II S.—The following Officers are confirmed in Class II Service of the Stores Department of this Railway with effect from the dates shown against each :—

Sr. No. Name of the Officer and Date from which confirmed in Class II Service

1. Shri G. M. Joshi—19-7-1976
2. Shri G. P. Bhimsen—1-7-1978.

A. K. CHAKRAVARTI,
General Manager.

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
COMPANY LAW BOARD**

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Dayalbagh Provisions Stores Private Limited (In Ltn.)

Kanpur, the 4th July 1980

No. 6318/1125 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dayalbagh Provisions Stores Private Limited (In Ltn.) unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. CHADHA,
Registrar of Companies, U.P. Kanpur.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jujhar Industries Private Limited.

Jullundur City, the 28th June 1980

No. G/Stat/560/4256.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Jujhar Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

N. N. MAULIK,
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 1st July 1980

F. No. JUR/DLI/V/80-81/2951.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the ITO, Distt. I(3) New Delhi shall have concurrent jurisdiction with I.T.O., Distt.I.(4), New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions CIT, Delhi-V also authorises the I.A.C., Range V-B, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 7-7-1980.

No. JUR/D-1/V/80-81/3102.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax, Delhi-V New Delhi hereby directs that the I.T.O. Distt. VII (2), New Delhi shall have concurrent jurisdiction with I.T.O. Distt. VII(5) New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions CIT, Delhi-V also authorises the I.A.C. Range, V-B New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of Section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 7-7-1980.

F. No. JUR-DLI/V/80-81/3253—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Com-

missioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all functions of an Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of Income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in col. 2 of the said schedule :—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt./Circle
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range V-B New Delhi.	1. Distt. I(1), I(2), I(3), I(4) New Delhi. 2. Distt. I (2) Addl. New Delhi. 3. Distt. III(19), III(20), III (21), III (22) and III(23) New Delhi III (27) New Delhi. 4. Distt. VII New Delhi except Distt. VIII(3) & VII(6), New Delhi. 5. Distt. IX, New Delhi. 6. Special Circle-VIII (Addl.) New Delhi. 7. Refund Circle.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range V-C, New Delhi.	1. Distt. IV, New Delhi. 2. Distt. VII(3) & VII(6), New Delhi.

This notification shall take effect from 7-7-1980.

No. JUR./DLI-V/80-81/3404.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 7-7-1980 in Range-V-B.

Distt. VII(8) New Delhi

R. D. SAXENA,
Commissioner of Income-tax
Delhi-V, New Delhi.

New Delhi, the 3rd July 1980

F. No. JUR-DLI/Cs I.T./80-81/3589.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in supersession of all previous notifications on the subject, the Commissioners of Income-tax, Delhi-I, Delhi-II and Delhi-VI, New Delhi hereby direct that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges mentioned in Column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax Officers of the Districts/Circles mentioned in column 2 of the said Schedule.

SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/Circles
1	2

DELHI-I CHARGE

1. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, District-VI, New Delhi excepting District-VI(12) and (13), New Delhi.

1	2
DELHI-II CHARGE	
1. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-E, New Delhi.	1. District-V(11), (12) and (16), New Delhi. 2. District-VIII, (13) and (14) New Delhi. 3. District-X(3) and (11), New Delhi. 4. Special Circle-VI, New Delhi.
DELHI-VI CHARGE	
1. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-I-B, New Delhi.	1. Salary Circles (Government) 2. I. T. O. T. D. S. (Salaries) Circles-I, II and III, New Delhi.
2. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-I-C, New Delhi.	Private Salary Circles.

This notification shall take effect from 1-5-1980.

M.W.A. KHAN Commissioner of Income-tax, Delhi-I, N. Delhi.	N.S. RAGHAVAN Commissioner of Income-tax, Delhi-II, N. Delhi.
-------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------

Sd/-
SHEIKH ABDULLAH
Commissioner of Income-tax,
Delhi-VI, N. Delhi.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

CENTRAL GOVT. OFFICES BUILDING

Bombay-400 020, the 5th July 1980

No. F.48-Ad(AT)/80.—On attaining the age of superannuation, Shri G. S. Shetye, Permanent Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore retired from the Govt. service with effect from the afternoon of 30th June 1980.

The 5th July 1980

No. F.48-Ad(AT)/80.—Shri S. V. Narayanan, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Chandigarh Bench, Chandigarh on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-3-1980 to 31-5-1980 *vide* this office Notification No. F.48-Ad(AT)/80, dt 21st April 1980, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Chandigarh Bench, Chandigarh for a further period of six months from 1-6-1980 to 30-11-1980 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

2. The above appointment is *ad-hoc* and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad-hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

B. B. PALEKAR,
President

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SRI/11-79/5907.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XI/2760/1717, situated at Katra Mehar Parmar, Kucha Chelan Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Manohar Lal s/o Asa Nand XI/2760, Kucha Chelan, Delhi. (Transferor)
 (2) Smt. Kishwai Jehan Begum w/o Mohd. Rais, r/o 595, Gali Jotwali, Churiwala, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double Storeyed house No. XI/2760/1717, situated at Katra Mehar Parmar Kucha Chelan Delhi.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—176GI/80

Date 5-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

**H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SRII/11-79/2906.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. V-1/2, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Shri Tara Dutt Sood s/o Ganga Bishan Sood, V-1/2, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Tilak Raj Budhiraja S/o Tara Chand Budhiraja R/o V-1/2, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House built on freehold plot of land bearing plot No. 2 in block V-1, measuring 217.1/2 sq. yds. situated in the residential colony known as Rajouri Garden area of village Tatarpur, Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Road
South : Road
East : House on plot No. V-1/1
West : Plot No. V-1/3.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 5-7-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Sita Ram Jain s/o Dewat Ram Jain,
Qr. No. A-211, Swatantra Bharat Mills,
Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chand Chanana s/o
Bansi Ram,
r/o D-86, Ajay Enclave, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SRII/11-79/2965.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, situated at Ganga Ram Vatika, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storey house built on a freehold plot of land bearing plot No. 28, situated at Ganga Ram Vatika, measuring 200 sq. yds., Delhi.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 5-7-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/11-79/5967.—Whereas I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8, situated at Harphool Singh Building, Clock Tower, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Chander s/o Late Sh. Faqir Chand, r/o 4506, Mohalla Jatan, Pahari Dhira, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Geeta Gupta d/o Vishwa Nath Gupta, r/o 5134, Harphool Singh Building, Clock Tower, Subzi Mandi, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Private flat No. 8, Municipal No. Part No. 5134, to 5137, situated at Harphool Singh Building, Clock Tower, Subzi Mandi, Delhi-7.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mohini Devi wo Udhoo Dass,
r/o 2531, Onkar Nagar A, Trinagar, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Som Dutt Saini, Hari Shankar Saini
sons of Siya Ram Saini, r/o
C-4/1, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/11-79/5979.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2531, plot No. 102,
situated at Onkar Nagar, Trinagar, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 2531, plot No. 102, Onkar Nagar, Trinagar, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002**

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/11-79/5988.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2753, situated at Cheera Khana, Nai Sarak Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Delhi on 20-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Bhagwati Charan S/o Munshi Lal as Manager and Karta of HUF,
- (2) Shri Charan
- (3) Shri Gopal Charan S/o Shri Bhagwati Charan, D-78, Amar Colony, Lajpat Nagar, Delhi.
- (2) Shri Jaiprakash S/o Satnarayan, R/o 2752, Cheerakhana Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of first floor and ground floor of property No. 2753, Cheerakhana, Nai Sarak Delhi bounded as under :—

East : House Bagichi Attarchand.
West : H. No. 2748 of Shri Ram Chander and H. No. 2750 of Satnarain and Gali.
North : H. No. 2754 of Dharam Chand & H. No. 2755 of Shiv Shankar and Gali.
South : H. No. 2730 of Shri Ulphat Rai and other persons.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 5-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/11-79/5989.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2753, situated at Cheerakhana Roshanpura Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Shayam Bihari Lal S/o Munshi Lal and Shri Ramesh Bihari Lal S/o Shayam Bihari Lal, (Transferor)
R/o D-78, Amar Colony Lajpat Nagar New Delhi.
- (2) Shri Nand Kishore S/o Shri Satya Narain, R/o 2752, Cheera Khana, Delhi.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of first and ground floor of property No. 2753, Cheera Khana, Roshanpura, Nai Sarak, Delhi bounded as under :—

East : House Bagichali Attarchand.
West : H. No. 2748 of Ram Chander & H. No. 2750 of Shri Satya Narain and Gali.
North : H. N. 2754 of Shri Dharm Chand and H. No. 2755 of Shiv Shankar and Gali.
South : H. No. 2730, of Shri Ulphat Rai and house of other persons.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 5-7-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th July 1980

Ref. No. IACIAcq.II/SRI/11-79/5990.—Whereas, I,
MRS. S. K. AULAKH,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2753, situated at Cheerakhana Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer
at Delhi on 20-11-79
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Hari Charan S/o Shri Kali Charan self and as
Karta of HUF,
R/o Lakshmi Kunj, Halviya Marg, Ashok Kumar
Jaipur Hall, D-78, Amar Colony Lajpat Nagar
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Prakash and Nand Kishore S/o Satya
Narain,
R/o 2752, Cheera Khana, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of ground floor and first floor of
two storeyed property No. 2753, Cheerakhana, Koshanpura
Mlaqa No. 5, Delhi-6, bounded as under :—

East : House Bagichi Attarchand.

West : H. No. 2748 of Sh. Ram Chander and No. 2750
of Sh. Satya Narain & Gali.

North : H. No. 2754 of Dharam Chand and H. No.
2755 of Sh. Shiv Shankar and Gali.

South : H. No. 2730 of Sh. Ulphat Rai and House of
other persons.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 5-7-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Satinder Khanna S/o Shri Ram Saran Dass of
66A/6, Rohtak Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Arun Khanna S/o Shri Parma Nand of
66A/6, Rohtak Road, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SRI/11-79/5910.—Whereas, I,
MRS. S. K. AULAKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 66-A/6, Rohtak Road, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
at Delhi on November 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th undivided share of the whole house area of plot 536.67
sq. yds, bearing No. 66-A/6, Rohtak Road, New Delhi.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 5-7-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

19—176GI '80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SRI/11-79/5911.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66-A/6, situated at Rohtak Road, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vishwa Nath S/o Shri Ram Saran Dass, 66A/6, Rohtak Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ajay Khanna (Minor) S/o Late Jagdish Chand (through his natural guardian and mother Smt. Bimla Khanna, 66A/6, Rohtak Road, New Delhi.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of the land and building, building on plot of land measuring 536.67 sq. yds. bearing plot of land No. 66-A/6, Rohtak Road, New Delhi, bounded as under :—

East : By Service Lane.
West : By Road.
North : By plot No. 7 and the house built thereon.
South : By plot No. 5 and the house built thereon.

MRS. S. K. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 5-7-1980

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Hans Raj, 108/12, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)(2) Shri Mohinder Singh,
E-133, D.D.A. Colony Naraina, New Delhi.
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SRII/11-79/2923.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. E-133, situated at D. D. A. Colony Naraina New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 133, in Block E, D.D.A. Colony Naraina, New Delhi, measuring 300 sq. yds.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Ram Kali Devi W/o Shri Kanchan Lal,
9458, Bagh Raoji Basti Lal Singh Kishan Ganj
Delhi.
(Transferor)
- (2) Dr. Anup Suri W/o Dr. Vijay Kumar Suri,
D/E-86, Tagore Garden New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002
New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/11-79/2916.—Whereas, I,

MRS. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E/126-D, situated at Najafgarh Road Residential Scheme Tagore Garden, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed here to has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. E-126, Block D, measuring 200 sq. yds. at Najafgarh Road, residential Scheme now known as Tagore Garden New Delhi.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 5-7-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Gurbachan Singh, F-145, Rajouri Garden New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kulwant Rai S/o Shri Khazan Chand 74-D, Anand Nagar Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
 H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
 I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SRI/11-79/5925.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-H situated at Bali Nagar Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on shop plot No. 12, Block H measuring 150 sq. yds. situated in the colony known as Bali Nagar area of village Bassai Darapur Delhi State, Delhi bounded as under:—

North : Plot No. H-13.
 South : Plot No. H-11.
 East : Road 15 feet wide.
 West : Road 15 feet wide and park.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-7-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTIFICATION UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/11-79/2941.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 61/20, Punjabi Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Hari Mohan Dewan S/o Shri Parmeshwar Dass Dewan, R/o 23/68, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Veena Dewan W/o Hari Mohan Dewan, R/o 23/68, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 20 on Road No. 61, Class C, situated in Punjabi Bagh Colony Delhi measuring 552.78 sq. yds.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-7-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Som Butt and Hari Shankar S/o Shri Siya Ram both R/o H. No. 8412 Arya Nagar Paharganj New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Om Parkash S/o Shri Rulja Ram, R/o C-5/14, Rana Pratap Bagh Subzi Mandi, Delhi.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
 H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
 I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/11-79/5920.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-4/1 situated at Rana Partap Bagh G.T. Road Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building built on plot No. C-4/1, measuring 302.6 sq. yds. situated in the colony known as Rana Pratap Bagh Delhi, area of village Sadhora Kalan Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Road.
 South : Property No. C-3/1.
 East : Road.
 West : Property No. C-4/2.

MRS. S. K. AULAKH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range-II
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/11-79/5935.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-E, situated at Rajouri Garden New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh Chandra S/o Late Shri Bharatendu R/o 2-West Patel Nagar New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Drish Bir Singh Paul S/o Lt. Col. J. S. Paul Retd. and Smt. Harsharan Kaur W/o Lt. Col. J. S. Paul (Retd.) R/o F-22, Mansarovar Garden New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing plot No. 9 Block No. E, with Superstructure built thereon measuring 1104.9 sq. yds. situated in the residential colony known as Rajouri Garden New Delhi, area of village Basai Darapur on Delhi Najafgarh Road Delhi bounded as under :—

East : Plot No. E-10.
West Plot No. E-8.
North : Lawn.
South : Road.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 5-7-1980

Seal :

FORM TTNS—

- (1) Smt. Swadeshi Kohli W/o Shri R. L. Kohli,
R/o D/42, Kirti Nagar New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kanwal Kishore Chawla S/o Shri Lachhman
Dass and Smt. Ved Kumari Chawla W/o Shri Jugal
Kishore Chawla,
R/o G-60, Mansarovar Garden New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/11-79/5936.—Whereas, I,
MRS. S. K. AULAKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 21-A, situated at Kirti Nagar, Village Bassai Darapur Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of
at Delhi on November 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—
20—176GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 21 Block A, shop measuring 175 sq. yds. at Kirti Nagar area of village Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 5-7-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri D. S. Anand, attorney of Shri Kanshi Ram,
26/3, East Patel Nagar New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shr Jagjit Singh, 26/3, East Patel Nagar New
Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/11-79/5992.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26/3, situated at East Patel Nagar New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. 26/3, built on plot measuring 200 sq. yds. situated at East Patel Nagar New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Date : 5-7-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Ram Gopal Kalsi and Sohan Lal Kalsi,
1283, Pahari Imli Jama Masjid Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Shamsuddin Ansari,
1510, Pahari Rajan, Chirli Qabar Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/11-79/5954.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1283, situated at Pahari Imli Jama Masjid Delhi-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Whole constructed premises of H. No. 1283, Pahari Imli, Jama Masjid Delhi measuring 418 sq. yds.

MRS. S. K AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kirpal Singh Sando S/o Shri Jawala Singh
Sando R/o Civil Lines, Raipur, M.P.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Swarna Rani, Smt. Santosh Kumari and Smt. Anita Vohra all residents of B-18, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-I/11-79/5972.—Whereas, I,
MRS. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-18 situated at Kirti Nagar, New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on 27-11-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House built on plot No. B-18 measuring 500 sq. yds. situated in the colony known as Kirti Nagar area of village Bassai Darapur Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Service Lane 15 feet.
South : Road 30 feet.
East : Plot No. B-19.
West : Plot No. B-17.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-7-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Pushpa Rani Bhambri W/o R. N. Bhambri,
R/o 8-Tolstoy Marg, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Hira Nand Malik, Ram Dass Malik, and Smt.
Shakuntla Malik, 27/40, Punjabi Bagh New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, 5th July 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SRI-I/11-79-2966.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55 situated at West Avenue Road, Punjabi Bagh New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 55, at West Avenue Road Punjabi Bagh area of village Madipur Delhi State Delhi measuring 666.66 sq. yds.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 5-7-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE.
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 9th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-U/SR-III/11-79/6Q9.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 6 (G.F.) situated at Cinema Complex, Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. DLF United Ltd.,
21-22, Narindra Place, Parliament Street,
New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Shri J. K. Kapoor S/o Sham Dass Kapoor
Sh. Ranjan Kapoor S/o J. K. Kapoor and
Smt. Kamla Kapoor W/o Sh. J. K. Kapoor,
2821, Kashmeri Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 on ground floor in Cinema Complex Greater Kailash II, New Delhi. Area 211.3 sq. ft.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 9-7-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DFLHI-110002

New Delhi, the 9th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/619.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-13, situated at Kalkaji New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ram Pyari Wd/o Tej Pal Singh
R/o 50, Kalkaji Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Phoolan Devi, Om Prakash Sharma, Raj Kumar Sharma, Surinder Kumar Sharma, Ram Newas Sharma, Master Virender Kumar (Minor) under the guardianship of his father Har Sarup Sharma of E-13, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. E-13, measuring 200 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 9th July 1980

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/11-79/675.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/17, situated at Kalkaji New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramkish Pal Kochhar S/o Wallaitji Ram Kochhar R/o X-313, Sarojini Nagar, New Delhi through general attorney R. P. Wadhwa S/o Budh Ram Wadhwa R/o 4/12, Kalkaji New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ram Prakash Takkar S/o Ram Chand Takkar R/o 4/17, Kalkaji New Delhi through general attorney Hans Raj Bajaj S/o Kala Ram R/o 12/3, Kalkaji Extn, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4/17, Area 200 sq. yds, Kalkaji New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 9-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTIEC UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DFT.HI-110002

New Delhi, the 9th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/706.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of 17 bigha 19 biswas situated at village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Prithvi Lal Bhasin S/o Manak Chand R/o 54/2, East Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rajinder Krishan Khanna S/o Late Radha Krishan Khanna R/o Krishanpura Panipat, (Haryana) & Vineet Khanna S/o Rajinder Krishan Khanna R/o Krishanpura, Panipat under guardianship Rajinder Krishan Khanna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in agricultural land area 17 bigha 19 biswas M. No. 17 killa No. 17(2-14), 25(5-1), M. No. 18 killa No. 11(0-12), 20/2 (O-12), M. No. 26 killa No. 4(3-9), 5/1(3-2), 6/2/1(0-17), 7/1 min (1-12), village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 9th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/107.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of 17 bigha 19 biswas situated at village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pokh Raj S/o Manak Chand, 52/2, East Punjabi Bagh, through general attorney Prithvi Lal Bhasin S/o Manak Chand R/o 54/2, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vineet Khanna (Minor) S/o Rajinder Krishan Khanna R/o Krishanpura Panipat under guardianship of his father Rajinder Krishan Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of agricultural land area 17 bigha 19 biswas M. No. 17 Killa No. 16(2-14), 25(5-1) M. No. 18 killa No. 11 (0-12) 20/2(0-12) M. No. 26 killa No. 4(3-9), 5/1(3-2) 6/2/1(-0-17) 7/1(-1-12) village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 9-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
II-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 9th July 1980

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-III/11-79/708.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share of 17 bigha 19 biswas situated at village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Suresh Kumar S/o Darghai Dass
R/o F-165, Greater Kailash, New Delhi through
attorney Ashok Kumar S/o Darghai Dass,
R/o E-165, Greater Kailash II, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Vineet Khanna (Minor) S/o Rajinder Krishan
Khanna R/o Krishanpura Panipat under guardianship
of his father Rajinder Krishan Khanna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of agricultural land area 17 bigha 19 biswas M. No. 17 Killa No. 16(2-14), 25(5-1) M. No.-18 killa No. 11 (0-12) 20/2 (0-12) M. No. 26 killa No. 4(3-9), 5/1(3-2) 6/2/1(-0-17), 7/1m in(1-12) village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/709.—Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of 17 bigha 19 biswas situated at village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Ashok Kumar S/o Darghai Dass R/o E-165, Greater Kailash II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Vineet Khanna (Minor) S/o Rajinder Krishan Khanna R/o Krishanpura Panipat (Haryana) under guardianship of his father Rajinder Krishan Khanna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of agricultural land area 17 bigha 19 biswas M. No. 17 Killa No. 16(2-14), 25(5-1) M. No. 18 Killa No. 11 (0-12) 20/2(0-12) M. No. Killa No. 4(3-9), 5/1(3-2) 6/2/1(-0-17) 7/min (1-12) village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Neki Ram, Likhi S/o Raghbir,
Teka s/o Ram Chand, Dulli and Bailey sons of
Lal Singh residents of village Dera Mandi Tehsil
Mehrauli, New Delhi.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th July 1980

(2) Shri Gyan Prakash Alluwalia S/o Bir Singh
Alluwalia R/o Triveni Garden, Gadaipur, New
Delhi through Shri Amir Chand Kapoor.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-III/11-79/678.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 13 bighas 6 biswas, situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 13 bighas 6 biswas, Khasra No. 64/19 (3-14), 20(4-16), 21(4-16) situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th July 1980

Rcf. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/679.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agrl. land 11 bigha 03 biswas situated at village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on November 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Neki Ram, Likhi S/o Raghbir, Teka s/o Ram Chand, Dulli and Balley sons of Lal Singh residents of village Dera Mandi Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gyan Prakash Alluwalia S/o Bir Singh Alluwalia R/o Triveni Garden, Gadaipur, New Delhi through Shri Amir Chand Kapoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land M. No. 65 Killa No. 22(4-16), 23/2(1-17), M. No. 65 Killa No. 16(4-10) total 11 bigha 03 biswas situated in village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Neki Ram, Likhi S/o Ragbir,
Teka &/o Ram Chand, Dulli and Balley sons of
Lal Singh residents of village Dera Mandi Tehsil
Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gyan Prakash Alluwalia S/o Bir Singh
Alluwalia R/o Triveni Garden, Gadaipur, New
Delhi through Shri Amir Chand Kapoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/680.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Agrl. land mg. 7 bigha 18 biswas situated at village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully describe in the schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at
New Delhi on November 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area M. No. 65, Killa No. 25/1(3-15), M.
No. 82 Killa No. 1(4-3) total 7 bigha 18 biswas, situated in
village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 9-7-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nand Lal Midha S/o Shiv Dial Midha
R/o II-J/17, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Iqbal Devi Wd/o Chuni Lal Khurana,
R/o 57/8, Old Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/640.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. II-J/17, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. II-J/17, Lajpat Nagar, New Delhi-24 measuring 200 sq. yds.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Banarsi Lal Anand S/o Mayya Dass,
B-II/28, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Harbajhan Singh S/o Gurdit Singh,
C-II/89, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/626.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-II/28, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B-II/28, Lajpat Nagar New Delhi measuring 200 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 9-7-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—176GI/80

FORM ITNS

(1) Smt. Subag Rani Satija,
C-37, Minto Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Uma Kumari, 36, Hanuman Road,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th July 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-J/SR-III/11-79/656.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 Block 90 situated at Baird Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property situated on plot No. 8, Block 90 measuring 2269 sq. ft. Baird Road, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 9-7-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Kumari Mahendra Kanver W/o
Shri N. K. Dharamendra Singh,
C-398, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Col. V. S. Kapoor S/o Nanak Chand Kapoor and
Mrs. C. B. Kapoor W/o Col. V. S. Kapoor of
K-18, Jangpura Extension, New Delhi

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/689.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-18, Jangpura Extn. situated at New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. K-18, measuring 200 sq. yds. Jangpura Extn. New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-79/2959.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land mg. 22 bigha 8 biswas situated at Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ashok Kumar Jain S/o Mahabir Pershad Jain R/o 17, Bela Road, Civil Lines, Delhi & Puran Chand Vats son of Sh. Mehta Ram R/o 1575-B/4, Ludhiana at present 84-Lucknow Road, Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Vijay Kumar Khanna HUF, through Sh. Vijay Kumar Khanna S/o Wazir Chand Khanna R/o 2-C/5, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 22 bigha 8 biswas bearing Rect. No. 26 Killa No. 5(4-16), Killa No. 6(4-16) Killa No. 15 (4-16), Rect. No. 27 Killa No. 11(4-00), Killa No. 10(4-16) situated at Holambi Kalan, Tehsil & District Delhi, including the rights of Shamlat Dch.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 18-7-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-79/2960.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land mg. 23 bigha 6 biswas situated at Village Holambi Kalan Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar Jain S/o Mahabir Pershad Jain
R/o 17, Bela Road, Civil Lines, Delhi &
Puran Chand Vats son of Sh. Mela Ram
R/o 1575-B/4, Ludhiana, at present
84, Lucknow Road, Delhi.
(Transferors)
- (2) Shri Kewal Krishan HUF through
Sh. Kewal Krishan Khanna S/o Sh. Wazir Chand
R/o 2-C/5, Rohtak Road, Delhi.
(Transferees)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 bigha 6 biswas bearing Rect. No. 10 Killa No. 2(0-15), Killa No. 9(3-08), Killa No. 12(4-16), 13/2(1-05), 18(3-10), 19(4-16), 22(4-16) situated at Holambi Kalan, Delhi including the rights of Shamlat Deh.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 18-7-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-79/2961.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land mg. 23 bigha 4 biswas situated at village Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ashok Kumar Jain S/o Mahabir Pershad R/o 17, Bela Road, Civil Lines, Delhi & Puran Chand Vats son of Sh. Mela Ram R/o 1575-B/4, Ludhiana at present 84-Lucknow Road, Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Wazir Chand HUF through
Sh. Wazir Chand S/o Radha Krishan Khanna
R/o 2-C/5, Rohtak Road, Delhi, Karta of HUF.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 bighas 4 biswas bearing Rect. No. 27 Killa No. 2(4-16), 9(4-16), 12(4-00), 8(4-16) and 1(4-16) situated at Village Holambi Kalan Tehsil & District Delhi, including the rights of Shamlat Deh.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 18-7-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ashok Kumar Jain S/o Mahabir Pershad
R/o 17 Bela Road, Civil Lines, Delhi &
Puran Chand Vats son of Sh. Mela Ram
R/o 1575-B/4, Ludhiana at present
84-Lucknow Road, Delhi.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-79/2962.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land mtr. 21 bighas 15 biswas situated at village Holambi Kalan Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 21 bighas 15 biswas bearing Rect No. 10 Killa No. 23(-513), Killa No. 24(-2-06) Rect No. 27 Killa No. 4(3-3) Kili No. 3(4-16) Kili No. 7(5-17) situated at village Holambi Kalan, Tehsil & District Delhi including the rights of Shamlat Deh.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1980

Ref. No. 1263-A/Shikandrabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandrabad on 2-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Prakash Gupta S/o Shri Gobardhan Dass R/o Mohalla : Keshari Wara, Post : Khas, Parg & Teh. Sikandrabad, Distt. Bulandshahar.
(Transferor)

(2) Shri Sukh Dev Singh S/o Shayam Singh R. Vill. Shekhpur Godpur, Post Sikandeabad, Distt. Bulandshahar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop bearing No. 539 measuring 160 sq. yds. situated at Mohalla Keshar Ganj, Sikandrabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-6-80
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Shkila Begum W/o Hasan Mahendri
S/o S. Jahir Abbas R/o Kasba Janath, Post Khas,
Parg. Jansath, Distt. Muzaffarnagar.
(Transferor)
- (2) Smt. Sheshi Bala W/o Shri Jagdish Prasad Varma,
Sudhir Varma (Nabalig) S/o Shri Jagdish Pd.
Varma Guardian : Smt. Shashi Bala (Mother)
R/o Brimpur, Post : Gurkul Narsal
Distt. Saharanpur, Mukesh Kumar and
Rakesh Kumar (Nabalig) S/o Shri Shyambir Singh
R/o Daurala, Post : Gurkul Narsal,
Distt. Saharanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd May 1980

Ref. No. 1370-A/Jansath/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jansath on 19-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

An Agricultural Land No. 61 (measuring 2011) 1-10 Situated at Vill. Mahalki Parg. Jansath, Distt. Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 268D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—176GI/80

Date : 22-5-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**
Kanpur, the 10th March 1980

Ref. No. 1336-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ghaziabad on 17-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Pyare Lal Naiyer S/o Shri Bindraban Naiyer, Smt. Bela Devi Naiyer Wife of Shri Pyare Lal Naiyer R/o Flat No. 25, Central Market Canuaght Circus, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri B. G. Varshre S/o Late Shri B. Shyam Lal Varshre, Smt. Rajni Varshre W/o Shri B. G. Varshre R/o E-205, East of Kailash, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. C-37 Sector No. 7 T.H.A. measuring 844.49 Sq. yds. situated at Surya Nagar, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-3-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 7th March 1980

Ref. No. 866/Acq/Agra/79-80.—Whereas I.
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEFDULE situated at AS PER SCEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Agra on 26-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Kali Charan Jain S/o Shri Madan Gopal Jain, Sulekha Chandra Jain, Harish Chandra Jain, Jagdish Chandra and Ramesh Jain S/o Shri Ram Swaroop Jain and Sunil Chandra Jain S/o Late Shri Lal Chandra Jain R/o 3310, Delhi Gage, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Savitri Devi W/o Shri Taru Chandra Agarwal R/o Chitikhana, Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 4/84 with open land situated at Gali Motia, Kachehari Road, Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 7-3-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Vahid Said S/o Shri Nasaru
R/o Salarpur Khadar, Post : Barela, Teh. Dadri,
Distt. Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) Shri Dharm Pratisthanam, Registered No. S. 10123,
E-9, Defence Colony, New Delhi through
Saint Seragil.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 1339-A/Dadri/79-80.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section
269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-
after referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908 in the office of the Registering Officer at
Dadri on 23-11-79
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 3-5-0 acres situated at
Vill. Salarpur Khadar, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-4-80
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri N. S. Pandey S/o Shri Ganesh Pandey
R/o Ardmere Naini Tall Present Address :
W-118 Greater Kailash, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Ram Chameli Chadda W/o Shri K. L. Chadda
R/o G.T. Road, Mohan Nagar, Ghaziabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th March 1980

Ref. No. 1252-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Ghaziabad on 15-11-79
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Open Plot bearing No. K.A. 2, measuring 1800 Sq. yds.
situated at Kavinagar, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-3-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 1338-A/Dadri/79-80.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dadri on 23-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Aas Mohammed S/o Shri Jugha
R/o Salarpur Khadar Post : Barol, Teh. Dadri,
Distt. Ghaziabad.
(Transferor)

(2) Shri Age of Enlightenment Trust E-9, Defence Colony,
New Delhi through Sant Shergil.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 4-3-10 Acres situated at Salarpur, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-4-80

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Sushila Kumari W/o Shri Trilok Chandra
R/o Pathanpura, Ram Nagar, Saharanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Shyama Charan Chaudhari S/o Shri Krishna
Chandra R/o Canada through Shri S. D. Sharma,
Advocate, Chandra Nagar, Distt. Saharanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st May 1980

Ref. No. 1260-A/Saharanpur/79-80.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Saharanpur on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Open Plot bearing No. 6, measuring 742 Sq. yds., situated
at Rajendra Nagar Colony, Distt. Saharanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 21-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th March 1980

Ref. No. 1297-A/Saharanpur/79-80.—Whereas I, B.C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 17-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri Tika Harbhajan Singh Vedi S/o Baba Narendra Singh Vedi R/o Saharanpur Bedi Gali Ramnagar, Pathanpura Hall R/o 651, Sector No. 20A, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Dulari Wife of Shri Shivcharan Dutta Sharma and Kamal Prakash Sharma S/o Shri Shivcharan Dutta Sharma R/o Mauja; Shekhpura Kadeem, Post : Khas, Parg : & Distt. Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property measuring 258-1 Sq.yds. situated at Bedi Gali Ram Nagar Pathanpura, Saharanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-3-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 22nd May 1980

Ref. No. 1318-A/ Bulandshahar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVERI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 30-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Jachho Widow of Shri Munshi R/o Mauja : Kota, Parg : Agauta, Post : Khas, Distt : Bulandshahar.

(Transferor)

(2) S/Shri Kunwar Pal S/o Ramsingh R/o Mauja : Matha, Parg : Agauta, Post : Khas, Distt : Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated at Mauja : Kota, Parg : Agauta, Distt : Bulandshahar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24-176GI/80

Date : 22-5-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shakila Begum W/o Shri Jahir Abbas R/o Kasba : Jansath, Post : Khas, Parg : & Teh : Jansath Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Bala W/o Jagdish Prasad Varma, Sudhir Varma (Nabalig) R/o Bramhpur, Post : Gukul Nasal, Distt : Saharanpur, Mukesh Kumar, Rakesh Kumar S/o Shyam Bir Singh R/o Daurala, Distt : Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 22nd May 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 1369-A/Jansath/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEQUE situated at AS PER SCHEQUE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jansath on 19-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEQUE

An Agricultural Land measuring (14III) O-2 of 1/2 situated at Village: Mahelki, Parg : Jansath, Teh : Jansath, Distt : Muzaffarnagar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,,
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd May 1980

Ref. No. 1264-A/Sikandrabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sikandrabad on 7-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mahesh Chandra S/o Trilok Chandra Gupta R/o Vill : Khwajapur, Parg : Jewar, Teh : Khurja, Distt : Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Kanti Devi D/o Kunwar Brajraj Singh and Raghubaj Singh S/o Kunwar Balram Singh R/o Shashi Bhawan Geol Nagar, Muradabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. from 881 to 884, 858 and 886, measuring 14 Bigha, 2 Biswa situated at Vill : Kasna, Teh : Sikandrabad, Distt : Bulandshahar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,,
Kanpur

Date : 22-5-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st May 1980

Ref. No. 1389-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C.
CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 30-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Kishan Chandra Agarwal S/o Shri Mohar Chandra Agarwal R/o 318/18, Koocha Tikar Chandra Wan Wali Gali, Chowk, Lucknow.
(Transferor)

(2) Smt. Vimla Devi Agarwal W/o Late Shri Gauri Shankar Agarwal R/o 33/211, Maniram Baghia Gaya Prasad Lane, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 2/244, situated at Kallector Ganj, Kasba : Vithoor, Distt : Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-5-80
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

Ref. No. 1268-A/Dadri/79-80.—Whereas I, B. C.
CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 7-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. K. Soori S/o Shri Amolak Ram Soori R/o B-47, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Dass Ambwani, Shyam Sunder Ambwani and Deepak Ambwani S/o Shri B. M. Ambwani R/o 12/25, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Open Plot bearing No. C-24 measuring 800 Sq. yds. situated at Surya Nagar, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-5-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Sheikh Masood Muzaffar S/o Sheikh Mahmud Muzaffar, R/o 40/110, Parade, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Baqir S/o Abdul Khaliq R/o 92/243, Heera Man Ka Purwa, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd May 1980

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 842/Acq/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Scheduled situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 2-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(One House Property bearing No. 15/231, situated at Doodh Wala Bangalow, Civil Lines, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-5-80.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Subodh Kumar Saxena S/o Late Shri M. L. Saxena R/o. Mission Compound, Saharanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Dev Raj Chopra S/o Shri Desh Raj Chopra R/o 17-3/114, Patel Nagar, Saharanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd July 1980

Rf. No. 1261-A/Saharanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the **Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 12-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storeyed pucca House bearing No. 2/1368/1 covered area 135 Sq. Yds. uncovered area 185 Sq. Yds. total area 320 Sq. Yds., situated at Mission Compound, Saharanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd July 1980

Ref. No. 1524-A/PN/M. Nagar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 24-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Narain S/o Ram Dittamal and Smt. Kamlesh W/o Shri Chaman Lal and Shri Chaman Lal R/o 10/4, Gandhi Colony, Muzaffarnagar.
(Transferor)
- (2) Shri Telu Ram R/o 44-45, Nai Mandi, Muzaffarnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Shop bearing No. 15-A/2, situated at Nai Mandi Muzaffarnagar which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-80.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th June 1980

Ref. No. 1315-A/PN/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 22-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri M. N. Tankha and K. Tankha S/o Late Shri Triloki Narain Tankha R/o 31/35, Anand Chowk, Dehradun.
(Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar Jain S/o Shri Hans Kumar Jain R/o 2, Dandipur Mohalla, Distt : Dehradun.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice of service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Open (Plot) Land bearing No. 35 measuring 381-951 Sq. Mts., situated at Anand Chowk, Dehradun which was sold for Rs. 54,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 19-6-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—176GI/80

FORM ITNS

- (1) Shri M/S. Sunil Engineering Works, D-4, Industrial Estate, Dehradun.
(Transferor)
- (2) Lieutenant Colonel Jagdish Chandra Chung S/o Late Shri Kotu Ram Chung R/o 9/15, East Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th June 1980

Ref. No. 1314-A/PN/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 8-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Single Storeyed House bearing No. 194/5, situated at Rajpur Road, Dehradun, which was sold for Rs. 68,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-6-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 1st May 1980

Ref. No. 1662-A. Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As Per Schedule
situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dadri on 14-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Munshi Singh s/o
Shri Ram Singh,
r/o Village Jeevana,
Teh. Sardhana, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Chowdhari s/o
Late Shri Radhika Mohan Chowdhari,
r/o J-9, Krishna Nagar,
Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. C-5 measuring 555.55 Sq. yds., situated in Ramaprashta Colony, Delhi U.P. Border, Ghaziabad which was sold for Rs. 33,333/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 1st May 1980

Ref. No. 1469-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 17-12-1979

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Padam Singh Jain s/o
Shri Ratan Lal Jain, r/o
4-C/6, Rohtak Road, New Delhi, Hall 41,
G. B. Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Prakash Gupta s/o
Shri Parmeshwari Dass, and
Ashwani Prakash s/o
Shri Satya Prakash Gupta,
r/o 188, Model Town, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. K. H./12, measuring 1413.31 Sq. yds., situated at Kavi Nagar, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-5-1980
Seal :

FORM ITNS.

(1) Shri Abdul Sattar s/o Madar Bax, r/o
80/49, Boocharkhana Kalan,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Champa Devi w/o
Shri Hari Narain Jaiswal, r/o
31/75, Ghuman Bazar,
Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 19th June 1980

Ref. No. 1573-A/PN/Kanpur /79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule

situated at As Per Schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 28/131, measuring 283.5 Sq. yds., situated at Sirki Mehal, Kanpur which was sold for Rs. 85,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-6-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 19th June 1980

Ref. No. 1178-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule

situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 2-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri R. S. Sodhi s/o Shri K. S. Sodhi, r/o Rajinder Nagar, Dehradun, Smt. Surinder Sodhi w/o Shri R. S. Sodhi, r/o A-2/4, Model Town, Delhi-9. (Transferor)
- (2) Major S. K. Sehgal s/o Shri R. N. Sehgal, r/o 53/1, The Mall, Dehradun (Cantt.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Single Storeyed House bearing No. 46/3, situated at Rajinder Nagar, Dehradun, which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-6-1980

Seal :

FORM JTNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 19th June 1980

Ref. No. 1083-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule

situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 15-1-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vidyawanti Chhokra w/o Late Shri Bhagwant Lal Chhokra, 1/o Ram Niwas, Subhash Nagar, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Narain Prasad Maindola s/o Shri Krishna Dutt Maindola, r/o Vill. Holi Patti Kodiya, P.O. Jai Hari Khal, Teh. Lansdowns, Distt. Pauri Garhwal.

(Transfee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A Single Storeyed House, situated at Subhash Nagar, Dehradun, which was sold for Rs. 51,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-6-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTOR ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd July 1980

Ref. No. 2003-A/Muzaffarnagar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule
situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 18-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Kanta Devi w/o Shri Crandha Prakash Jain, r/o 205, Patel Nagar, Muzaffarnagar, Smt. Hari Kanta w/o Shri J. S. Jain, r/o Anurag Bhawan, Opposite Income-tax Office, Muzaffarnagar.
(Transferors)

(2) Shri Baij Nath & Vinod Kumar, c/o M/s Bishambhar Dayal Suraj Bhan, Commission Agents, New Mandi Muzaffarnagar, Shri Jagdish Rai, Shyam Sundar and Devendra Kumar ss/o Shri Suraj Bhan, c/o M/s Bishambhar Dayal Suraj Bhan, Commission Agents, New Mandi, Muzaffarnagar (25-B, New Mandi, Muzaffarnagar).
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 112-B (1/2 part of whole property), situated at New Mandi, Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 2nd July 1980

Ref. No. 2004-A/Muzaffarnagar/79-80.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at As Per Schedule Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 18-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kanta Devi w/o Shri Chandra Prakash Jain, r/o 205 Patel Nagar, New Mandi, Muzaffarnagar, Smt. Hari Kanta Devi w/o Shri J. S. Jain, r/o Anurag Bhawan, before Income-tax Office, Muzaffarnagar, and Smt. Shanta Jain w/o Shri Prem Chand Jain, r/o Dalmia Nagar, Bihar, and Smt. Kushum Gupta w/o Dr. Niranjan Dass, r/o Moti Lal Nehru Road, Allahabad.

(Transferors)

(2) Baij Nath and Vinod Kumar s/o Bishambhar Dayal r/o 25, New Mandi, Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 112-B, (1/2 part of whole Property), situated at New Mandi, Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

6—176GI/80

Date : 2-7-1980

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Kishore Trivedi s/o
Shri Gajadhar Trivedi, r/o
57/113, Sirki Mehal, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kailash Nath Agarwal s/o
Shri Sukhdev Prasad Agarwal, r/o
36/41-A, Ram Mohan-Ka-Ahata,
Gilish Baar, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 2nd July 1980

Ref. No. 1589-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule
situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 57/113, situated at Sirki Mehal, Kanpur which was sold for Rs. 81,500/-.

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kali Charan s/o Shri Gur Dayal Prasad
R/o Chawar Dwar,
Hathras (Aligarh),
present Residence : 1-B, Lajpat Rai Road,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi w/o
Shri Mahendra Kumar Jain, and
Vijay Kumar Jain, s/o
Shri Mahendra Kumar Jain,
R/o Gali Soopan Naya Ganj,
Hathras (Aligarh).

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th June 1980

Ref. No. 891/Acq/Hathras/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule
situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hathras on 12-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A House Property (Building) known as "Jagdish Building" (Municipal No. 735) Mursan Gate, Hathras, situated at the front of Chinta Haran Mahadev, Hathras (Aligarh).

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-6-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR.**

Kanpur, the 28th June 1980

Ref. No. 809/Acq/Agra/79-80.—Whereas I B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishna Nand Chaturvedi s/o Shri Laxmi Narain Chaturvedi, r/o 33/19, Adarsh Nagar, Agra, Present Residence : 5, Hiltaoon Line, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Angoori Devi w/o ShriRoshan Lal Jain, r/o Gudari Mansoor Khan, Agra and Shri Jai Chandra Jain s/o Baboo Lal Jain r/o Vale Ka-Bans Majra Mauja : Dhimshri, Teh, Fatehabad, Distt. Agra, Ram Prasad Jain, Jyoti Prasad Jain, Ss/o Shri Mangal Sen Jain, and Roshan Lal Jain s/o Shri Prem Raj Jain, r/o Gudri Mansoor Khan, Agra.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 33/19, situated at Adarsh Nagar, Rakab Ganj Ward, Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-6-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th June 1980

Ref. No. 814/Acq/Mathura/79-80.—Whereas J. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 12-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **and/or**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vimla Devi Agarwal d/o Shri Parashu Ramji w/o Shri Rameshwar Dassji, and Rameshwar Dassji s/o Shri Buddha Ram, r/o Kaithal, P.O. & Teh. Kaithal, Distt. Carnal (Haryana) Hall, r/o 1840, Daimpiyar Nagar, Mathura.

(Transferors)

(2) Shri Narain Swaroop Gautam s/o Badri Prasad Gautam, Sunder Swaroop Gausham, ss/o Shri Narain Swaroop Gautam, r/o Gali Ganga Singh Dhauli Pyau, Mathura.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property No. Water Rate 2110, present No. 1840, measuring 184 Sq. mtrs. situated at Daimpiyar Nagar, Mathura.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-6-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd July 1980

Ref. No. 1405-A/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value As Per Schedule

situated at As Per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 19-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Fahimuddin s/o Shri Dost Mohammad Khan, r/o Village Muddepur, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Shri Fakhrudin, Jameeluddin, Islamuddin, Mohammad Faruque, Rustam, Immaduddin, s/o Shri Kareemullah, r/o Mohalla Bageecha, Mohd. Hussain Shahpeer Gate, Meerut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Residential House/Ahata bearing No. 79, measuring 850 Sq. yds., situated at Mohalla : Kareem Nagar, Hapur Road, Meerut City.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Date : 2-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

- (1) The Catholic Diocese of Meerut through Shri R. P. Singh, Civil Judge-II, Dehradun.
(Transferor)
- (2) Smt. Lucy Prakash w/o
Shri Satya Prakash
r/o 1, Municipal Road, Dehradun,
Shri Bhagat Singh Vist s/o
Late Shri Kedar Singh,
r/o 97, Nari Shilp Mandir Marg, Dehradun.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd July 1980

Ref. No. 1350-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule

situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registering Officer

Dehradun on 26-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

One House Property known as "Ravi Guest House", situated at 1 Municipal Road, Dehradun, which was sold for Rs. 75,000/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1980
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 1st July 1980

Ref. No. 1402A/Acq/Meerut.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 26-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Jai Lal Gupta s/o Sri Bishamber Lal Gupta, Gandhinagar, Meerut.
(Transferor)
- (2) Shri Madan Mohan Dutta and Vijai Kumar Dutta ss/o Sri Ram Nath Dutta (Deceased) Saraswati Mandir, Meerut City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ahatia measuring 715 sq. yds, Suraj Kund, Meerut.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-7-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 27th June 1980

Ref. No. 907/Acq/Aligarh.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 7-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mangel Das s/o Sri Dharam Das,
r/o Kothi Sarupnagar, Kanpur
Mukhtar-a-am M/s Ginners and Pressures P. Ltd.,
Jamshedji Tata Road, Church Gate,
Bombay.

(Transferor)

(2) Shrimati Bhagwan Devi w/o
Ram Charan Lal,
r/o Gurya Bagh, Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1000 Sq. yds, situated in Gurya Bagh, Aligarh.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—176GI/80

Date : 27-6-1980,

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd July 1980

(1) Hakim Sohan Singh Sethi s/o
Sardar Kartar Singh Sethi,
r/o Nasimabad, 119/37 B, Kanpur
present address Thapar Nagar Gali No. 2,
Kothi No. 127, Meerut City.

(Transfetors)

(2) Shrimati Jogender Kaur w/o
Sardar Ravel Singh,
119/39, Or. No. 4 Chendel Bhawan Nasimabad,
Kanpur, 1119/37 B, Nasimabad, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

Ref. No. 1375-A/Acq/Kanpur.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule

situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19-11-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

House property No. 119/37 B, Nasimabad, Kanpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd July 1980

Ref. No. 1353A/Acq/Dehradun.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule
situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 29-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Satya Pal Sharma s/o Sri Amolak Ram Sharma, Asstt. Director of Census, Ministry of Home Affairs, Bharat Sarkar Port Villiar Andaman Nikobar His father and Mukhtar-a-am Shri Amolak Ram Sharma, s/o Pt Tara Chand r/o Pt. Tara Chand, r/o No. 25 Karanpur, Dehradun.

(Transferee)

(2) Shri Chandra Sheikhar s/o L. Munshi Ram, r/o No. 69 Old, Dalanwala, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Property No. 43, Area 82.5 Sq meter, Karanpur, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Neinu s/o Sagua V. Chhaprola Paragana & Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 30th June 1980

Ref. No. 1267A/Acq/Dadri.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 2-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri Deen Dayal Singh Saini, s/o Sri Buchcha Singh Saini, R/o 59 Lohia Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural Land 10 Bigha 12 Biswa V. Chhaprola, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons :—

Date : 30-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Devi wd/o Devi Dass,
Smt. Kusum Kumari w/o Sh. Mukta Pd. Gupta,
r/o Yanmukhni gali, Phullatti Bazar,
Agra.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 27th June 1980

Ref. No. 823/Acq./Agra.—Whereas, I, B. C.
CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As Per Schedule
situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agra on 1-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Chander Bhan Jain, s/o Shri Khoni Mal,
1/2 part,
Sri Bhagwan Jain 1/2 part,
s/o Chander Bhan Jain,
r/o 29/117 Namak Mandi,
Agra.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House building No. 14/245, 14/245/1, situated in Mukhni Gali Phullatti Bazar, Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-6-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishna Bchari Awasthi,
r/o 26 Raiganj, Jhansi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th June 1980

Ref. No. 841/Acq/Kanpur.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

TITLE SCHEDULE

House property No. 126/H/67, Govind Na

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-6-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Naresh Gupta s/o Prem Chand Gupta,
Bawari Mandi Saiyadbara Aligarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baboo Lal Sharma s/o Sh. Kalyan Das
V. Hardua Post Harduganj, Distt. Aligarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th June 1980

Ref. No. 885/Acq/Aligarh.—Whereas I, B. C. Chaturvedi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 17-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. 2/29 Vishnupuri, Aligarh.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-6-1980.
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 7th July 1980

Ref. No. 1995-A/Hardwar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 5-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Punjab Sindh Sind Chhetra Rishikesh (Regd.), Dehradun through Shri Ram Prakash Mehra S/o Shri Diwan Chandra R/o 6490, Fatchpuri, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Ram Rati Devi W/o Shri Om Prakash r/o Ved Prakash Wali Habeli Bhim Goda, Hardwar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land, measuring 1200 Sq. Fts. situated at Sarwan Nath Nagar, Hardwar which was sold for Rs. 42,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-7-1980,
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 5th July 1980

Ref. No. 1639-A/Acq/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 14-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Dinesh Kumar Garg S/o Shri Satish Chandra Garg and Ashok Kumar S/o Late Shri Satish Chandra Garg R/o Azad Road, Shohrab Gate, Meerut City.

(Transferor)

(2) S/Shri Mohd. Taheer, Mohd. Sabir, Mohd. Saheed, Mohd. Irshad, Mohd. Azaz (Minor), Mohd. Issar (Minor) S/o Mohd. Yaseen R/o 17-48-51 Mohd. Azad Road, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Ahata (House Property) bearing No. 48, 52, 17 measuring 436 Sq. Yds., situated at Mohalla : Azad Road, Meerut City which was sold for Rs. 44,600/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-7-1980,

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—176GI/80

FORM ITNS

(1) Shri Surya Prakash Misra S/o Sri Raghunandan Misra R/o 6/15 Shitala Gali City Agra,
(Transferor)*

(2) Smt. Prayag Devi Upadhyaya W/o Sri Son Lal Upadhyay R/o Mauja Bilhana Tel Firozabad Agra,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th July 1980

Ref. No. 854/(Acq)/Agra.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 28-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One Plot No. 69 area 620 Sq. yds. situated at old Vijay Nagar Colony, City Agra.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 10th July 1980

Ref. No. TR857/Acq/A929.—Whereas, I, B. C.

CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 30-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Ravish Kumar Goyal, Shri Shushil Kumar Goyal and Sri Girish Kumar Goyal S/o Late Sri Bhagwat Saran Goyal R/o 3/174 Roshan Mohalla Agra.

(Transferor)

(2) Lalit Kumar S/o Sri Arjun Dev R/o 59 Pachkuiyan Road New Delhi through the Attorney holder Shri V. K. Agrawal R/o 239A New Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 41A bearing Municipal No. 36/136A situated at New Agra measuring about 693.41 sq. Yds.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-7-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 10th July 1980

Ref. No. TR No. 846/Acq/Kasganj.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kasganj on 5-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Pratap S/o Janhari Lal R/o Mohalla Nathuram Wasganj Bilsaran Distt. Etah.
(Transferor)
- (2) Smt. Kusum Lata Devi W/o Sri Pannalal, Sri Pannalal Barsati S/o Lala Nathuram R/o Hosayan Prog & Teh. Sikandara Rao Distt. Aligarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Kothi measuring 60' × 30' situated at Laxmiganj Road Moh. Nathuram, Kasganj, Distt. Etah.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 14th July 1980

Ref. No. TR No. 898/Acq/Firozabad /79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 13-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kehari Singh s/o Pahelwan, Arjun Singh and Sonpal S/o Atar Singh, Varmajit and Netrapal S/o Amir Singh r/o Ali Nagar Kejara, Firozabad, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Devi w/o Bhan Kishore, Raman Devi w/o Mohan Kishore, Ram Katori w/o Radha Mohan, Rani Kishore s/o Radha Mohan and Sushil Kumar w/o Sri Bhagwan, Rajesh Kumar s/o Sri Bhagwan r/o Chhapeti Kalan, Firozabad, Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Agricultural Land Gata No. 36, measuring 7 Bigha and 18 Biswa, situated at Milk Khanjanpur, Teh : Firozabad, Distt. Agra.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 14-7-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 10th July 1980

Ref. No. TR 856/Acq/Agra.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Agra on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal Mehrotra S/o Chanan Das Mehrotra Now R/o Karman Tela City Agra Distt. Maupur Bihar
(Transferees)

(2) Smt. Naseembane W/o Sri Nisar Ahmed 32/78 Old Kutulpur Chippitola Agra and Smt. Shaheedanbane W/o Haji Mohd. Abid 26/I South Turki Ganj Shahar Indore (M.P.).
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property bearing No. 18/163A/48 situated at Bibhav Nagar Sector Tajganj Ward Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) The Development Trust Pvt. Ltd. 6 MC Road Through Director Sri Satish Chand Gupta and Suresh Chand Gupta.
(Transferor)
- (2) Smt. Shyama Devi W/o Late Sri Gyan Chand Jain 29 Chippitola Agra.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th July 1980

Ref. No. TR 855/Acq/Agra.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agra on 30-11-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house, No. 18/163A/12 Bibhav Nagar Agra,

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 14th July 1980

Ref. No. TR No. 931/Acq/KNP.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 2-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Anand Prakash Gupta S/o Sri Babu Ram Gupta 7/198 Babu Bihar Swaroop Nagar Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Kashi Nath Jallan S/o Lala Rattan Lal Jallan R/o 59/11 Shatranji Mohal Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot measuring about 302 Sy. Yds., bearing No. 90 C Scheme No. 7, situated at Gutaiya, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-7-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th July 1980

Ref. No. 1398-A/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Smt. Ganga Devi D/o Sri Laxman Singh, Sri Harpal Singh S/o Sri Ganga Singh r/o Ahata Smith Ganj, Kabari Bazar, Meerut.
(Transferors)
- (2) Shri Swatantrya Asthanak Vasi Jain Dori Muh Path Wali Sabha through Sri Sukhbir Singh, President, Management Karyakarini Sabha, Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One building including three Shops bearing Municipal No. 240, 244 Hall No. 129, situated at Smith Ganj Hall Maruf Patal Ganj, Meerut City.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—176GI/80

Date : 10-7-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vidyawanti W/o Shri Sohan Lal R/o 3/22,
Aryapura, Sabji Mandi, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar Bansal s/o Sri Sadhu Ram
R/o 595, Joshi Road, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th July 1980

Ref. No. 1337-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. A/186, measuring 297.29 Sq. Mtrs., situated at Surya Nagar, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Swaroop S/o Shri Navrang Gir R/o Vill. Chippiyana Bujarg, Parg. & Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th July 1980

Ref. No. 1342-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 20-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Shanti Devi W/o Sri Jagdish Narain R/o Mohalla Arya Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property measuring 100 Sq. Yds., which was sold for Rs. 26,000/- situated at Arya Nagar, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 8th July 1980

Ref. No. 1345-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Purshottam Chand Jai s/o Late Shri Doli Chand, Smt. Saraswati Devi w/o Late Sri Lala Nihal Chand and Vinod Kumar s/o Late Dr. Nihal Chand Baishya, Smt. Gita d/o Shri Purshottam Chand r/o Naya Ganj, Ghaziabad.

(Transferors)

(2) Shri Ram Kishore Bhargava, Raj Kumar, Jai Prakash and Narendra Kumar all sons of Pt. Sri Chand r/o Colony Laxmi Bihar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 252 and A Plot bearing No. 28 measuring 313 Sq. Yds. covered area 25 Sq. Yds., situated at Colony Laxmi Bihar, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 8-7-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Amarnath Kheria S/o Shri Kishri Lal Kheria R/o Nai Mandi Pucca Bagh, Hapur, Distt. Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) Shri Madhu Sudan Dayal S/o Shri Kailash Chandra r/o Radhapuri, Kasba : Hapur, Distt. Ghaziabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th July 1980

Ref. No. 1273-A/Hapur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHFDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 5-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed Shop, measuring 197 Sq. Yds. and 3 Sq. Pts., situated at Nai Mandi Pucca Bagh, Kasba : Hapur, Distt. Ghaziabad, which was sold for Rs. 95,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kappur.

Date : 7-7-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Narain Tondon s/o Sri Bhola Nath r/o New Colony, Etawah.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santosh Kumari Widow of Sri Bhupend Singh, Gyan Singh and Kaushalendra Singh s/o Sri Nand Lal Singh r/o Udi Parg : & Distt. Etawah.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th July 1980

Ref. No. TR No. 924-A/Etawah/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah on 30-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Residential House bearing No. 167/9 two storeyed situated at New Colony, Stalton Road, Etawah.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Har Govind s/o Lala Chhakki Lal r/o Purvia Tola, Chauhatta Road, Etawah City.
(Transferor)
- (2) Shri Ravi Shankar and Omkar Nath s/o Lala Parmeshwari Deen r/o Purvia Tola, Katra Kapoor Chandra, Etawah City.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th July 1980

Ref. No. 904/Acq/Aligarh/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Etawah on 30-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One House including eleven Shops situated at Puravia Tola, Etawah City, Road, Chauhatta.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-7-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 20th June 1980

Ref. No. 937 Acq. 23/19-7/80.—Whereas, I S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 4256 Wd. No. 2 situated at Kala Mehta Sheri, Sagrampura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 27-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jagdish Urse Avinash Kantilal Rangatier; Chevali Sheri, Begampura, Surat.
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar Ishvarlal Kapoor; Sri Inravandan Ishvarlal Kapoor; Main Road, Sagrampura, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 4256 Wd. No. 2, Kala Mehta's Sheri, Sagrampura, Surat duly registered at Surat on 27-11-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20th June, 1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 20th June 1980

Ref. No. P. R. No. 936 Acq. 23/19-7/80.—Whereas, I S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rev. S. No. 87-A-2 situated at Fulpada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 12-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Suryakant Chimanlal; 2. Chanchalben Chimanlal; 3. Minor Anil Suryakant; 4. Minor Piyush Suryakant; P.A. Holder of 3 & 4, Smt. Sushilaben Suryakant; Galemandi, Moti Sheri, Surat. (Transferor)

(2) Secretary : Shri Vinodchandra Chhotalal Gheewala Member : Shri Odhavji Girdharlal Mistry; Chairman : Shri Haribhai Arjunbhai Patel :— C/o Shakti Vijay Coop. Housing Society; Varachha Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Fulpada bearing S. No. 87-A-2, duly registered at Surat on 12-11-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—176GI/80

Date : 20th June, 1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Maganbhai Narottambhai Patel; Opp. Sachin House, Sagrampura, Surat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th June 1980

Ref. No. P. R. 938 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Umra Survey No. 16, situated at Village Umra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 28-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) J. Shri Harishbhai Paragi Patel; Hira Modini Sheri, Sagrampura C/o. Shivshanker Apartments Coop. Housing Society Ltd., Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at village Umra, bearing Survey No. 16, duly registered at Surat on 28-11-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-6-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th June 1980

Ref. No. P.R. No. 939 Acq. 23/II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1332, 33, 34 TPS. No. 2, Final Plot No. 20 Sub-Plot No. 21 paiki situated at Timaliawad, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajnikant Kanchanlal Marfatia; Shri Kusum-lata Kanchanlal Marfatia; H. No. 11/1319, Nana-vat, Kachrani Pole, Surat.
(Transferor)

(2) President : 1. Shri Bhupendra Chunilal Chudasma; Arpan Apartment Coop. Housing Society Ltd. C/o Mayur Furnitures; Timaliawad, Nanpura, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Survey No. 1332, 33, 34 TPS. No. 2, Final Plot No. 20, Sub-Plot No. 21, Surat duly registered at Surat on 29-11-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date : 27-6-1980.
Seal :

FORM ITN

(1) Shri Manilal Narandas Patel; Shri Ratilal Narandas Patel; Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th June 1980

Ref No. P. R. No. 1069 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 934 paiki Sub-plot No. 4, of TPS.3 situated at Paladi Ellisbridge, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Jigisha Apartments Association; through: Members; 1. H. F. Dalal; 2. H. M. Patel; 3. B. L. Patel; 4. N. M. Mistry; 5. J. S. Shah; 6. K. M. Thakkar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 467 sq. yds. bearing F.P. No. 934 of TP S. 3, Paladi, Ahmedabad situated at Paladi, Kocharab, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 11960 dated 3-11-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 26-6-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th June 1980

Ref. No. P. R. No. 1070 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M. No. 10/1/175, situated at outside Vaniawad, Stn. Road, Bhuj (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bhuj on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (1) Kanabi Dhanbai Wd/o Ramji Kanji Bhava;
Baladia, Kutch-Bhuj.
(Transferor)
- (2) 1. Ratabai Karasan Jeshani; 2. Kunverji Lakhman Jeshani; 3. Virbai Premji Jeshani; 4. Hirbai Lalji Jeshani; Baladia, Bhuj.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A building standing on land admcasuring 329.66 sq. mtrs. (i.e. 2/5th of 1/2 of 1645.24 sq. mts.) situated at outside Vaniawad Naka, Station Road, Bhuj and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 75 dated January, 1980.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 26-6-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

FORM ITNS

- (1) Dhanbai Wd/of Ramji Kanaji; Baladia—Kutch—
Bhuj.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Lalji Jinabhai Jesani; 2. Shri Premji Jina-
bhai Jesani; 3. Dhanbai Kanjibhai Jesani, Baladia
Village.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th June 1980

Ref. No. P. R. No. 1071 Acq. 23/J/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. M. S. No. 10/1/175 situated at Outside Vaniawad Naka, Stn. Rd. Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhuj on 24-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A structure standing on land admeasuring (3/5th, 1/2 portion of land) 494.42 sq. mts. bearing M. No. 10/1/175 situated at outside Vaniawad Naka, Stn. Road, Bhuj and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 175 dt. 24-1-1980.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 26-6-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Patel Mavaji K. Bhaya; Baladiya Village, Dist.
Bhuj.
(Transferor)
(2) Patel Naran Valaji Jesani and Mavaji Valaji Jesani
and Kesari Valaji Jesani;
Baladiya village, Bhuj.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

Ahmedabad-380 009, the 26th June 1980

Ref. No. P. R. 1073 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. S. No. 10-5/175 & 10-7/175 3/5th part of 1/2 land situated at Outside Vaniawadna Naka, Bhuj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 23-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A building standing on land admeasuring, 315 sq. mts. 1/2 portion of 1649.29 sq. mts. bearing M. No. 1015/175 and 1017/175, situated outside Vaniawad Naka, Bhuj and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1841 dated 23-11-79.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-6-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 26th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1072 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. S. No. 10-5/175 and 10-7/175 2/5th part of 1/2 land situated at Outside Vaniawad Naka, Bhuj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhuj on 23-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Patel Mayji Kanji;
Baladiya Village, Bhuj.

(Transferor)

(2) Patel Laxman Ramaji,
Rambai Naran;
Valbai Ramaji &
Valbai K. Jesani;
Baldia Village, Bhuj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 215 sq. mts. 1/2 portion of 1649.29 sq. mtrs. bearing M.S. No. 10-5/175, 10-7/175 situated outside Vaniawad Naka Bhuj and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1842 dated 23-11-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 26-6-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Patel Jamnadas Lalajibhai Changela;
Station Plot, Dhoraji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hajisatar Ibrahim Shahigara;
Bhakumbhaji Para, Dhoraji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 24th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1074 Acq. 23/7/80-81.—Whereas I. S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 81 situated at Station Road, Dhoraji (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dhoraji on 13-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 664 sq. yds. bearing Plot No. 81 situated at Station Road, Dhoraji and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1610 dated 13-11-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—176GI/80

Date : 24-6-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Dudhibai Shamjibhai Bardana,
Near Jumma Masjid, Makarva Sheri,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Ashwinkumar Balubhai Kantaria,
57, Kotechanagar, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th June 1980

Ref. No. P. R. No. 1056 Acq, 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 88-1 paiki, plot No. 12, village Raiyya, at Jai Jalaram Plds, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 20-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 475-5-0 sq. yds. bearing S. No. 88-1 paiki Plot No. 12, situated at village Raiyya, Jai Jalaram Plots Rajkot, duly registered by Registering officer, Rajkot vide sale-deed No. 6368/20-11-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Dudhibai Shamjibhai Bardana,
Near Jumma Masjid, Makarva Sheri,
Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 20th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1055 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 88-1 paiki Plot No. 12, situated at village Raiyya, at Rajkot on 20-11-1979 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 20-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 457-7-0 sq. yds. bearing S. No. 88-1, paiki Plot No. 12, situated at village Raiyya, Jai Jalaram Plots, Rajkot, duly registered by Registering officer, Rajkot, vide sale deed No. 6370/20-11-79 i. e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-6-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad-380 009, the 20th June 1980

Ref. No. P. R. No. 1062 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1938/2, paiki, situated Jintan Road, Wadhwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 2-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Soni Khodidas Jivanbhai; Administrator etc., of
 1. Liladhar Jivanbhai;
 2. Jagjivan Jivanbhai;
 3. Chamantil Liladharbhai;
 4. Navnitlal ~~Khodidas~~; Derasar Chawk, Surendranagar.

(Transferor)

- (2) Shri Chandrakant Kapurchand Sanghvi, 'Babu Niwas', Jorawarnagar, Dist. Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 1928/2 adm. 2089 sq. yds. situated at near Jintan Road, Wadhawan, duly registered by Registering Officer, Wadhawan vide sale deed No. 2728/2/11-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Ahmedabad.

Date : 20-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Kantilal Liladhar Soni,
(Transferor)
Derasar Chawk, Surendranagar.
(2) Shri Chandrakant Kapurchand Sanghvi,
'Babu Niwas', Jorawarnagar, Dist. Surendranagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1061 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1938/2 paiki situated at Near Jintan Road, Wadhawan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhawan on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 1938/2, adm. 2090-6-0 sq. yds. situated near Jintan Road, Wadhawan, duly registered by Registering Officer, Wadhawan, vide sale deed No. 2727/2-11-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Chamnlal Laladhar Soni,
(Transferor)
Derasar Chawk, Surendranagar.
(2) Shri Chandrakant Kapurchand Sanghvi;
'Baby Niwas', Jorawarnagar, Dist. Surendranagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDILOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th June 1980

Ref. No. P. R. No. 1060 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1938/2 paiki situated at near Jintan Road, Wadhwan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 2-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 1938/2 adm. 2098 s. yds. situated near Jintan Road, Wadhwan duly registered by Registering Officer, Wadhwan vide sale deed No. 2726/2-11-79 i.c. property as fully described therein.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 20-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Laddhar Jivanbhai Soni,
Derasar Chawk, Surendranagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandrakant Kapurchand Sanghvi,
'Banu Niwas', Jorawarnagar.
Dist. Surendranagar.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1059. Acq. 23/I/80-81.—Whereas I. S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1938/2 (Open land)-paiki situated at Near Jintan Road, Wadhwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open land bearing S. No. 1928/2 adm. 2089 sq. yds. situated near Jintan Road, Wadhwan duly registered by Registering officer, Wadhwan vide sale deed No. 2725/2-11-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 20-6-1980.

Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Jagjiyanbhai Jivanbhai Soai;
Derasar Chawk, Surendranagar.
(Transferor)
- (2) Shri Chandrakant Kapurchand Sanghvi,
'Babu Niwad', Jorawarnagar,
Dist. Surendranagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1058 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I,
S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 1938/2 (Open land) paiki situated at Near Jintan
Road, Wadhwan situated at Near Jintan Road, Wadhwan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Wadhwan on 2-11-1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 1938/2 adm. 2089 sq. yds. situ-
ated near Jintan Road, Wadhwan, duly registered by Regis-
tering Officer, Wadhwan vide sale deed No. 2724/2-11-1979
i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 20-6-1980.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforeaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ramji-bhai Liladharbhai,
Derasar Chawk, Surendranagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad, the 20th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1057 Acq. 23/1/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1938/2 (Open land) paiki, situated Near Jintan Road, Wadhwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 2-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 1938/2 adm. 2098 sq. yds. situated near Jintan Road, Wadhwan, duly registered by Registering Officer, Wadhwan vide sale-deed No. 2723/2-11-1979 i.e. property as fully described therein.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-6-1980.
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1064 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I,

S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 325/3 Non Agricultural land situated at Brahmkund, Junagadh

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 8-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vimlaben Ganeshrai
2. Shri Sumanrai Ganeshrai
3. Shri Shivish Ganeshrai,
through their power of attorney holders :
1. Shri Vinayakrai Ishverlal Vasavda,
2. Shri Bhulabhai alias Jawaher Manjulal Vasavada.

(Transferor)

- (2) Shri Saurashtra Patel Sanskrutik Samaj Trust, Junagadh
President : Dr. Karamshibhai Khodabhai Pipaliya, M. G. Road, Near Vanjari Chawak, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 325/3, admeasuring 3025 sq. mts, situated at Brahmkund, near Chandika Apartment, behind Petrol pump, Junagadh, duly registered by Registering officer, Junagadh vide sale-deed No. 1772/8-11-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 20-6-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,****2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.****Ahmedabad, the 20th June 1980**

Ref. No. P.R. 1063 No. Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. building, factory sheds outhouses, situated at Mavdi Plot, road leading to Udyognagar from main Gondal Rd. Near Baviti way Bridge, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinaykant Bhagwanlal Shah;
30, Kiran Society, Behind Galaxy,
Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Shri Lalitkumar Jayantilal Mehta,
Sangrava Chawk, Shivasadan, Rajkot.
2. Shri Rasiklal Vrajlal Kamani;
Khatriwad, 17, Virani Trust Bldg., Rajkot.
3. Shri Kanakrai Khimchand Mehta,
8, Jairaj Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 1960 sq. yds. alongwith factory sheds, outhouses, situated at Mavdi Plot, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale deed No. 6767/ 21-11-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 20-6-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad, the 6th March 1979

Ref. No. P.R. No. 894 Acq. 23-II/14-7/79-80.—
Whereas I, S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 78, Sheet No. 130,
situated at Patan
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
at Patan on 7-11-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Thakore Chaturji, Nathaji,
Abuwalanu Dehlu,
Near V. K. Bhula High School,
Station Road, Patan.

(Transferor)

(2) President,
Devpurinagar Coop. Housing Society,
Patan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being open land admeasuring 3 Acres
and 21 gunthas situated at S. No. 78, Patan and fully described
as per sale deed No. 2573 registered in the office of Sub-
Registrar, Patan on 7-11-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6th March, 1980.

Seal :